MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

NA Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 23 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु. । वर्ष-6 । अंक-82

चुनावी नफा-नुकसान के गणित से हट कर हो रही कार्रवाई

भ्रष्टाचार के खिलाफ अडिग मोदी सरकार

कानून की चोट पड़ते ही घोटालों के दोषी नेताओं का बना गठबंधन

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और भ्रष्टाचार में लिप्त अन्य नेताओं के खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाइयों से पूरे देश के सामने यह स्पष्ट हो गया है कि मौजूदा केंद्र सरकार की प्राथमिकता क्या है। भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार का दृढ़ रवैया चुनावी लाभ-हानि को देख कर अख्तियार नहीं किया गया है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि केंद्र सरकार भ्रष्ट नेताओं पर सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। यदि किसी ने भ्रष्टाचार किया है तो उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा, चाहे वह कितने ही बड़े पद पर क्यों न हो।

मोदी सरकार की इस प्राथमिकता ने भ्रष्टाचार के सवाल पर सारे नेताओं और पार्टियों के स्टैंड साफ कर दिए हैं। अरविंद केजरीवाल जिस कांग्रेस को भ्रष्ट बताते थे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और शरद पवार को भ्रष्ट बताते थे, आज कांग्रेस उन्हीं के साथ खड़ी है। ऐसा केवल इसलिए हो रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि भ्रष्टाचार के मामले में अब उनका बचना संभव नहीं रह गया है। यही कारण है कि वे सब एक दूसरे के साथ खड़े होकर एक दूसरे को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने चुनावी अभियान में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करने का भी वादा किया था।

केंद्रीय जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों पर कार्रवाई करने की खुली छूट देकर केंद्र सरकार ने यही कार्य किया है। भ्रष्ट लोगों पर कार्रवाई के मामले में पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है।

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि केजरीवाल मामले में भाजपा या केंद्र सरकार को दोषी ठहराना कठिन है। जब हाईकोर्ट में अरविंद केजरीवाल के मामले पर सुनवाई चल रही थी, तब अदालत ने ईडी से उन साक्ष्यों को पेश करने के लिए कहा था जिसके आधार पर वह केजरीवाल से पूछताछ करना चाहती थी। ईडी ने जब सबूतों की फाइल जज के सामने रखी तब अदालत ने केजरीवाल को गिरफ्तारी से छूट देने से साफ इन्कार कर दिया। स्पष्ट है कि अदालत ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्राथमिक तौर पर पर्याप्त साक्ष्य पाया है। अरविंद केजरीवाल सरकार के द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करना, शराब व्यापारियों को अनुचित लाभ पहुंचाना, कमीशन को दो प्रतिशत से 12 प्रतिशत तक बढ़ाना और नीतियों में बदलाव करके एक ही कंपनी को एक ही एरिया में होलसेल और खुदरा बिक्री की छूट देना यह साबित करता है कि इसके पीछे गलत मंशा से काम किया गया।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस मामले में दूसरे आरोपियों ने अपने बयानों में यह अपराध स्वीकार कर लिया है और उनके बयानों के आधार पर ही बाद में दूसरे लोगों की गिरफ्तारी की गई है। तेलंगाना की नेता के. कविता की गिरफ्तारी और उनके बयान ने भी अरविंद केजरीवाल को कटघरे में खड़ा करने का काम कर दिया है। यही कारण है कि इस मामले में आम आदमी पार्टी या विपक्षी गठबंधन के नेता भाजपा को दोषी नहीं ठहरे सकते।

पूरा देश जानता है कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को पेश होने के लिए नौ नोटिस जारी किया था। अगर वे पहले पेश हुए होते तो उनके गिरफ्तार होने का समय कुछ अलग हो सकता था। यही कारण है कि गिरफ्तारी के समय पर भी भाजपा या केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करना मुश्किल है।

यह उनके कर्मों का फल है: अन्ना हजारे

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली शराब नीति घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि उनके कर्मों के कारण ही उनकी गिरफ्तारी हुई है। अन्ना हजारे ने कहा, मैं बहुत दुखी हूं कि अरविंद केजरीवाल जो कभी मेरे साथ काम करते थे, उन्होंने शराब के खिलाफ अपनी आवाज उठाई थी। अब वह खुद शराब नीतियां बना रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी उनके कर्मों के कारण ही हुई है।

अन्ना हजारे ने मीडिया को बताया कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल को इस तरह की नीति लागू नहीं करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, मैंने बोला था कि हमारा काम शराब नीति ▶9 पर

केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली अपनी अर्जी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी को गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में डाली गई याचिका को वापस ले लिया है। बताया गया है कि कोर्ट ने पहले इस मामले में सुनवाई के लिए हामी भर दी थी। इसके लिए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस मामले की सुनवाई के लिए जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच को मामला सौंपा था। हालांकि, दिल्ली सीएम के अब इस मामले में निचली अदालत में जाने की बात सामने आ रही है।इससे पहले केजरीवाल की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने ▶9 पर

राजनीति के चेहरे पर कलंक

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली शराब नीति घोटाले और मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार की रात को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले एजेंसी केजरीवाल को नौ समन भेज चुकी थी, लेकिन वह एक भी बार एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। इससे बचने के लिए अरविंद केजरीवाल भौंडी पेशबंदियां कर रहे थे। उन्होंने इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की, नहीं चढ़ा तो कोर्ट के जरिए बचने की कोशिश की, लेकिन आखिरकार कोर्ट ने भी उनकी गिरफ्तारी रोकने से मना कर दिया और केजरीवाल गिरफ्तार कर लिए गए। गिरफ्तारी के बाद भी उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन तब तक उन्हें अपनी करतूत के सारे नुक्ते और कानून से बच निकलने के सारे असफल छेद समझ में आ गए थे, इसीलिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की अपनी याचिका वापस ले ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद अनैतिक सियासत हो रही है। सब जानते हैं कि केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता और विपक्षी गठबंधन की पार्टियां केजरीवाल का समर्थन कर रही हैं। भारतवर्ष की राजनीति किस नीचता के स्तर पर आ चुकी है, यह उसका जीता जागता प्रमाण है। दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मुख्यमंत्री रहते हुए गिरफ्तार होना भारत के राजनीतिक चेहरे पर कलंक है। यह पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्हें मुख्यमंत्री रहते हुए गिरफ्तार किया गया। केजरीवाल से अच्छे तो लालू यादव, जयललिता, येदियुरप्पा, हेमंत सोरेन जैसे नेता रहे जिन्होंने अपनी गिरफ्तारी सुनिश्चित देख कर पहले इस्तीफा दिया, बाद में गिरफ्तार हुए। लिहाजा, यह कहना बिल्कुल तथ्यात्मक भूल है कि केजरीवाल कोई पहले मुख्यमंत्री थोड़े ही हैं, जो गिरफ्तार हुए। यह तर्क भ्रष्टाचार के गंभीर अपराध का सामान्यीकरण करने जैसी हरकत है।

अभी हाल ही झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रक्षा भूमि घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किए गए। लेकिन उनकी भी गिरफ्तारी उनके पूर्व या तत्कालीन होने के बाद हुई। उन्होंने पहले इस्तीफा दिया। बाद में गिरफ्तार हुए। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी 31 जनवरी 2024 को हुई। लेकिन उसी दिन अपनी गिरफ्तारी के पहले ▶9 पर

अब तक सोलह...

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली शराब नीति मामले में अब तक 16 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। गिरफ्तार लोगों में विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, समीर महेंद्रू, पी सरथ चंद्रा, बिनोय बाबू, अमित अरोड़ा, गौतम मल्होत्रा, राघव मंगुटा, राजेश जोशी, अमन ढल, अरुण पिल्लई, मनीष सिसोदिया, दिनेश अरोड़ा, संजय सिंह, के. कविता और अरविंद केजरीवाल शामिल हैं।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले उन्हें ईडी ने गुरुवार रात कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किया और अब उच्च न्यायालय में एक याचिक दाखिल कर उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग की गई है। हालांकि अभी यह साफ नहीं कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई करेगी या नहीं।

आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की नीति और नीयत का पर्दाफाश

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली की सियासत में बड़ा उफान बृहस्पतिवार को देखने को मिला। शाम ढलते ही मुख्यमंत्री निवास पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम पहुंच गई और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से शराब नीति मामले में पूछताछ शुरू कर दी। रात होते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। शराब नीति घोटाले ने आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की नीति ▶9 पर

2-जी भ्रष्टाचारी ए राजा कैसे बरी हुए ! फाइल फिर खुलेगी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2-जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा, कंपनियों और अन्य को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील शुक्रवार को स्वीकार कर ली।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि रिकॉर्ड में लाई गई सामग्री और पक्षकारों के वकीलों की दलीलों के आधार पर सीबीआई की ओर से दृष्टया मामला बनता है। इसके लिए गहन जांच की आवश्यकता है और अपील पर विस्तार से सुनवाई की आवश्यकता है। पीठ ने इसके साथ ही अपील की अनुमति दी और इस मामले को मई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का ▶9 पर

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

बीआरएस नेता के. कविता को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता और तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की एमएलसी बेटी के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली नहीं है। अदालत ने शुक्रवार को कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कविता की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर एक नोटिस भी जारी किया है। अदालत का कहना है कि कविता निचली अदालत में जा सकती हैं या जमानत के लिए ▶9 पर

बंगाल सरकार के मंत्री के ठिकानों पर ईडी का छापा

कोलकाता, 22 मार्च (एजेंसियां)।
ईडी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री और टीएमसी नेता चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में यह कार्रवाई की। ईडी के अधिकारी अर्द्धसैनिक बल के जवानों के साथ छापेमारी करने पहुंचे। जवानों ने चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों की घेराबंदी की और ईडी के अधिकारी अंदर जांच कर रहे हैं। ईडी की छापेमारी बंगाल के करोड़ों रुपए के स्कूल भर्ती घोटाला मामले में हुई है। ईडी ने इस मामले ▶9 पर

महुआ के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में सीबीआई ने टीएमसी नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। सीबीआई ने ये कार्रवाई भ्रष्टाचार रोधी संस्था लोकपाल के निर्देशों पर की। मोइत्रा के खिलाफ भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से लगाए गए आरोपों पर प्रारंभिक जांच के बाद लोकपाल ने सीबीआई को इसके निर्देश जारी किए हैं। लोकपाल ने सीबीआई को मामले में शिकायतों के सभी पहलुओं ▶9 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 68,580/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 76,686/- (प्रति किलोग्राम)

ईडी की रडार पर 17 सीएम और डिप्टी सीएम

दर्जन से अधिक पूर्व मंत्रियों के भी नाम फेहरिस्त में

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।
विभिन्न घोटालों की चल रही ईडी की जांच के दायरे में अरविंद केजरीवाल समेत देशभर के 17 मुख्यमंत्री या पूर्व मुख्यमंत्री हैं। दर्जनभर पूर्व मंत्री व उप मुख्यमंत्रियों के खिलाफ भी ईडी अलग-अलग मामलों की जांच कर रहा है।

पीएमएलए और दूसरे कानूनों के तहत अलग-अलग राज्यों के 17 मौजूदा एवं पूर्व मुख्यमंत्री ईडी के रडार पर हैं। कुछ मुख्यमंत्रियों से पूछताछ हो चुकी है तो कई सियासतदानों का नंबर लगना बाकी है। कुछ मुख्यमंत्रियों को समन जारी होने वाला है। ईडी की जांच केवल मुख्यमंत्रियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दायरे में पूर्व केंद्रीय गृह, वित्त एवं रेलवे जैसे बड़े मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके नेता भी रहे हैं। जांच एजेंसी की इस फेहरिस्त में चार मौजूदा एवं पूर्व डिप्टी सीएम भी शामिल हैं। इनके अलावा देश के अन्य सियासतदान व उनके परिजन भी जांच एजेंसी के दायरे में आ चुके हैं।

ईडी की रडार पर आने वाले विपक्षी नेताओं में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, लालू प्रसाद यादव और राकांपा संस्थापक शरद पवार जैसे कई दिग्गज नेता रहे हैं। गत वर्ष केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाली कई विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी थी। इनमें टीएमसी, आपा, आरजेडी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, बीआरएस, सपा और उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) आदि दल शामिल थे। इन सभी दलों के नेता जांच एजेंसियों की रडार पर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा था, हमारे देश के प्रधानमंत्री ने ठान लिया है कि अगर भाजपा को वोट नहीं दोगे और किसी दूसरी पार्टी को वोट दोगे तो उस सरकार को किसी भी हाल में काम नहीं करने दिया जाएगा। किसी राज्य में दूसरी पार्टी की सरकार बनती है तो उसके नेताओं के पीछे ईडी और सीबीआई छोड़ दी जाती है। केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि उन पर भाजपा में शामिल होने का दबाव बनाया जा रहा है। आपा विधायकों को लालच देने की कोशिश हो रही है। ▶9 पर

कार्टून कॉर्नर

शेयर मार्केट

बीएसई : 72,831.94
+190.75 +0.26% ↑
एनएसई :22,096.75
84.80 (0.39%) ↑

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 37°
न्यूनतम : 24°

अमेरिका आते हुए बहुत सावधान रहें..., छात्रों को पेप्सिको की पूर्व सीईओ नूई की ये बात जरूर सुननी चाहिए

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)।

पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नूई ने अमेरिका में रह रहे या अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे भारतीय छात्रों को सलाह दी है कि वह अमेरिका में बहुत ध्यान से रहें और स्थानीय कानूनों का पालन करें। साथ ही नूई ने अपील की कि भारतीय युवा अमेरिका आकर ड्रग्स या किसी भी नशे से दूर रहें। हाल के समय में अमेरिका में भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी की कई घटनाएं हुई हैं। यही वजह है कि इंदिरा नूई ने भारतीय छात्रों को अलर्ट रहने की सलाह दी है।

इंदिरा नूई ने जारी किया वीडियो

इंदिरा नूई को वैश्विक स्तर पर कॉरपोरेट जगत की ताकतवर और प्रभावशाली शख्सियत के तौर पर जाना जाता है। नूई ने एक 10 मिनट के वीडियो संदेश जारी किया है, जिसे न्यूयॉर्क में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो संदेश में नूई ने कहा कि %इस वीडियो को रिकॉर्ड करने का मकसद ये है कि मैं आप सभी युवाओं से, जो अमेरिका आना चाहते हैं या पहले से ही यहां रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, उनसे बात करना चाहती थी। आजकल भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। लेकिन ये आपके हाथ में है कि आप खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।

छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह

नूई ने कहा कि कानून का पालन करें और रात में अकेले सुनसान जगहों पर न जाएं। ड्रग्स या किसी भी तरह के नशे के सेवन से बचें क्योंकि यही सब चीजें आपदा लेकर आती हैं। पेप्सिको की पूर्व सीईओ ने भारतीय छात्रों को सलाह दी कि वह अमेरिका में अपनी यूनिवर्सिटी और कोर्स को बहुत सावधानी से चुनें। जब अमेरिका आएं तो शुरुआती महीनों में बेहद सावधान रहें। दोस्त सावधानी से चुनें और नई आदतों को भी सोच-विचारकर अपनाएं। उन्होंने कहा कि जब सांस्कृतिक बदलाव होता है तो बहुत आशंका होती है कि छात्र इस आजादी में भटक जाते हैं और कई बार ड्रग्स के आदी हो जाते हैं। ये बेहद खतरनाक है।

अमेरिका में हाल के समय में कई भारतीय छात्रों की जा चुकी है जान नूई ने कहा कि भारतीय छात्र वीजा नियमों का भी पालन करें और किसी कानून का उल्लंघन न करें। साथ ही देर रात में अकेले सुनसान जगहों पर न जाएं। नूई का यह वीडियो ऐसे समय आया है, जब इस साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों की असमय मौत की खबरें सामने आई हैं। इस हफ्ते एक भारतीय छात्र लापता है। वहीं एक भारतीय मूल का छात्र क्लीवलैंड में मृत पाया गया था। जनवरी में अकुल धवन नामक एक भारतीय छात्र यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस के परिसर में मृत पाया गया था। जांच में पता चला कि उसकी मौत ठंड के चलते हुई। दरअसल वह शराब के नशे में बाहर रहा, जिससे उसे ठंड लग गई और उसकी मौत हो गई। ऐसे ही कई मामले सामने आए हैं, जिनमें भारतीय छात्रों की जान चली गई।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटिश राजकुमारी केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड लीक होने पर हंगामा, अस्पताल कर्मियों से पूछताछ शुरू

लंदन। ब्रिटेन में नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार इंफोर्मेशन कमिश्नर ऑफिस (आईसीओ) ने ब्रिटिश राजघराने की बहू केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड के कथित लीक मामले में जांच शुरू कर दी है। इस बीच एक पुरानी जांच रिपोर्ट की ब्रिटेन में चर्चा चल रही है, जिसमें कहा गया कि मरीज के मेडिकल रिकॉर्ड मेडिकल स्टाफ को आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यह रिपोर्ट केयर क्वालिटी कमीशन ने साल 2021 में जारी की थी। मेडिकल रिकॉर्ड लीक की जांच शुरू मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुरानी रिपोर्ट में दावा किया गया कि बड़े अस्पतालों में मरीजों के रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाते हैं, लेकिन वे मेडिकल कर्मियों को आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। केट मिडलटन की बीती जनवरी में सर्जरी हुई थी। यह सर्जरी लंदन के एक अस्पताल में हुई। दो हफ्ते अस्पताल में रहने के बाद केट अस्पताल से डिस्चार्ज हो गईं थी। हाल ही में आरोप लगे कि अस्पताल में केट के मेडिकल रिकॉर्ड लीक हुए। इस मामले में तीन कर्मचारियों से पूछताछ हो चुकी है। वहीं केट मिडलटन सर्जरी के बाद से ही सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दी हैं। जिसके चलते उनकी सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर चल रहा है। ब्रिटेन में मेडिकल रिकॉर्ड लीक करना अपराध अस्पताल के सीईओ ने बयान जारी कर बताया कि हमारे अस्पताल में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है, जो जानबूझकर मरीजों के विश्वास का उल्लंघन करते हैं। हमारे यहां मरीजों के दस्तावेजों की समीक्षा की बेहतर व्यवस्था है और अगर इसका उल्लंघन हुआ है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि ब्रिटेन में मरीजों के मेडिकल दस्तावेज बिना मरीज की मंजूरी के देखना अपराध है।

नवलनी की मां को अदालत से झटका, जेल में बेटे की अनुचित देखभाल का आरोप वाला मुकदमा खारिज

मॉस्को। दिवंगत रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में संदिग्ध तरीके से हुई मौत को लेकर हंगामा जारी है। उनका परिवार लगातार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस बीच, नवलनी की मां ल्यूडमिला नवलनया को झटका लगा है। मॉस्को की एक अदालत ने नवलनया की उस मुकदमे को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नेता को आर्कटिक दंड कॉलोनी में सही से चिकित्सा देखभाल नहीं मिली, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। केवल नवलनी ही कर सकते हैं मुकदमा- अदालत नवलनी के 'फाउंडेशन फॉर फाइटिंग करप्शन' के पूर्व निदेशक इवान झदानोव ने कहा कि लेबितनांगी की अदालत ने यह कहते हुए मुकदमा खारिज कर दिया कि केवल नवलनी ही इस बारे में शिकायत कर सकते थे। झदानोव ने कहा कि एलेक्सी नवलनी ने जेल में चिकित्सा देखभाल के खिलाफ कई बार मामले दायर किए थे। अब जब वह मारे गए, तो उनके परिवार की भी नहीं सुनी जा रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर हत्या करने का आरोप रिपोर्ट के अनुसार, नवलनी के परिवार और समर्थकों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है, हालांकि क्रेमलिन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

कतर के लिए रवाना होंगे मोसाद के अध्यक्ष बार्निया, युद्ध विराम-बंधकों की रिहाई के लिए होगी बातचीत

तेल अवीव। इजराइल और हमास के बीच अस्थाई युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक बार फिर बैठक होने वाली है। बैठक में सीआईए निदेशक बर्न्स, कतरी पीएम मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल थानी और मिस्र के खुफिया मंत्री कामेल शामिल होंगे। बैठक के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इजराइली प्रतिनिधिमंडल के प्रस्थान को मंजूरी दे दी है। मोसाद निदेशक बार्निया इजराइली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बैठक कतर में आयोजित की गई है और इजराइली प्रतिनिधिमंडल कतर के लिए रवाना होगा। गौरतलब है कि सात अक्तूबर को इजराइल पर हमास द्वारा 5000 रॉकेट दागने के बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। अब तक युद्ध में करीब 30 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। हमले के यह तीन कारण हमास ने कहा कि ये यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है।

एआई पर संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव पर मतदान, सुरक्षा के लिए अमेरिका ने मांगा सभी देशों का समर्थन

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर मतदान के लिए तैयार है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शक्तिशाली नई तकनीक सभी देशों को लाभान्वित करे, मानवाधिकारों का सम्मान करे और सुरक्षित, संरक्षित व भरोसेमंद साबित हो। इस प्रस्ताव का प्रायोजक अमेरिका है। उसने कहा, उम्मीद है कि विश्व निकाय इसे आम सहमति से अपनाएगा और यूएन के सभी 193 देश इसका समर्थन करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि यदि प्रस्ताव अपनाया गया तो यह एआई के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। उन्होंने कहा, यह संकल्प एआई के विकास-इस्तेमाल में सिद्धांतों के आधारभूत सेट के लिए वैश्विक समर्थन का प्रतिनिधित्व करेगा। यह जोखिमों का प्रबंधन करते हुए एआई सिस्टम का लाभ उठाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। मसौदा प्रस्ताव का उद्देश्य अमीर विकसित देशों और गरीब विकासशील देशों के बीच डिजिटल विभाजन को खत्म करना है और यह सुनिश्चित करना है कि एआई पर चर्चा में वे सभी शामिल हों। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि विकासशील देशों के पास एआई का लाभ उठाने के लिए तकनीक और क्षमताएं हों, ताकि बीमारियों का पता लगाना, बाढ़ की भविष्यवाणी करना, किसानों व श्रमिकों की मदद आसान हो सके।

एआई एक उभरता क्षेत्र - अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में लाया जाने वाला प्रस्ताव एआई विकास व उपयोग में तेजी को मान्यता देता है। साथ ही सुरक्षित और भरोसेमंद एआई प्रणालियों पर वैश्विक सहमति की तात्कालिकता पर जोर देता है। यह मानता है कि एआई प्रणालियों का शासन एक उभरता हुआ क्षेत्र है जिसके लिए संभावित शासन दृष्टिकोण पर और चर्चा की आवश्यकता है। मसौदे में एआई को विनियमित करने की जरूरत का समर्थन किया है।

वैश्विक चर्चा के लिए महासभा का रुख किया - यूरोपीय संघ के सांसदों ने 13 मार्च को दुनिया के पहले व्यापक एआई नियमों को अंतिम मंजूरी दे दी है, जो कुछ अंतिम औपचारिकताओं के बाद मई या या जूने तक प्रभावी हो जाएंगी। अमेरिका और चीन सहित दुनिया भर के देश तथा 20 प्रमुख औद्योगिक देशों का समूह भी

एआई नियम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिकी एनएसए ने बताया कि अमेरिका ने एआई की तेजी से आगे बढ़ने वाली प्रौद्योगिकी के निहितार्थों को प्रबंधित करने के तरीके पर वास्तव में वैश्विक बातचीत करने के लिए महासभा का रुख किया है।

2030 तक विकास लक्ष्यों में एआई का इस्तेमाल - मसौदा प्रस्ताव के अनुसार, इसका प्रमुख लक्ष्य 2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र के बुरी तरह से पिछड़े विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति के लिए एआई का इस्तेमाल करना है। इसमें वैश्विक भूख और गरीबी को खत्म करना, दुनिया भर में स्वास्थ्य में सुधार करना, सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करना और लैंगिक समानता हासिल करना शामिल है।

मालदीव में भारत समर्थित परियोजनाओं की उल्लेखनीय प्रगति, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी संवारा गया

माले (मालदीव)। मालदीव और भारत के रिश्तों में तल्खी के बीच विदेश मंत्रालय ने अहम बयान दिया है। विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजा के मेनन ने बताया कि पिछले कई दशकों में, भारत ने मालदीव को कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को विकसित करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद विकास की साझेदारी के माध्यम से दोस्ती मजबूत करना है। विकास साझेदारी प्रशासन के तहत विकास कार्य दरअसल, विदेश मंत्रालय की एक टीम ने भारतीय रियायती ऋण सुविधा के तहत मालदीव में किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। टीम का नेतृत्व मेनन कर रही हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय रियायती ऋण सुविधा के तहत हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पुनर्विकास हो रहा है। मेनन विदेश मंत्रालय के तहत आने वाले विकास साझेदारी प्रशासन में संयुक्त सचिव हैं। विकास परियोजनाएं डीपीए ही संचालित करता है। अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा चौथी भारत-मालदीव नियंत्रण रेखा (एलओसी) समीक्षा बैठक के हिस्से के रूप में भारतीय रियायती क्रेडिट लाइन के तहत बाराह और केला द्वीपों में कई विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति की मुक्केबाजी की तस्वीरें वायरल, यूजर्स बोले- यह रूस के खिलाफ मैक्रों का कड़ा रुख

पेरिस, 22 मार्च।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मुक्केबाजी करते हुए तस्वीरे सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। दरअसल, मैक्रों के फोटोग्राफर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनकी ये तस्वीर शेयर की थी। एक तस्वीर में फ्रांस के राष्ट्रपति को अपने दांत पीसते दिखे, जबकि, दूसरी तस्वीर में वह अपने दाहिने हाथ से पंचिंग बैग को मारते हुए दिखे।

सोशल मीडिया पर शेयर हुई मैक्रों की तस्वीरें

सोशल मीडिया पर तस्वीर के वायरल होते ही कुछ लोगों ने इसे मॉस्को के खिलाफ मैक्रों के बढ़ते कड़े रूख के साथ जोड़ा। जबकि, कुछ लोगों ने उनकी तुलना रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से की। बता दें कि पुतिन जूडो का अभ्यास करते हुए और घोड़े की सवारी करते हुए अपनी तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। मैक्रों के फोटोग्राफर ने दो दिन पहले इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की थी।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

पोस्ट किए जाने के बाद से ही इस तस्वीर को 12,000 से अधिक लाइक मिल चुका है। यूजर्स ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया भी दी है। एक यूजर ने कहा, शॉट्स, मैसेज और इम्पैक्ट के लिए ये दो तस्वीरें हमें बहुत पसंद आईं। अद्भूत। एक दूसरे यूजर ने कहा, मिस्टर प्रेसिडेंट क्लब में आपका स्वागत है। यह सबसे अच्छा खेल है। एक अन्य यूजर ने कहा, साहस और दृढ़ संकल्प, एक सच्चा योद्धा। खूबसूरत शॉट्स।

वहीं, दूसरे अन्य यूजर ने कहा, इन खूबसूरत तस्वीरों के लिए धन्यवाद, ये विरोधियों के साथ-साथ कुछ पत्रकारों और उन सभी नफरत करने वालों को नाराज करेगी, जिनमें जान नहीं है। मैं समझता हूं कि राष्ट्रपति को इन पंचिंग बैगों को उतारने की जरूरत है, क्योंकि जिम्मेदारियों का सारा भार भी उन्हीं पर है। आपकी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शानदार हैं।

सिख विवाह अधिनियम में संशोधन की तैयारी, 18 साल से कम उम्र के लोग नहीं कर सकेंगे शादी

लाहौर, 22 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पहले सिख मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने कहा है कि प्रांतीय सिख अधिनियम में संशोधन होंगे, जिसके तहत 18 साल से कम उम्र के सिख शादी करने के लिए अयोग्य होंगे। पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (पीएसजीपीसी) की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए रमेश सिं अरोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान के सिख अधिनियम में नए संशोधन अल्पसंख्यक समुदाय के पक्ष में होने जा रहे हैं। सिख एक्ट में कई संशोधनों की सिफारिश- रमेश सिंह अरोड़ा अल्पसंख्यक मामलों के प्रांतीय कैबिनेट मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने कहा कि सिख आनंद विवाह अधिनियम 2018 में 18 वर्ष से कम उम्र के सिखों को विवाह के लिए अयोग्य बनाने समेत कुछ संशोधन किए जाएंगे और इसे जल्द ही कैबिनेट द्वारा मंजूरी दे दी जाएगी। बैठक में लाहौर, ननकाना साहिब, पांजा साहिब, डेरा साहिब और पेशावर से हेड ग्रांटी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान सिख एक्ट में कई संशोधनों की सिफारिश की गई। शादी के 30 दिनों के अंदर रजिस्टार को जमा करना होगा फार्म संशोधित कानून के मुताबिक, विवाह गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं के अनुसार होगा। जोड़े को एक फॉर्म भरना होगा और शादी के 30 दिनों

के भीतर अधिकृत रजिस्ट्रार को जमा करना होगा। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के सदस्य रमेश सिंह अरोड़ा ने कहा कि यूनियन काउंसिल सभी विवाहों का रिकॉर्ड रखेगी। बैठक के दौरान सुलह परिषद, विवाह रजिस्ट्रार और रजिस्ट्रार की नियुक्ति के संबंध में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। सिख विवाह के लिए उम्र 18 वर्ष करने की तैयारी- अरोड़ा बैठक के नतीजे के मुताबिक, विवाह के लिए सिख लड़के और लड़कियों की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए। इस दौरान इस बात पर भी सहमति बनी कि पांच सदस्यीय संगत किसी भी मुद्दे पर अपने प्रस्ताव पेश करेगी। यह भी निर्णय लिया गया कि तलाक चाहने वाले जोड़े को यूनियन काउंसिल के अध्यक्ष को एक लिखित नोटिस भेजने के लिए बाध्य किया जाएगा।

हैती में फंसे भारतीयों को निकालने को ऑपरेशन इंद्रावती शुरू,12 लोगों को डोमिनिकन रिपब्लिक ले जाया गया

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने हैती में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन इंद्रावती शुरू कर दिया है। इसके तहत गुरुवार देर रात 12 लोगों को कैरेबियाई द्वीप डोमिनिकन रिपब्लिक ले जाया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसकी जानकारी दी। हैती में 23 दिनों से हिंसा जारी है। सड़कों पर लाशें बिछीं हैं। जयशंकर ने गुरुवार रात एक्स पर लिखा- भारत ने हैती से अपने नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन इंद्रावती शुरू किया। आज 12 भारतीयों को निकाला गया। इन्हें डोमिनिकन रिपब्लिक भेजा गया। हम विदेशों में अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

डोमिनिकन रिपब्लिक की सरकार को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद।

कैरेबियाई देश हैती में मार्च की शुरुआत से ही हिंसा हो रही है। दरअसल, 29 फरवरी को देश में मौजूद क्रिमिनल गैंग के लोगों ने कई सरकारी संस्थानों में हमले कर दिए थे। उन्होंने जेल पर हमला किया था, जिसके बाद

4 हजार कैदी फरार हो गए। ये हथियारबंद लोग देश के कई हिस्सों में आगजनी कर रहे हैं, दुकानों घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। 15 मार्च को विदेश मंत्रालय के स्पोक्स पर्सन रणधीर जैसवाल ने कहा था- जरूरत पड़ने पर भारत अपने नागरिकों को हैती से निकालने के लिए तैयार है। जैसा कि आप जानते हैं हैती में संकट है। अगर जरूरत पड़ी तो हम वहां से अपने लोगों को निकालेंगे। हम इवैक्यूएशन के लिए तैयार हैं। हमने यहां विदेश मंत्रालय में एक कंट्रोल रूम बनाया है। हमने हैल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। हैती में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर चिंताओं पर जैसवाल ने कहा था कि डोमिनिकन रिपब्लिक की राजधानी सैंटो डोमिंगो में दूतावास, जो हैती के लिए मान्यता रखता है, स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सैंटो डोमिंगो में हमारा दूतावास स्थिति पर नजर रख रहा है और मंत्रालय भी स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए है। बढ़ती हिंसा के बीच 12 मार्च को हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने इस्तीफा दे दिया। ब्रिटिश मीडिया बीबीसी के मुताबिक, हैती में हिंसा प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के केन्या जाने के बाद शुरू हुई। दरअसल, प्रधानमंत्री केन्याई नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल (मल्टीनेशनल सिक्योरिटी फोर्स) की हैती में तैनात को लेकर चर्चा करने के लिए नैरोबी गए हैं।

शिकागो से शुरु होगी राम मंदिर रथ यात्रा, 60 दिनों में 48 राज्यों के 851 मंदिरों का किया जाएगा दौरा

न्यूयॉर्क, 22 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के शिकागो से राम मंदिर रथयात्रा शुरू होगी। यह यात्रा अगले 60 दिनों में आठ हजार से भी अधिक मील की दूरी तय करते हुए 48 राज्यों के 851 मंदिरों तक जाएगी। रथयात्रा का आयोजन करने वाले विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के महासचिव अमिताभ मित्तल ने बताया कि टोयोटा सिएना वैन के ऊपर बने रथ में भगवान राम, देवी सीता, लक्ष्मण और हनुमान की मूर्तियां होंगी। उनके साथ अयोध्या के राम मंदिर से विशेष प्रसाद और प्राण प्रतिष्ठा पूजित अक्षत का कलश ले जाया जाएगा।

शिकागो से शुरू होगी रथ यात्रा - रथयात्रा 25 मार्च को अमेरिका के शिकागो से शुरू होगी और करीबन आठ हजार मील की दूरी तय करेगी। यात्रा के दौरान अमेरिका के 851 मंदिरों और कनाडा के 150 मंदिरों का दौरा किया जाएगा। कनाडा में होने वाली रथ यात्रा का आयोजन विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने किया है। हिंदू मंदिर सशक्तिकरण परिषद (एचएमईसी) की तेजल

शाह ने कहा, इस रथ यात्रा का उद्देश्य लोगों को हिंदू धर्म के बारे में जागरूक करना, शिक्षित करना और सशक्त बनाना है। यह यात्रा सभी हिंदुओं को एकजुट होने का मौका दे रही है। उन्होंने आगे कहा, हमारे लिए और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए जागरुकता बढ़ाने और दुनिया भर में हिंदू धर्म का प्रसार करने के अभियान में एकजुट होना बहुत जरूरी है।

हनुमान जयंती के दिन होगा समापन - विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के महासचिव अमिताभ मित्तल ने बताया कि कई लोग वीएचपीए के जरिए इस यात्रा की योजना बनाने और आयोजन में मदद करने के लिए आगे आए हैं। अमेरिका में यह पहली बार ऐसा हो रहा है कि हिंदू समुदाय द्वारा इस तरह की यात्रा का आयोजन किया गया है। यात्रा का समापन 23 अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन होने वाला है। रथ यात्रा के दौरान न केवल बड़े मंदिरों को, बल्कि छोटे-छोटे मंदिरों का भी दौरा किया जाएगा।

भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे गए पीएम मोदी

भारत और भूटान के युवाओं की आकांक्षा और लक्ष्य एक जैसा

हर कदम पर भूटान के साथ खड़ा है भारतः मोदी

थिम्पू, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर आज भूटान पहुंचे। इस दौरान भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो से पीएम मोदी को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

मैं इस महान भूमि में सभी भारतीयों की ओर से इस सम्मान को स्वीकार करता हूं। भूटान और दिए गए सम्मान का दिल से धन्यवाद करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के युवाओं की आकांक्षाएं और लक्ष्य एक जैसे हैं। भारत ने 2047 तक विकसित देश बनने का लक्ष्य रखा है, जबकि भूटान ने 2034 तक उच्च आय वाला देश बनने का लक्ष्य रखा है। भूटान के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत हर कदम पर आपके साथ खड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के बीच संबंध प्राचीन हैं, लेकिन आधुनिकता के दौर में दोनों देशों के संबंध नई ऊंचाइयों पर हैं। जब मैं पहली बार 2014 में प्रधानमंत्री बना तो मेरी पहली विदेश यात्रा के रूप में भूटान जाना मेरे लिए स्वाभाविक था। 10 साल पहले भूटान द्वारा दी गए गर्मजोशी से स्वागत ने प्रधानमंत्री के रूप में मेरी कर्तव्य यात्रा की शुरुआत को यादगार बना दिया।

थिम्पू में लोगों का अभिवादन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और भूटान एक साझा विरासत का हिस्सा हैं। भारत भगवान बुद्ध का जन्मस्थान है। यह वह स्थान है जहां भगवान बुद्ध ने निर्वाण प्राप्त किया था। जबकि, भूटान वह स्थान है जिसने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को अपनाया और संरक्षित किया इसने वज्रयान बौद्ध धर्म की परंपरा को जीवित रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम सहयोग करते हैं और एक-दूसरे की सफलताओं का जश्न मनाते हैं। जब भारत का मिशन चंद्रयान सफल हुआ, तो भूटान के लोग भी उतने ही खुश थे जितने भारत के लोग थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भूटान का सर्वोच्च सम्मान दिए जाने पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी को इस सम्मान के लिए हार्दिक बधाई। पीएम मोदी इस उच्च सम्मान से सम्मानित होने वाले पहले विदेशी नेता है। यह भारत और भूटान की दोस्ती को मजबूत करता है। दोनों देश संबंधों का जश्न मना रहा है।

भारत और भूटान ने किए कई समझौतों पर हस्ताक्षर

थिंपू, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। पहले दिन शुक्रवार को पीएम मोदी और उनके भूटानी समकक्ष शेरिंग टोबगे की मौजूदगी पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान ऊर्जा, व्यापार, डिजिटल संपर्क, अंतरिक्ष और कृषि के क्षेत्र में कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही दोनों देशों के बीच रेल संपर्क संबंधी समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए प्रधानमंत्री टोबगे को धन्यवाद दिया। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, पर्यावरण और वानिकी तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति बनाई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान के बीच दीर्घकालिक और अनूठे संबंध हैं। इसके अलावा, दोनों पक्ष भारत और भूटान के बीच रेल संपर्क को लेकर सहमति जता चुके हैं और इस संबंध में एमओयू पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। बयान में कहा गया है कि समझौता ज्ञापन में भारत और भूटान के बीच दो प्रस्तावित रेल संपर्क का प्रावधान किया गया है, जिसमें कोकराझार-गेलेफू रेल संपर्क और बनारहाट-समत्से रेल संपर्क और उनके कार्यान्वयन के तौर-तरीके शामिल हैं। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण उपायों के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन का उद्देश्य ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विकसित 'स्टार लेबलिंग' कार्यक्रम को बढ़ावा देकर घरेलू क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने में भूटान की सहायता करना है।

एक कंपनी ने भाजपा को दिया 500 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को एसबीआई द्वारा दिया डाटा सार्वजनिक कर दिया।

इस डाटा से साफ हो गया है कि किस दानदाता ने किस राजनीतिक पार्टी को कितना चंदा दिया। डाटा से पता चला है कि इलेक्टोरल बॉन्ड से मिले कुल चंदे में से आधा चंदा सिर्फ भाजपा को मिला है। वहीं भाजपा को सबसे ज्यादा चंदा मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा दिया गया है। इस कंपनी ने ही भाजपा को करीब 600 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

मेघा इंजीनियरिंग कंपनी की ही सहयोगी कंपनी वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन ने कांग्रेस को भी 110 करोड़ रुपए का चंदा दिया है। मेघा इंजीनियरिंग के अलावा भाजपा को क्विक सप्लाई चेन कंपनी से 375 करोड़ रुपए, खनन और खनिज कंपनी वेदांता लिमिटेड ने 230 करोड़ रुपए और भारतीय एयरटेल ने 183 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

कांग्रेस की सबसे बड़ी दानदाता कंपनी वेदांता है, जिसने कांग्रेस को 125 करोड़ रुपए का चंदा दिया। इसके अलावा एमकेजे एंटरप्राइजेज नामक कंपनी ने कांग्रेस को 120 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

चुनाव आयोग द्वारा सार्वजनिक किए गए डाटा के अनुसार, भाजपा को नौ अन्य कंपनियों ने 100-100 करोड़ रुपए से ज्यादा का चंदा दिया है। कांग्रेस को 11 कंपनियों ने 50 करोड़ से लेकर 100 करोड़ रुपए तक का चंदा दिया है। भाजपा और कांग्रेस के बाद सबसे ज्यादा चंदा तृणमूल कांग्रेस पार्टी को मिला है। टीएमसी को जिस कंपनी ने सबसे बड़ा चंदा दिया है, वो है फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज। सैंटियागो मार्टिन के स्वामित्व वाली कंपनी ने ही इलेक्टोरल बॉन्ड्स योजना के तहत राजनीतिक पार्टियों को सबसे बड़ा चंदा दिया है। फ्यूचर गेमिंग ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए विभिन्न राजनीतिक पार्टियों को 1300 करोड़ रुपए से ज्यादा का चंदा दिया। इस एक कंपनी ने टीएमसी को 542 करोड़ रुपए का चंदा दिया। हल्दिया एनर्जी ने टीएमसी को 28 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

मेघा इंजीनियरिंग ने भाजपा को करीब 600 करोड़ रुपए का चंदा देने के अलावा बीआरएस को 195 करोड़ रुपए, डीएमके को 85 करोड़ रुपए का चंदा भी दिया है। भाजपा को वेदांता, भारती एयरटेल, मुथूट, बजाज ऑटो, जिंदल ग्रुप और टीवीएस मोटर ने भी दिल खोलकर चंदा दिया। वेदांता ग्रुप ने कांग्रेस, बीजू जनता दल और तृणमूल कांग्रेस को चंदा दिया। भारती एयरटेल ने भाजपा, राजद, शिअद, कांग्रेस और जनता दल यूनाइटे को चंदा दिया है।

भोजशाला का सर्वे रोकने संबंधी याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

धार, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले की भोजशाला का सर्वे आज से शुरू हो गया है। आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम भोजशाला का सर्वे करेगी। इसका सर्वेक्षण करने के लिए एएसआई की 20 सदस्यीय टीम सुबह 6:30 बजे भोजशाला पहुंच गई। हाईकोर्ट के निर्देश पर भोजशाला का सच जानने के लिए सर्वे के लिए परिसर में आज से खोदाई शुरू होगी। भोजशाला को लेकर इंदौर में लगी एक याचिका पर सुनवाई के बाद इसी महीने में सर्वे के आदेश दिए थे।

सर्वेक्षण के लिए भोजशाला के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एएसआई की टीम के साथ एएसपी, एडीएम, एसडीएम और सीएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद हैं। इसके अलावा 175 से अधिक पुलिस जवान भोजशाला परिसर के आसपास किए गए तैनात गए हैं। हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से याचिकाकर्ता गोपाल शर्मा और आशीष गोयल भी टीम के साथ भोजशाला पहुंचे हैं। मुस्लिम पक्ष की ओर से यहां कोई मौजूद नहीं है।

रमजान महीने का आज दूसरा शुक्रवार है और सर्वे भी शुरू हो रहा है। ऐसे में विशेष एहतियात भी बरती जा रही है। सर्वे का असर जुमे की नमाज पर नहीं होगा। नमाज पढ़ने आने वाले लोगों को भोजशाला में प्रवेश दिया जाएगा। धार एसपी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हाई कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा। नमाज प्रभावित नहीं होगी।

भोजशाला सर्वे मामले में मुस्लिम पक्ष ने 16 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 1 अप्रैल की तारीख तय की थी। लेकिन, शुक्रवार को सर्वे शुरू होने के बाद मुस्लिम पक्ष याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से मना कर दिया। बता दें कि यह याचिका मौलाना कमाल-द्दीन वेलफेयर सोसाइटी ने दाखिल की है। जिसमें सर्वे से जुड़े हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भाजपा की प्रतिक्रिया

आखिरकार उनका घमंड टूट गया

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा लगातार निशाना साध रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, गिरफ्तारी से पहले केजरीवाल कह रहे थे कि सीएम को समन कैसे जारी किया जा सकता है, लेकिन आखिरकार आज उनका घमंड टूट गया।

संबित पात्रा ने शुक्रवार को कहा, 23 अक्टूबर को नौ समन जारी किए गए, लेकिन वह एक बार भी उपस्थित नहीं हुए। वह कहते रहे कि समन अवैध है और उपस्थित नहीं होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह मुख्यमंत्री हैं और उन्हें कैसे बुलाया जा सकता है? आज उनका घमंड टूट गया है। देश का कानून कहता है कि अगर आपने कानून तोड़ा है और समन जारी हुआ है, तो आपको इसका सम्मान करते हुए मौजूद होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, चिंता की बात यह थी कि अरविंद केजरीवाल ने किसी एक समन का भी जवाब नहीं दिया था।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप कार्यकर्ताओं का कहना है कि अरविंद केजरीवाल इंसान नहीं बल्कि विचारधारा हैं। विचारधारा यह है कि वह भ्रष्ट होंगे और जब अदालत कार्रवाई करेगी, तो वह इसे अत्याचार कहेंगे और अपने आप को बेचारा दिखाएंगे। उन्होंने कहा, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या अदालत लोकतंत्र को खत्म कर रही है? सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 338 करोड़ रुपए का घोटाला है। हाईकोर्ट ने संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यदि आपके साथी एक साल से अधिक समय से जेल में हैं, तो क्या भाजपा ने ऐसा किया है या अदालतों ने ऐसा किया है? आपके दोस्त कांग्रेस ने देखा है कि आप किस तरह से शराब घोटाले में डूबे हुए हैं।

कर्नाटक में भी कांग्रेस का परिवारवाद हावी

17 में से 11 उम्मीदवार मंत्रियों के रिश्तेदार

बेंगलुरु, 22 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद तमाम राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। इस बीच, कर्नाटक की कांग्रेस ने गुरुवार को अपने 17 उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया। हालांकि, इन नामों के साथ ही पार्टी में हलचल तेज हो गई है।

कर्नाटक में दो चरणों में मतदान होगा। यहां पार्टी अभी तक कुल 24 उम्मीदवा-रों के नामों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस ने आठ मार्च को पहली सूची जारी की थी, जिसमें सात उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई थी। इसमें किसी भी मंत्री और विधायक का नाम नहीं था। हालांकि, अब कर्नाटक में पार्टी की दूसरी सूची भी सामने आ गई है। फिर भी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता वाली एक समिति ने कोलार, चित्रदुर्ग, चिकबल्लापुर, चामराजनगर और बेंगलुरु निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम अभी तय नहीं किए हैं।

पार्टी की ओर से जारी 17 उम्मीदवा-रों की दूसरी सूची में राज्य के पांच कैबिनेट मंत्रियों के बच्चों के नाम शामिल हैं। टिकटों का ऐसा बंटवारा देखकर अब पार्टी सदस्यों के बीच बहस शुरू हो गई है। कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन का सामना करने के लिए कांग्रेस ने अधिकतर टिकट मंत्रियों के परिवार सदस्य को आवंटित किए हैं।

भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने पार्टी के भीतर जमीनी कार्यकर्ताओं को बढ़ावा देने के बजाय वंशवाद की राजनीति को प्राथमिकता देने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को अवसर देने के बजाय वंशवाद की राजनीति का पक्ष लेने के लिए जानी जाती है। अगर सूची पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि पार्टी ने राजनीतिक वंश और वित्तीय समर्थन वाले कई उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं।

इसमें सबसे पहले चिक्कोडी सीट पर ध्यान जाता है, जहां से एक बेलगावी क्षेत्र के नामी शख्स और पीडब्ल्यूडी के कैबिनेट मंत्री सतीश जारकीहोली की बेटी प्रियंका जारकीहोली को टिकट दिया गया है।

चुनाव में अपनी शुरुआत होने के बावजूद प्रियंका को लोकसभा का टिकट मिलना खुद में ही एक बड़ी बात है। बेलगावी क्षेत्र में शक्तिशाली जारकीहोली परिवार के पास पहले से ही कर्नाटक में कई प्रमुख पद हैं। इतना ही नहीं, बेल-गावी सीट की बात करें, तो यहां से कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के बेटे मृणाल को उतारा गया है, जो राजनीति में प्रवेश ही लोकसभा टिकट के साथ कर रहे हैं। इसके अलावा, बीदर से लोकसभा टिकट की मांग कर रहे पूर्व मंत्री राजशेखर पाटिल की अनदेखी की गई। उनकी जगह कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक के कैबिनेट मंत्री ईश्वर खांड्रे के बेटे सागर खांड्रे को टिकट दिया है। दावणगेरे सीट से प्रभा मल्लिकार्जुन को टिकट दिया गया है, जो कैबिनेट मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन की पत्नी और वरिष्ठ लिंगायत नेता और विधायक शमानूर शिवशंकरप्पा की बहू हैं।

बंगलूरू दक्षिण सीट सौम्या रेड्डी को दी गई है, जो परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी की बेटी हैं। वह 2023 का विधानसभा चुनाव जयनगर से भाजपा उम्मीदवार राममूर्ति के खिलाफ हार गई थीं।

बंगलूरू ग्रामीण से टिकट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश को दिया गया है। शिवमोगा से पूर्व मुख्यमंत्री बंगारप्पा की बेटी, अभिनेता शिवराज कुमार की पत्नी और कैबिनेट मंत्री मधु बंगारप्पा की बहन गीता शिवराजकुमार को टिकट दिया गया है। जेडीएस का गढ़ हासन कांग्रेस का टिकट श्रेयस पटेल को दिया गया है, जो पुट्टस्वामी गौड़ा के पोते हैं। कांग्रेस ने मंत्री शिवानंद पाटिल की बेटी संयुक्ता पाटिल को बागलकोट से उम्मीदवार बनाया है। मल्लिकार्जुन खड़गे के दामाद राधाकृष्ण को गुलबर्गा से चुनाव लड़ने के लिए चुना गया है। इस बीच कोप्पल से पार्टी ने राघवेंद्र हितनाल के भाई राजशेखर हितनाल को मैदान में उतार दिया है।

दो दशकों से अधिक समय से कांग्रेस में काम कर रहीं एक महिला कांग्रेस कार्यकर्ता ने कहा, यह सूची कांग्रेस के टिकट बंटवारे के विचार के एजेंडे को साबित करती है।

इसका सामाजिक न्याय से कोई लेना-देना नहीं है। यह राजनीतिक रूप से समर्थित परिवारों की अगली पीढ़ी के प्रवेश के बारे में है।

हमारे जैसे कार्यकर्ता, जो दिन-रात काम कर रहे हैं, अभी भी सड़कों पर उनके लिए प्रचार कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का तर्क है कि उम्मीदवारों की यह सूची पार्टी के भीतर सामाजिक न्याय या योग्यता को बढ़ावा देने के बजाय वंशवादी राजनीतिक विरासत के प्रति कांग्रेस के झुकाव को दर्शाती है। भाजपा प्रवक्ता एस प्रकाश ने सूची की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह सामाजिक न्याय की पैरवी करने के कांग्रेस के झूठे दावों को उजागर करती है।

आईएमटी त्रिपक्षीय युद्धाभ्यास में शामिल होगी भारतीय नौसेना

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस तिर और आईएनएस सुजाता भारत-मोजाम्बिक-तंजानिया (आईएमटी) त्रिपक्षीय युद्धाभ्यास में शामिल होंगी। रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। त्रिपक्षीय अभ्यास का यह दूसरा चरण है। इसका पहला चरण 22 अक्तूबर को आयोजित किया गया था, जिसमें भारत की ओर से आईएनएस तरकश शामिल हुआ था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अभ्यास की शुरुआत सम्मेलन से होगी। इसके बाद क्षति नियंत्रण, अग्निशमन, विजिट बोर्ड खोज और जब्ती प्रक्रियाओं, चिकित्सा व्याख्यान, हताहत निकासी और गोताखोरी संचालन जैसी संयुक्त बंदरगाह प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। अभ्यास दो चरणों में आयोजित की जाएगी- पहला चरण 21 से 24 मार्च तक चलेगा तो वहीं, समुद्री चरण 24-27 मार्च तक आयोजित होगा।

समुद्री चरण में एक संयुक्त ईईजेड निगरानी की भी योजना बनाई गई है। बंदरगाह प्रवास के दौरान, भारतीय नौसैनिक जहाज आगंतुकों के लिए खुले रहेंगे। इस दौरान भारतीय नौसेना मेजबान नौसेनाओं के साथ खेल और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी भाग लेगी।

पिछले माह नौसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास मिलन 24 आयोजित हुआ था। अभ्यास 19 फरवरी से 27 फरवरी तक चला था। इसमें 50 से अधिक देशों की नौसेनाएं शामिल हुई थीं। युद्धाभ्यास की पूर्वसंध्या पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा था कि समुद्री क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सर्वोपरि है। समुद्र की सुरक्षा के लिए नौसेना का समर्पण उल्लेखनीय है। वास्तव में अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास है। नौसेना प्रमुख ने कहा था कि वियतनाम पीपुल्स नेवी के कार्वेट 20 और यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के यूएसएस हैल्सी (डीडीजी-97) जहाज के साथ-साथ 50 देशों के उच्च जहाज विशाखापत्तनम आएंगे। अभ्यास का सार सहयोग, सामंजस्य और बातचीत में निहित है। यह प्रमाण है कि सभी देश समुद्री सुरक्षा के लिए साझे रूप से प्रतिबद्ध हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 23 मार्च 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 07:20 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी अहोरात्र
योग : शूल रात्रि 07:33 तक
करण : तैतिल प्रात: 07:20 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : होलाष्टक चालू हैं , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

संविधान में पद-प्रतिष्ठा और पदनाम कानून के आड़े नहीं आता

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले शेखावत

जैसलमेर,22 मार्च (एजेंसियां)। जैसलमेर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तार पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बयान जारी किया है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि ईडी के इतने समन जारी करने के बाद भी वे पेश नहीं हुए। ये कोई इतिहास का पहला मामला नहीं है, जिसमें भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई हुई है। शेखावत ने बताया कि पीएम मोदी भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रहे हैं। भ्रष्टाचार किसी भी लेवल पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल आंख मिचौली खेल रहे थे। कानून की

नजर में सब समान है। कानून अपनी कार्रवाई कर रहा है। संविधान में पद–प्रतिष्ठा और पदनाम कानून के आड़े नहीं आता है। इसलिए कानून अपना काम कर रहा है। चाहे वो कोई भी व्यक्ति हो, अगर उसने भ्रष्टाचार किया है तो नहीं बख्शा जाएगा।

केजरीवाल पर कार्रवाई भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति के तहत

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर गजेंद्र सिंह ने बताया कि कानून के लिए सभी बराबर हैं। चाहे वो कोई भी हो, अगर उसने भ्रष्टाचार किया है तो किसी भी कीमत पर उसे छोड़ा नहीं जाएगा। हमारे प्रधानमंत्री शुरू से ही भ्रष्टाचार पर सख्ती से काम कर रहे हैं। सभी एजेंसियां अपने तरीके से काम कर रही हैं। ईडी के साथ केजरीवाल ने भी आंख–मिचौली खेली। इतने समन जारी होने के बाद भी पेश नहीं हुए। अब कानून अपना काम कर रहा है।

टॉप 10 अपराधियों की लिस्ट में शामिल धोखाधड़ी के आरोपी ने किया सरेंडर

हनुमानगढ़,22 मार्च (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले की नोहर पुलिस ने सात मामलों में वांछित और थाना स्तर पर टॉप 10 में शामिल आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। आरोपी पर धोखाधड़ी के सात मामले दर्ज हैं। आरोपी पिछले तीन साल से पुलिस थाना के टॉप 10 में शामिल अपराधियों में शामिल हैं। थाना प्रभारी ईश्वरानंद शर्मा ने बताया कि देईदास निवासी शंकरलाल (42) पुत्र बुधराम जाट सात अलग–अलग मामलों में वांछित था। इस पर विभिन्न मामलों में 35 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप हैं। एसपी के निर्देश के बाद थाना प्रभारी ईश्वरानंद शर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम शंकरलाल की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी।

शंकरलाल के घर और संभावित ठिकानों पर पुलिस ने बार–बार दबिश दी। कोर्ट के आदेश पर आरोपी शंकरलाल की जमीन और मकान भी कुर्क किए जा चुके हैं।

उसके ट्रैक्टर को भी पुलिस ने जब्त किया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी को लेकर की जा रही छापेमारी के बाद गिरफ्तारी के भय से शंकरलाल ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। शंकरलाल से पुलिस विभिन्न मामलों के संबंध में पूछताछ करेगी।

दबंग बजरी माफियाओं के हौसले बुलंद

कार्रवाई करने पहुंची पुलिस पर पथराव करके खदेड़ा

धौलपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार और पुलिस बजरी माफियाओं पर नकेल डालने के लिए चाहे जितने अभियान चलाए, लेकिन दबंग बजरी माफिया बेखौफ होकर पुलिस पर भी हमला करने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला कोलारी थाना क्षेत्र के बरा गांव के पास का है, जहां बजरी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने गई पुलिस को बजरी माफियाओं ने मारपीट कर भगा दिया। घटना का 49 सेकंड का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक कोलारी थाना पुलिस और डीएसटी टीम बरा गांव के पास बजरी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे ही कार्रवाई करने की कोशिश की तो बजरी माफियाओं ने लामबंद होकर पुलिस को ही खदेड़ दिया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों में से किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भेज दिया। वीडियो में बजरी माफिया ट्रैक्टर में सवार होकर पुलिस पर पथराव कर उन्हें खदेड़ रहे हैं। बजरी माफियाओं द्वारा किए गए पथराव में पुलिस की गाड़ियों के शीशे भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

उधर घटना को लेकर पुलिस ने अब तक चुप्पी साध रखी है। पुलिस का कोई भी अधिकारी घटना के संबंध में किसी भी तरह की जानकारी देने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि अमर उजाला इस तरह के किसी भी वायरल वीडियो की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं करता है।

तीन साल से हत्या के मामले में फरार 15 हजार का इनामी दिनेश गुर्जर गिरफ्तार, देशी तमंचा बरामद

धौलपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। बाड़ी सदर थाना पुलिस ने गरुवार रात्रि को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 15 हजार के इनामी बदमाश दिनेश गुर्जर को गिरफ्तार किया है। बदमाश हत्या के मामले में विगत तीन साल से फरार चल रहा था। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से लोडेड देशी तमंचा भी बरामद किया है।

थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया आईजी भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश और पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुमित मेहरडा के निर्देश में जिलेभर में वांछित अपराधी और बदमाशों की धर पकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है।

उन्होंने बताया कि गुरुवार रात गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि 15 हजार का इनामी बदमाश दिनेश गुर्जर पुत्र अर्जुन गुर्जर निवासी बिहारीपुरा माजरा कुआं खेड़ा लाइक पुरा मोड़ के पास वारदात के इरादे से संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम को कार्रवाई करने के लिए मौके पर भेजा गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर इनामी बदमाश दिनेश गुर्जर को घेराबंदी कर दबोच लिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने पहुंचे आम आदमी कार्यकर्ता

पुलिस ने बल प्रयोग कर गिरफ्तार किया

जयपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करने भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने पहुंचे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग कर गिरफ्तार किया गया। आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा के प्रदेश कार्यालय के घेराव का आह्वान किया था, जिसके चलते भारी पुलिस बल भाजपा कार्यालय पर मौजूद था। इस दौरान प्रदेश कार्यालय में भाजपा कोर कमेटी की बैठक चल रही थी, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत राजस्थान कैबिनेट के कई मंत्री भी मौजूद थे। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता छोटे–छोटे गुटों में भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे और अचानक अपने सिर पर आम आदमी की टोपी लगाकर विरोध करना शुरू कर दिया। पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय के अंदर तक पहुंच गए, जिन्हें बाहर निकालने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बाद में सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर विद्याधर नगर थाने भेज दिया गया।

कुरुक्षेत्र में सीएम आवास पर बवाल: केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भड़के आपा समर्थक

कुरुक्षेत्र,22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से आप कार्यकर्ताओं में रोष गहरा गया है। आज प्रदेश भर के कार्यकर्ता इसके विरोध में सेक्टर तीन स्थित मुख्यमंत्री नायब सैनी के आवास का घेराव करेंगे, जिसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। आप कार्यकर्ता सीएम आवास की तरफ बढ़े तो पुलिस ने पानी की बौछार छोड़ी दी। इस दौरान पुलिस ने आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं पर लाठियां भी भांजी है। पुलिस के लाठी चार्ज में आम आदमी पार्टी नेता अनुराग डंडा सहित कई कार्यकर्ताओं को चोटें आई है। जानकारी के अनुसार अनुराग ढांडा को सिर में चोट आई है। वहीं, पूर्व मंत्री बलबीर सैनी सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि हालात को काबू करने के लिए हल्की कार्रवाई की गई

लाठी चार्ज में अनुराग ढांडा घायल

है। जिसमें कुछ पुलिसकर्मियों व कुछ आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं को हल्की चोटें आई है। कहा कि घायलों को एंबुलेंस मांगवा कर अस्पताल भेज दिया गया। अश्विन ने कहा कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती तो पार्टी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास के अंदर घुस सकते थे, जिसके चलते ही यह कार्रवाई की गई। कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव को लेकर लगी आचार संहिता की पालना करते हुए शांति रखनी चाहिए थी।

देर रात को ही जैसे अरविंद केजरीवाल के आवास पर रेड किए जाने व उसके बाद गिरफ्त–ारी का पता चला तो कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। देर रात को ही आम आदमी प्रदे–शाध्यक्ष एवं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉ सुशील गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तो उन्होंने ऐलान किया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के आवास सेक्टर तीन का घेराव किया, जिसमें प्रदेश भर के कार्यकर्ता शामिल हुए।

सीएम हाउस पर घेराव कर रहे आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुशील गुप्ता बोले कि भाजपा अपने खिलाफ बने माहौल से डर रही है। उसे एक ही खतरा है कि अरविंद केजरीवाल जनता की पहली पसंद बनने लगे हैं। भाजपा दबाव की राजनीति कर रही है। प्रयास किया जा रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन के साथ ना रहे ताकि उन्हें कमजोर किया जा सके लेकिन अरविंद केजरीवाल ऐसे दबाने वाले नहीं हैं।

गुप्ता ने कभी आम आदमी पार्टी के दिल्ली के मंत्रियों को जेल में डाला जाता है तो डेढ़ सौ से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की जाती हैं और रात के अंधेरे में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई की जाती है और उन्हें जेल तक पहुंचाया जाता है लेकिन पूरे देश की जनता की है सब देख रही हैं और भाजपा को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के तीन दोषियों को उम्रकैद

13 वर्षीय बालिका की मां ने दर्ज कराया था मुकदमा

सोनीपत,22 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरुचि अतरेजा सिंह ने बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सुनवाई करते हुए तीन आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है और प्रत्येक पर 70–70 हजार रुपये जुर्माना लगाया। तीनों की जुर्माना राशि में से 50–50 हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं। जुर्माना अदा न करने पर दोषियों को 14 माह अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। राई थाना क्षेत्र के एक गांव में किराये पर रहने वाली मूलरूप से बिहार निवासी महिला ने 16 फरवरी 2023 को पुलिस को बताया था कि उनके पास 13 वर्षीय बेटी और आठ साल का बेटा है। वह और उनके पति फैक्टरी में नौकरी करते हैं। वह घटना के दिन सुबह आठ बजे ड्यूटी पर चले गए थे। कमरे में उनकी बेटी व बेटा थे।

महिला ने बताया था कि सुबह साढ़े 11 बजे बेटा दुकान पर गया था। उस समय उनकी बेटी कमरे में अकेली थी। आसपास के कमरों में वाले

लोग भी बाहर गए थे। इस बीच गांव का ही तुषार, नवीन व उसका एक दोस्त दीवार फांदकर कॉलोनी में आ गए। उन्हें देखकर बेटी ने दरवाजा बंद कर लिया था। इस पर तीनों ने दरवाजे पर लात मारनी शुरू कर दी थी। इसके बाद बेटी ने डर कर दरवाजा खोल दिया था। इसके बाद तीनों आरोपी कमरे में घुस गए थे और उनकी बेटी से दुष्कर्म किया था।

तीनों ने परिवार को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। बाद में वह भाग गए थे। पीड़िता ने अपने पिता को कॉल कर घटना की जानकारी दी थी। मामले में राई थाना पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था।

मामले में कार्रवाई करते हुए तत्कालीन जांच अधिकारी एसआई उषा रानी की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। उनकी पहचान तुषार व नवीन के रूप में हुई थी। बाद में 18 फरवरी को तीसरे आरोपी अमन को भी गिरफ्तार कर लिया था। एसआई उषा ने मामले में कार्रवाई करते हुए सबूत जुटाने के बाद 11 अप्रैल 2023 को चालान अदालत में पेश कर दिया था। मामले में सुनवाई के बाद एएसजे सुरुचि अतरेजा सिंह ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने तीनों को 6 पॉक्सो एक्ट में उम्रकैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। भादंसं की धारा 450 में भी उम्रकैद व 10 हजार रुपये जुर्माना और धमकी देने में सात साल कैद व 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सभी सजा एक साथ चलेंगी।

जजपा नेता मलखान सिंह को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

रेवाड़ी,22 मार्च (एजेंसियां)। रेवाड़ी में जेजेपी नेता मलखान सिंह को फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई है। जिस आरोपी ने फोन पर धमकी दी है, उसकी भी पहचान हो चुकी है। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी गांव मालपुरा का ही रहने वाला है। गांव मालपुरा के पूर्व सरपंच और जेजेपी नेता मलखान सिंह ने बताया कि आरोपी प्रदीप के खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। वीरवार शाम उनके मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आई।

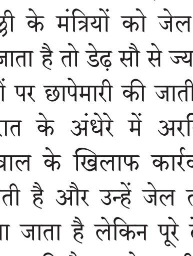

फोन करने वाला प्रदीप था और उन्हें गालियां दी गईं और गोली मारने की धमकी दी गई। धमकी मिलने के बाद मलखान सिंह और उनके परिवार के लोग डरे हुए हैं। मलखान सिंह ने तुरंत इसकी सूचना सेक्टर–6 थाना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी प्रदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मलखान के मुताबिक 2017 में उसके चाचा के लड़के धर्मबीर को आरोपी प्रदीप ने गोली मार दी थी। हत्या के प्रयास का यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

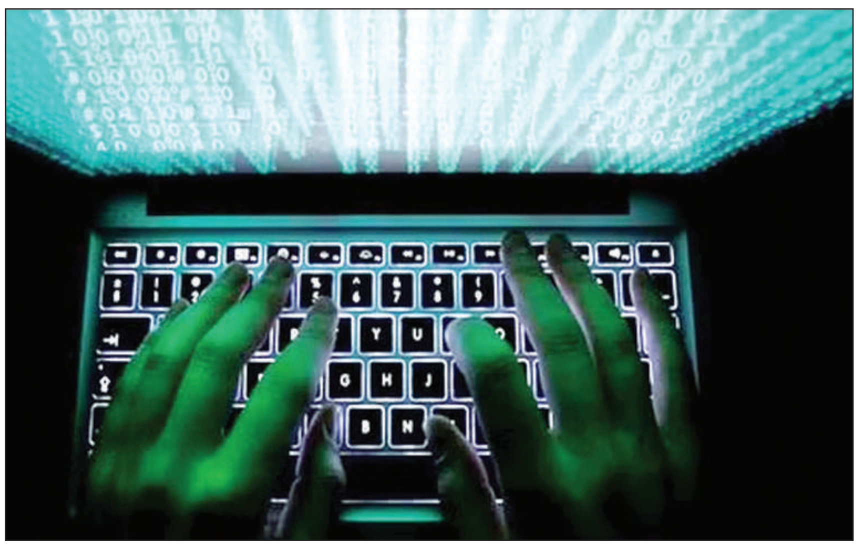

बैंकों में साइबर खतरे से निपटने की पूरी तैयारी, अधिक पैसे खर्च कर साइबर सुरक्षा को मजबूत बना रहे

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) । तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर सुरक्षा बड़ा सवाल बनकर सामने आया है। ताजा घटनाक्रम में बैंकों में साइबर सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। बैंकों में साइबर खतरों के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाने के लिए अधिक पैसे खर्च किए जा रहे हैं। बैंकों के खर्चों पर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी- मूडीज की तरफ से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्तीय संस्थानों में साइबर सुरक्षा की अहमियत पर ध्यान दिया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के दौरान 240 बैंकों में होने वाले खर्चों का आकलन किया गया।

साइबर सिक्योरिटी पर दुनियाभर के बैंकों का फोकस - मूडीज ने साइबर सुरक्षा पर खर्च होने वाली रकम के आकलन पर विस्तार से रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक दुनियाभर के बैंकों ने खुलासा किया है कि कंपनियां आकार या क्रेडिट ताकत की परवाह किए बिना साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने पर निवेश बढ़ा रही हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान साइबर अपराधियों के प्रमुख निशाने पर हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ग्राहकों के करोड़ों रुपये बैंकों के भरोसे पर खातों में जमा रहते हैं। प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है। बैंकों के पास खाताधारकों की निजी और गोपनीय सूचनाएं भी होती हैं।

अमेरिका और एशिया प्रशांत में अफ्रीकी देशों की तुलना में अधिक निवेश - मूडीज ने बताया कि अधिकांश वित्तीय संस्थानों में 2019 के बाद से सभी क्षेत्रों में सूचना और प्रौद्योगिकी (आईटी) का बजट बढ़ा है। खास तौर पर साइबर सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। अमेरिका और एशिया-प्रशांत की कंपनियों ने यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों की तुलना में अधिक निवेश किया है।

क्लाउड आधारित आईटी ढांचे से मिल रहा सहयोग - सर्वेक्षण में शामिल बैंकों में लगभग 80 फीसदी ने कहा कि उनका बुनियादी ढांचा बैंक परिसर में ही रहता है। बैंक धीरे-धीरे मजबूत रक्षा क्षमता वाले क्लाउड सर्विस और सॉफ्टवेयर सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनियों का रूख कर रहे हैं। बड़े बैंकों का 65 फीसदी बुनियादी ढांचा परिसर के भीतर ही रहता है।

न्यूज ब्रीफ

फरवरी 2024 में 3.70 लाख से अधिक गाड़ियां बिकीं, मारुति-सुजुकी और टाटा सहित कई कंपनियां ला रही नए मॉडल

नई दिल्ली। फरवरी 2024 में भारत में 3.70 लाख से अधिक गाड़ियां बिकीं। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, ग्राहकों से मिल रहे अच्छे रुझान की वजह से ही ऑटो कंपनियां मार्केट में नए-नए मॉडल उतार रही हैं। साल 2024 के आने वाले महीनों में भी मारुति-सुजुकी और टाटा सहित कई कंपनियां अपने नए मॉडल बाजार में उतारेगी।आप भी अगर नई गाड़ी लेने की सोच रहे हैं तो आपको भी एक नजर आने वाली गाड़ियों पर जरूर मार लेनी चाहिए। हो सकता है कि आपकी फेवरेट कंपनी भी कोई धांसू मॉडल बाजार में जल्द लाने वाली हो। खास बात यह है कि इस साल एसयूवी से लेकर लगभग हर सेगमेंट में नए मॉडल आ रहे हैं। मारुति-सुजुकी अगले महीने यानी अप्रैल में न्यू जरनेरशनस्विफ्ट को लॉन्च कर सकती है। हालांकि कंपनी ने अभी इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। मारुति न्यू-जेन स्विफ्ट की कीमत 6.50 लाख रु. 10.00 लाख रुपये के बीच हो सकती है। सुजुकी स्विफ्ट मैनुअल और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स ऑप्शन के साथ 1.2-लीटर डुअल जेट पेट्रोल इंजन के साथ आ सकती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा भी अपनी लोकप्रिय एसयूवी थार का पांच दरवाजों वाला वर्जन को जून तक बाजार में उतार सकती है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमत 15 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू हो सकती है। गाड़ी में 18 इंच के अलॉय व्हील, सिग्नेचर सिक्स-स्लैट ग्रिल डिज़ाइन, स्क्वायर टेल लाइट्स, चंकी व्हील क्लैडिंग, क्रूज़ कंट्रोल, रिमोट कीलेस एंट्री, सात इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर मिल सकते हैं। टाटा मोटर्स ने ऑटो एक्सपो 2024 में हैरियर ईवी पर से पर्दा उठाया था और आने वाले महीनों में कंपनी इस कार को लॉन्च सकती है।

ईडी ने देशभर में कई स्थानों पर चलाया तलाशी अभियान; 16.43 करोड़ की राशि फ्रीज, 78 लाख नकद जब्त

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश में कई स्थानों पर पीएमएलए के तहत तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में नकदी जब्त की है। जांच एजेंसी की अहमदाबाद शाखा ने 20 मार्च को पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत बेंगलुरु और पुणे में स्थित एक भुगतान एग्रीगेटर्स के छह परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई उन मर्चेंट्स आईडी के खिलाफ किया गया जिनका उपयोग दानी डेटा एप के नियंत्रकों ने आम जनता से एप के माध्यम से भुगतान प्राप्त करने के लिए किया गया। ईडी ने तलाशी अभियान के दौरान 16.43 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज की। वहीं दूसरी ओर, एजेंसी ने 21 मार्च को दिल्ली, मुंबई और गोवा में 9 स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दलेमैन री-आईटी ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के मामले में तलाशी अभियान चलाया।

सरकारी बैंकों का एनपीए छह माह में 3.5 फीसदी तक रहने की उम्मीद, फिक्की-आईबीए ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश के सरकारी बैंकों के बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। अगले छह माह में इनके और घटकर 3 से 3.5 फीसदी तक आने की उम्मीद है। फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में निजी क्षेत्र के 67 फीसदी बैंकों के भी एनपीए में गिरावट आई है। सर्वेक्षण में शामिल 77 प्रतिशत बैंकों के एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सरकारी बैंकों की संपत्ति गुणवत्ता में अधिक सुधार हुआ है। जुलाई से दिसंबर, 2023 के बीच यह सर्वे किया गया था। इसमें निजी, सरकारी और विदेशी बैंकों सहित कुल 23 बैंकों ने भाग लिया। इन सभी की बाजार हिस्सेदारी 77 फीसदी है। सभी सरकारी बैंकों के एनपीए में कमी आई है। किसी भी सरकारी और विदेशी बैंक के एनपीए में छह माह में वृद्धि नहीं हुई है। 22 प्रतिशत निजी बैंकों का एनपीए बढ़ा है। खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा क्षेत्र में ज्यादा एनपीए खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्र में ज्यादा एनपीए हैं। अगले छह महीनों में 41 प्रतिशत बैंकों को गैर-खाद्य उद्योग कर्ज वृद्धि 12 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है।

लिथियम खदान की बोली 38 गुना अधिक, कई बड़ी कंपनियां हुई शामिल

कोरबा,22 मार्च (एजेंसियां) । देश की पहली लिथियम खदान कोरबा जिले के कटघोरा में खुले की उम्मीद हैं। केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा की गई नीलामी में कटघोरा लिथियम ब्लॉक के लिए रिजर्व प्राइज 2 प्रतिशत के विरुद्ध 76.05 प्रतिशत की बोली आई, जो रिजर्व प्राइज से 38 गुना अधिक है। हालांकि, अभी सफल बोलीदाता का नाम सामने नहीं आया है। कटघोरा के साथ ही कश्मीर के रियासी स्थित लिथियम ब्लॉक की भी नीलामी शुरू की गई। किंतु शुरुआती दौर में ही इसके लिए समुचित बोलीदार आगे नहीं आए, जिसके कारण एमएसटीसी पोर्टल पर चल रही इसकी ऑनलाइन नीलामी रोक दी गई। लिथियम की खदान शुरू होने पर कोरबा ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश में भी समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। कटघोरा जहां आधारभूत सुविधाओं से युक्त मैदानी इलाके में है, छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था भी अच्छी है। इसी कारण से यह निवेशकों के लिए भी आदर्श राज्य माना गया। वहीं कश्मीर पहाड़ी क्षेत्र है, साथ ही वह एक संवेदनशील प्रदेश भी माना जाता है। ग्राम घुचापुर कटघोरा के आसपास के 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की। बोली में ओला, वेदांता, जिंदल, श्री सीमेंट, अडाणी समूह, अल्ट्राटेक सीमेंट सहित अनेक बड़ी कंपनियां शामिल हुई। अर्जेंटीना देश की एक कंपनी की भी बोली में भाग लेने की जानकारी मिली है। यह एक नरम तथा चांदी के समान सफेद धातु है। मानक परिस्थितियों में यह सबसे हल्की धातु और सबसे हल्का ठोस तत्त्व है। यह अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और ज्वलनशील है। ग्लोबल मार्केट में एक टन लिथियम की कीमत 57.36 लाख रुपए है।

जितना दोहन, उसके बाजार मूल्य का 76 प्रतिशत प्रदेश को मिलेगा - दुर्लभ खनिजों की इस नीलामी की प्रक्रिया में पहले इनिशियल बीडिंग की शुरुआत की गई। इस पहले दौर की नीलामी में ही कटघोरा लिथियम ब्लॉक के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी कोल इंडिया सहित विभिन्न निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई। इनमें ई-बाइक बनाने वाली ओला, वेदांता, जिंदल, श्री सीमेंट, अडाणी समूह, अल्ट्राटेक सीमेंट सहित अनेक बड़ी कंपनियां शामिल थी। अर्जेंटीना की एक कंपनी की भी बोली में भाग लेने की जानकारी मिली है। दूसरे चरण में फॉरवर्ड बीडिंग दोपहर 2 बजे से शुरू की गई।एक अधिकारी के मुताबिक कटघोरा ब्लॉक के लिए रिजर्व प्राइस 2 प्रतिशत के विरूद्ध 76.05 प्रतिशत की बोली मिली अर्थात लिथियम दोहन की जो मात्रा होगी, उसके उस समय के बाजार मूल्य का 76 प्रतिशत छत्तीसगढ़ राज्य को मिलेगा। यह राशि हजारों करोड़ में संभावित है। इसके अलावा केन्द्र सरकार द्वारा तय 3 प्रतिशत की रायल्टी व डीएमएफ की राशि भी प्राप्त होगी। लिथियम के कटघोरा ब्लॉक के लिए कंपोजिट लाइसेंस दिया जा रहा है। जिसमें परीक्षण व खनन दोनों ही अधिकार शामिल है।

250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि - बीते वर्ष देश में सबसे पहले कश्मीर में लिथियम ब्लॉक मिलने की घोषणा केन्द्रीय खान मंत्रालय ने की थी। ऊर्जा, सीमेंट व रणनीतिक महत्व के दुर्लभ खनिज के रूप में उपयोगी लिथियम के देश में पाए जाने को एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा गया। इसके कुछ दिनों के बाद ही छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के ग्राम घुचापुर कटघोरा के आसपास के 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की। लिथियम के इस भंडार से खनन योग्य व अच्छी गुणवत्ता का खनिज है। केन्द्रीय खान मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों में स्थित लिथियम सहित अन्य प्रमुख दुर्लभ व रणनीतिक खनिजों के 20 ब्लाक की खुली नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई। लिथियम साधारण परिस्थितियों में लिथियम प्रकृति की सबसे हल्की धातु है। इसका प्रतीक (एलआई) और परमाणु संख्या 3 है। चांदी जैसा नरम और सफेद ये क्षार धातु मानक परिस्थितियों में सबसे कम सघन मेटल और सबसे कम घना ठोस तत्व होता है। वर्तमान में इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री में इसकी सर्वाधिक उपयोगिता है। डिजिटल उपकरण व ई-वाहन की बैटरी बनाने में इसका उपयोग होता है। इस्पात व सीमेंट उद्योग में भी इसका उपयोग होता है। भारत में लिथियम भंडार मिलने से सबसे बड़ा फायदा इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री को होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें कम होंगी।लिथियम भंडार के लिए कंपोजिट लायसेंस दिया जाएगा। ऐसे में तय कंपनी को पहले प्रॉस्पेक्टिंग की प्रक्रिया करनी होगी यानी क्षेत्र में खनन से पहले खनन कहां से शुरू की जाए इस पर सर्वे करना होगा। इसके बाद खनन की प्रक्रिया शुरू होगी। सब कुछ ठीक रहा तो कंपनी जल्द प्रॉस्पेक्टिंग सर्वे शुरू कर सकेगी। सर्वे के बाद डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी। लिथियम खनन शुरू होने के बाद इससे जुड़ी कंपनियां काम शुरू करेंगी। इसके लिए तकनीकी एक्सपर्ट की जरूरत पड़ेगी साथ ही संसाधनों के विकास के लिए भी लोगों की आवश्यकता होगी। इससे रोजगार मिलेगा और बाजार में भी बढ़ोतरी आएगी। प्रदेश में विकास के लिए तय राशि, रॉयल्टी व डीएमएफ के लिए भी इससे सहयोग मिलेगा, जो हजारों करोड़ रुपए में होगा।

स्मार्टफोन हो, इलेक्ट्रिक हो या नॉर्मल कार या फिर कोई और बैटरी वाला प्रोडक्ट इन सबमें लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल होता है। आने वाले वक्त में एनर्जी का बड़ा सोर्स लिथियम आयन बैटरी होगी। दुनियाभर के तमाम देश पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर अपनी निर्भरता को कम कर रहे हैं। इन सबमें लिथियम का बड़ा योगदान है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया 80 लाख रुपए का जुर्माना, एफएमएस संबंधित मानदंडों का किया था उल्लंघन

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 80 लाख रुपये का भारी भरकम जुर्माना लगाया है। एयरलाइंस द्वारा दो नियमों का उल्लंघन किया गया है। यह जुर्माना उड़ान सेवा अवधि (एफडीटीएल) सीमित करने और चालक दल के लिए थकान प्रबंधन प्रणाली (एफएमएस) से संबंधित मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया। दरअसल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जनवरी में एयर इंडिया का ऑडिट किया था। इस दौरान डीजीसीए को कुछ सबूत मिले और इनके आधार पर यह फैसला किया गया है।

डीजीसीए ने जारी किया बयान

डीजीसीए द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि रिपोर्ट और सबूतों के विश्लेषण से कुछ बातें सामने आई हैं। पता चला है कि एयर इंडिया लिमिटेड ने कुछ मामलों में 60 साल से अधिक उम्र के दोनों चालक दल के सदस्यों के साथ उड़ान भरी थी। बयान के मुताबिक एयर इंडिया ने चालक दल को पर्याप्त आराम नहीं दिया। इसके अलावा लंबी उड़ानों से पहले और बाद में आराम देने में भी कोताही बरती।

पहले भी हो चुकी है एयर इंडिया पर कार्रवाई

इससे पहले भी डीजीसीए द्वारा एअर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। उस दौरान एयरलाइंस को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया था। दरअसल 12 फरवरी को एयरलाइंस से याक्षा करने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग यात्री को व्हीलचेयर नहीं दी थी। इस वजह से बुजुर्ग यात्री की मौत हो गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट से कांग्रेस को झटका, आयकर विभाग की कार्रवाई के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

दिल्ली हाई कोर्ट ने आयकर विभाग की ओर से कांग्रेस के खिलाफ शुरू की गई पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही को चुनौती देने वाली पार्टी की याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा हम रिट याचिकाओं को खारिज करते हैं। विस्तृत आदेश का इंतजार है।

उच्च न्यायालय ने आयकर अधिकारियों की ओर से कांग्रेस के खिलाफ तीन लगातार वित्तीय वर्षों 2014-15, 2015-16 और 2016-17 के लिए शुरू की गई कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के खिलाफ पार्टी की ओर से दायर याचिकाओं पर 20 मार्च को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

कुछ समय पूर्व पार्टी के प्रवक्ता अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि आयकर विभाग ने 2018-19 के आयकर रिटर्न के आधार पर कांग्रेस और यूथ कांग्रेस के खातों को फ्रीज कर दिया है। उन्होंने कहा था कि आयकर विभाग ने इन दोनों खातों से 210 करोड़ रुपये की रिकवरी का भी आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे अकाउंट में जो भी क्राउडफंडिंग से जुटाई गई राशि है, उसे हमारी पहुंच से दूर कर दिया गया है।

माकन ने कहा था कि चुनाव के एलान से महज दो हफ्ते पहले ही विपक्षी पार्टी का अकाउंट फ्रीज कर दिया गया। यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है। माकन ने बताया कि इस खाते में एक महीने की सैलरी भी दी है।

अगले पांच सालों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत, जी 20 के शेरपा ने किया दावा

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) । भारत अगले पांच सालों में अर्थव्यवस्था के मामले में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। ये बातें जी 20 के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बताई हैं। दरअसल भातीय उद्योग संघ द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन कराया गया था। इस सम्मेलन में अमिताभ कांत ने कहा कि अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली तीन तिमाहियों में भारत बड़ी ताकत के रूप में उभरा है और 8.3 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ रहा है।

'2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा भारत'

अमिताभ कांत ने कहा है कि अगले दशक में भारत दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें दक्षिण भारत का विकास सबसे अहम योगदान निभाएगा। अमिताभ कांत ने इस बात पर जोर दिया कि स्मार्ट शहरीकरण, और कृषि के क्षेत्र में भारत को विनिर्माण के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि एमएसएमई और एसएमई को आगे बढ़ाने के लिए भारत में बड़ी संख्या में बड़ी कंपनियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके अलावा भारत को अपने विकास के खर्च को 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2.5-3 प्रतिशत करना चाहिए।

'इन कारणों से मिला अर्थव्यवस्था को फायदा'

अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में विकास की गति को तेज करने के लिए हम वस्तु और सेवा कर लेकर आए, जिससे हमें अच्छा फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भी भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इस अभियान को शुरु करते समय भारत के पास केवल 150 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,25,000 हो चुकी है।

एपल की बढ़ी मुश्किलें

पहले मुकदमा दायर, अब शेयर बाजार में तगड़ा झटका, एक ही दिन में गंवाए 113 अरब डॉलर

वॉशिंगटन,22 मार्च (एजेंसियां) । आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले एपल पर उपभोक्ताओं और छोटी कंपनियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा और अब शेयर बाजार में बड़ा झटका लगा है।

एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू

दरअसल, अमेरिकी सरकार ने एपल पर एंटीट्रस्ट कानूनों का उल्लंघन करने का मुकदमा दायर किया है। अमेरिकी न्याय विभाग और 16 स्टेट अटॉर्नी जनरल ने एपल के खिलाफ एक एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू किया है। वहीं, यूरोप में कंपनी को इस बारे में जांच का सामना करना पड़ रहा है कि क्या वह क्षेत्र के डिजिटल बाजार अधिनियम का अनुपालन कर रही है।

शेयर बाजार में एपल को झटका

भारत में पिछले एक दशक में मोबाइल का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-

दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर हो गया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अब एपल कंपनी के शेयर 4.1 फीसदी फिसल गए। इससे एक ही दिन में कंपनी के बाजार मूल्य में करीब 113 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

यह पहली बार नहीं है जब एपल किसी जांच के घेरे में आया है। कंपनी और उससे जुड़े लोग वर्षों से प्रतिस्पर्धियों को दबाकर खुद को लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों का सामना कर रहे हैं। हालांकि, जैसे-जैसे एपल के उत्पाद अधिक लोकप्रिय हुए हैं और दुनिया भर में दैनिक जीवन का एक हिस्सा बन गए हैं, तब से प्रशासन भी इसके प्रति सतर्क हो गया है।

यह हैं आरोप

एपल ने एंटीट्रस्ट लॉ का उल्लंघन कई नीतियों को रिस्ट्रिक्ट और कंपटीशन को रोककर किया है, जो अन्य कंपनियों को डिजिटल वॉलेट जैसे अपने प्रोडक्ट को कंपटीट करने वाले एप्लिकेशन पेश करने से रोकती है। इससे संभावित रूप से आईफोन का मूल्य कम हो जाता।

न्यू जर्सी डिस्ट्रिक्ट के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे के अंश के अनुसार, एपल के कार्यों से उपभोक्ताओं और उसकी सेवाओं के साथ कंपटीशन करने वाली छोटी कंपनियों को नुकसान होता है। सरकार का दावा है कि एपल के इस आचरण ने पिछले कुछ वर्षों में उसके स्मार्टफोन एकाधिकार को मजबूत किया है, जिससे अनुचित लाभ हुआ है। मुकदमे के केंद्र में एपल का प्रमुख उत्पाद आईफोन है। आलोचकों का तर्क है कि एपल अपने डिवाइस पर यूजर्स एक्सपीरिएंश को सख्ती से कंट्रोल करता है। अपने ही प्रोडक्ट और सेवाओं को कंपटीटर्स से अधिक तरजीह देता है।

जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल में एंटीट्रस्ट प्रोफेसर बिल कोवासिक ने कहा कि एक साथ कई मामले सामने आने पर कंपनी को नुकसान होना तय होता है। कंपनी मुकदमे जीत भी जाती है, तब भी वह दूसरी तरीके से हार चुके होंगे।

एपल की सफाई

एपल ने अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे को गलत बताया। साथ ही चेतावनी दी की इस कार्रवाई से कंपनी की इन्वोशन की क्षमता को खतरा होगा। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी डिजाइन में सरकारी हस्तक्षेप करना एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकती है। कंपनी ने कार्रवाई के खिलाफ सख्ती से बचाव करने की कसम खाई। हालांकि, कंपनी ने यूरोपीय जांच पर कुछ नहीं कहा।

संपादकीय

जनादेश का लोकतांत्रिक पर्व

जनादेश का लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर आया है। यह ऐसा पर्व है, जब देश की आम जनता वोट देकर लोकतंत्र को जिंदा रखती है और इस तरह देश के गणतंत्र और संविधान भी प्रासंगिक रहते हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनावी पर्व भी व्यापक और गहरा होता है। करीब 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर 18वीं लोकसभा, विधानसभाओं और अंततः भारत सरकार का निर्वाचन करेंगे। इससे बड़ा लोकतंत्र और क्या हो सकता है? इतना विशाल और विराट लोकतंत्र अपने अस्तित्व के खतरे में कैसे हो सकता है? ये तथ्य और सत्य नहीं, फिजूल वाचाली है। भारत में जनादेश का यह उत्सव सम्यक सहिष्णुता, धर्मनिरपेक्षता, क्षेत्र-निरपेक्षता, समन्वय, कमोबेश हिंसामुक्त और विवेकपूर्ण होता है, लिहाजा जनादेश को 'राष्ट्रीय' और सर्वसम्मत माना जाता है। जनादेश स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक साबित हो, लिहाजा देश में 81 दिन की 'आदर्श चुनाव आचार संहिता' लागू हो गई है। समूचे देश का प्रशासन अब चुनाव आयोग के अधीन आ गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री के स्तर पर भी किसी नई नीति की घोषणा नहीं की जा सकती। हमारा यह जनादेशी पर्व व्यापक और पारदर्शी इसलिए आंका जाता रहा है, क्योंकि दूरदराज गांव, इलाका और पहाड़ की चोटियों पर मौजूद मतदाता भी अपनी सरकार चुनने के लिए वोट देने को संवैधानिक आधार पर अधिकृत हैं। जो सैनिक सरहदों पर तैनात हैं अथवा जो नागरिक किसी कार्यवश अपने क्षेत्र और घर से दूर हैं, उनके मताधिकार की भी व्यवस्था चुनाव आयोग करता है। अत्यधिक बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिकों के मतदान उनके घरों पर ही सुनिश्चित कराए जाते हैं। पहली प्राथमिकता मतदान की है। बहरहाल 18वीं लोकसभा के लिए मतदान 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में कराया जाएगा। मतगणना 4 जून को ही सम्पन्न हो जाएगी, लिहाजा उसी दिन शाम तक स्पष्ट हो जाएगा कि जनादेश किसे मिला है? नई सरकार किस पार्टी और गठबंधन की बनेगी? सिर्फ जनादेश की तटस्थता और ईमानदारी के लिए आयोग 55 लाख ईवीएम का इस्तेमाल करेगा और 1.5 करोड़ चुनावकर्मी और सुरक्षाकर्मी जनादेश के पर्व को समानता और शांति से सम्पन्न कराएंगे। ईवीएम पर सर्वोच्च अदालत तमाम याचिकाओं को खारिज करते हुए ईवीएम को मान्यता दे चुकी है। अब इस पर किसी भी तरह का राजनीतिक प्रलाप बेमानी है। बहरहाल इन आंकड़ों के मद्देनजर भी हमारा आम चुनाव दुनिया में सबसे बड़ा और निष्पक्षता का उदाहरण है। अलबत्ता कुछ काली भेड़ें इस पर भी कालिख पोतने का दुस्साहस करती हैं, लेकिन वे नाकाम ही रहती हैं। जनादेश का यह सौभाग्यशाली दिन होगा, जब 1.82 करोड़ युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे और जनादेश की मुख्यधारा में जुड़ेंगे। चुनाव बूथ वाले उन मतदाताओं का मुंह मीठा कराएंगे। कुल 21.5 करोड़ मतदाता, जिनका आयु-वर्ग 18-29 साल है, जनादेश के पर्व में शिरकत करेंगे। अधिकतर देशों में इतनी तो आबादी भी नहीं होती और भारत के जनादेश की इतनी व्यापक ताकत है। बहरहाल इस बार का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2014 और 2019 में लगातार दो राष्ट्रीय जनादेश भाजपा-एनडीए को हासिल हो चुके हैं। यदि तीसरी बार भी जनादेश उन्हीं के पक्ष में रहता है, तो प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समकक्ष हो जाएंगे, क्योंकि लगातार तीन बार जनादेश प्राप्त करने वाला कोई अन्य प्रधानमंत्री नहीं है। जिस दौर में यह चुनाव हो रहा है, उसमें एनडीए और 'इंडिया' गठबंधन के बीच बड़े उग्र विरोधाभास हैं, नतीजतन नफरती भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। राजनीतिक दल और नेता व्यक्तिगत आक्रमण भी कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने इस संदर्भ में एक खास सलाह दी है और दलों को संयमी, सतर्क और समभावी होने के निर्देश भी दिए हैं। ऐसा भी परामर्श दिया गया है कि जाति और धर्म पर आधारित चुनाव प्रचार न किया जाए। यदि कोई दल किसी आपराधिक व्यक्ति को उम्मीदवार बनाता है, तो आयोग के इस संबंध में भी कुछ निर्देश हैं।

> दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनावी पर्व भी व्यापक और गहरा होता है। करीब 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर 18वीं लोकसभा, विधानसभाओं और अंतत: भारत सरकार का निर्वाचन करेंगे। इससे बड़ा लोकतंत्र और क्या हो सकता है? इतना विशाल और विराट लोकतंत्र अपने अस्तित्व के खतरे में कैसे हो सकता है? ये तथ्य और सत्य नहीं, फिजूल वाचाली है। भारत में जनादेश का यह उत्सव सम्यक सहिष्णुता, धर्मनिरपेक्षता, क्षेत्र-निरपेक्षता, समन्वय, कमोबेश हिंसामुक्त और विवेकपूर्ण होता है, लिहाजा जनादेश को 'राष्ट्रीय' और सर्वसम्मत माना जाता है। जनादेश स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक साबित हो, लिहाजा देश में 81 दिन की 'आदर्श चुनाव आचार संहिता' लागू हो गई है। समूचे देश का प्रशासन अब चुनाव आयोग के अधीन आ गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री के स्तर पर भी किसी नई नीति की घोषणा नहीं की जा सकती।

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा

विपक्ष के नकारात्मक प्रचार पर क्या मोदी के सकारात्मक प्रचार को मिलेगी जीत?

ललित गर्ग

> चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा।

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए। इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के

महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं। इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गड़ाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं। मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा। विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी। एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले-''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा। आप के तीरों में जंग क्यों लग गई। बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है।

दृष्टि कोण

लंबे खिंचते चुनाव और सत्ता में वापसी की संभावना का सांख्यिकीय सच!

चुनाव आयोग द्वारा 18 वीं लोकसभा के निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही विपक्ष इस 7 चरणीय चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठा रहा है। संदेह का आधार यह है कि आज जब प्रौद्योगिकी इतनी उन्नत हो गई है तब समूचे देश में ढाई महीने तक चुनाव प्रक्रिया चलाने का क्या मतलब है? 81 दिन तक आचार संहिता लगाकर विकास कार्यक्रमों पर इतने लंबे ब्रेक का क्या औचित्य है? क्या इसके पीछे किसी खास राजनीतिक दल को अपनी चुनावी किलेबंदी पुख्ता करने की मोहलत देते जाने का छुपा मंतव्य है या चुनाव निष्पक्षता से कराने का आग्रह है? राजनीतिक हलको में यह सवाल भी संजीदगी से तैरने लगा है कि चुनाव प्रक्रिया के लगातार लंबा खिंचने के साथ देश क्या अघोषित रूप से उस अध्यक्षीय प्रणाली की ओर बढ़ रहा है, जिसमें जनता राजनीतिक दल से ज्यादा उसके चेहरे पर पर दांव लगाना ज्यादा बेहतर समझती है। प्रकारांतर से यह नए किस्म का अधिनायकवाद अथवा राजतंत्र है, जो गुजरता तो लोकतांत्रिक प्रोसेस से है, लेकिन उसका मंतव्य व्यक्ति केन्द्रित सत्ता को वैधता प्रदान करना है। क्या यह चुनाव भी विचारधारा, कार्यक्रम, प्राथमिकताओं और विकास जैसे अहम मुद्दों के परे जाकर एक चेहरे को ध्यान में रखकर ही लड़ा जा रहा है? और यह भी कि किसी चेहरे विशेष पर लोकमानस की अति निर्भरता किस सत्तातंत्र की ओर इशारा करती है? सात दशकों के लोकतंत्र के बावजूद क्या भारतीय मतदाता की जड़ें अभी भी व्यक्ति आराधन से से ही सिक्त हैं। बदलाव केवल इतना है कि वंशवाद की सीमाएं लांघ कर वह अब चमत्कारी चेहरे पर केन्द्रित हो गई है। अब पहला सवाल चुनाव प्रक्रिया के असाधारण रूप से लंबा खिंचने का, इस देश में सबसे लंबा चुनाव 1951-52 में हुआ पहला आम चुनाव था, जो लगभग 4 महीने तक 68 चरणों में हुआ था। तब देश में कुल मतदाता 17.32 करोड़ थे, जिनमें से मात्र 44.87 लोगों ने ही हिस्सा लिया था। वो चुनाव लगभग एक तरफा था। नेहरू गांधी की आंधी थी। चुनाव कुल 489 सीटों के लिए हुआ था और इसमें से कांग्रेस ने 364 सीटें जीत ली थीं। मुख्य विपक्ष कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टी थे, जिन्हें कुल 28 सीटें मिली थीं। चुनाव लंबा खिंचने का बड़ा कारण

शायद यह था कि समूचे देश में पहली बार आम चुनाव हो रहे थे (लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे और 89 निर्वाचन क्षेत्रों में दोहरी जनप्रतिनिधित्व प्रणाली थी। यानी एक ही सीट से सामान्य और आरक्षित वर्ग का प्रत्याशी चुना था। दोनो के लिए अलग अलग मतपेटियां रखी जाती थीं)। पूरे देश में 1 लाख 96 हजार से ज्यादा मतदान केन्द्र थे, इनमे से 25 हजार 527 महिलाओं के लिए आरक्षित थे। लेकिन तब भी चुनाव परिणामों, चुनाव प्रक्रिया के दीर्घावधि होने तथा ऐसा करने के पीछे किसी दल को लाभ पहुंचाने की मंशा पर कोई सवाल नहीं उठे थे। तब विपक्ष बेहद कमजोर था। उस आम चुनाव में दो मुख्य विपक्षी पार्टियों ने जितनी सीटें जीती थीं, उनकी संख्या आज सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के सांसदों की संख्या की तुलना में लगभग आधी थी। इसके पांच साल बाद 1957 में हुए आम चुनाव (लोस के साथ साथ विस चुनाव भी) चुनाव आयोग ने मात्र 20 दिनो में सम्पन्न करा दिए। कम अवधि में चुनाव कराने के बाद भी कांग्रेस ही 371 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी। यह चुनाव भी मुख्य रूप से प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की छवि और देश के नेहरूवादी विकास मॉडल को मिला जनसमर्थन था। नेहरू सरकार के मुख्य आलोचक कम्युनिस्ट और समाजवादी थे, जिन्हें चुनाव में कुल 46 सीटें मिली थीं। 1962 तक आते- आते देश में स्वप्निल नेहरूवादी सोच की आभा घटने लगी। बेरोजगारी, अशिक्षा, महंगाई, क्षेत्रवाद जैसे मुद्दे सिर उठाने लगे। फिर भी कांग्रेस आम चुनाव में 361 सीटें जीतने में कामयाब रही। यह चुनाव भारत पर चीनी हमले के 8 माह पूर्व हो चुके थे। अगर चुनाव उस चीनी हमले में भारत की करारी हार के बाद हुए होते तो चुनाव परिणाम क्या होता, इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। अलबत्ता युद्ध में जीत अथवा शत्रु पर प्रत्याक्रमण सत्तारूढ़ दल के लिए हमेशा फायदेमंद रहे हैं। पं. जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री पीएम बने और उनके कार्यकाल में 1965 के दौरान हुए भारत- पाक युद्ध में भारतीय सेना की सफलता ने कांग्रेस को सहारा दिया। 1967 के आम चुनाव में कांग्रेस किनारे पर ही सही, 283 सीटों के साथ वापस सत्ता में आ गई। दूसरी तरफ देश राजनीतिक करवट बदल रहा था। गैर कांग्रेसवाद की भावना जोर पकड़ने लगी थी। विपक्षी पार्टियां जिनमें वामपंथी प्रमुख थे, मजबूत होने लगे थे तो दूसरी तरफ हिंदूवादी जनसंघ जैसी पार्टियों के लिए भी स्पेस बनने लगा था। धर्मनिरपेक्षता और धर्मसापेक्षता के तेवर तीखे होने लगे थे। अंतरराष्ट्रवाद और राष्ट्रवाद में टकराव तेज होने लगा था। साथ में गरीबी, महंगाई और समाजवादी सोच के प्रश्न तो थे ही। इसी दौरान श्रीमती इंदिरा गांधी ने समाजवादी और वामपंथ की ओर झुका कार्ड खेलना शुरू किया। उन्होंने पुराने कांग्रेसियों को ठिकाने लगाते हुए पार्टी तोड़ी और मध्यावधि चुनाव करवाए। इसी के साथ देश में 15 साल से चली आ रही 'एक देश, एक चुनाव' की अघोषित परंपरा भी टूट गई। इंदिराजी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया। देश में चुनाव फिर व्यक्ति केन्द्रित हो गया।

कुछ अलग

रीढ़, पायदान व पदोन्नति

हो सकता है कि आप मुझसे पूछें कि रीढ़, पायदान और पदोन्नति का आपस में क्या सम्बन्ध है। तो साधो! सदी के लिजलिजे महानट के पिता डॉ. हरिवंश राय बच्चन ने अपनी कविता 'मैं हूँ उनके साथ, खड़ी जो सीधी रखते अपनी रीढ़' में रीढ़ सीधी रखने वालों की विशेषताओं का वर्णन किया है। लेकिन यह निर्विवाद सत्य है कि अगर रीढ़ की सिधाई पर कोई प्रश्नचिन्ह न होता तो डॉ. हरिवंश कभी यह कविता नहीं लिख पाते। हर युग में रीढ़ और पायदान भले एक-दूसरे के विलोम नज़र आते रहे हों, पर सरकार में पदोन्नति लेने के लिए दोनों का सहोदर होना पहली शर्त है। अगर आप रीढ़विहीन हैं और हर सरकार में फुटमैट (पायदान) होने की शर्त को पूरा करते हैं तो सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले भी रीढ़ दिव्यांगता की श्रेणी में विभाग के सर्वोच्च पद पर पदोन्नति पा सकते हैं। प्रकृति ने भी इसमें कोई लिंग भेद नहीं किया है। नर हो या नारी कोई फर्क नहीं पड़ता। बस आपको निर्लिप्त भाव से नेताओं और सीनियर्स के सामने बतौर पायदान बिछना होगा। कोई योग्यता न होने के बावजूद किसी विभाग का मुखिया होने के एवज़ में सौदा बुरा नहीं। सावरकर भी 15 बार माफी माँगने के बाद अंग्रेज़ों से साठ रूपल्ली की मासिक पैंशन पाने के हक़दार हुए थे। आज़ादी के अमृतकाल में यही सावरकर न केवल वीर हो गए हैं, बल्कि प्रासंगिक भी हो चुके हैं। पिछले हफ्ते झुन्नू लाल मुझे राजधानी के सचिवालय की सीढ़ियों पर उदास मिले। मैंने उदासी का कारण पूछा तो बोले कि मैं बाबू से अपनी उस पदोन्नति के बारे में पूछने आया था जो पिछले महीने से ड्यू है। लेकिन उसने कहा कि पहले तुम्हारे उस सीनियर की प्रमोशन होगी जिसे डायरेक्टर बनाया जा रहा है। मैंने कहा कि कम से कम यह तो बता दें कि मेरे सारे पेपर्स आपके पास पहुँच गए हैं। इस पर बाबू बोला कि बाद में आना, अभी तो सरकार रिटायरमेंट से पहले मैडम को डायरेक्टर बनाने पर तुली है। मैंने पूछा कि बनाने पर तुली है, इसका मतलब? बाबू बोला कि उसकी लियाक़त यही है कि उसने सारी उम्र राजधानी में काटी है। कभी फील्ड में नहीं रही। हर बार समय से पहले प्रमोशन लेना उसकी उपलब्धि है। झुन्नू लाल ने पूछा कि फिर मेरे साथ यह अन्याय क्यों? इस पर बाबू हँसते हुए बोला कि इसमें न्याय-अन्याय का प्रश्न ही कहाँ उठता है। बात तो तुम्हारी रीढ़ की है। क्या तुम आगे-पीछे एक सौ अस्सी डिग्री पर झूल सकते हो या तीन सौ साठ डिग्री दाएं-बाएं घूम सकते हो? अगर नहीं तो तुम्हारी प्रमोशन जब होगी, तब होगी। झुन्नू बोले कि मैं तीन सौ मील से आपके पास आया हूँ। दुबारा आना संभव न होगा। कम से कम इतना तो बता दें। बाबू गुस्से होते बोला, 'अभी मेरे पास समय नहीं। मैडम की प्रमोशन आज ही होगी। मुझे उनका केस तैयार करने दो।' झुन्नू लाल सहमते हुए बोले, 'मुझे भी यह तरीक़ा बता दें ताकि मैं भी देर से सही, प्रमोशन ले सकूं।' बाबू हँसते हुए बोला, 'अगर तुम में यह क़ाबिलियत होती तो क्यों सुदूर कबायली इलाक़े में अपनी ऐडियाँ रगड़ रहे होते। महकमे में इतने साल हो गए। कम से कम उनसे ही सीख लिया होता। उनकी नियुक्ति निक्कर वाली सरकार में हुई थी। लेकिन सरकार चाहे टोपी वाली हो या निक्कर वाली। हर सरकार में समय से पहले प्रमोशन होती रही। उनके बॉयोडाटा में हर बार समय से पूर्व प्रमोशन लेना ही उनकी एकमात्र योग्यता और उपलब्धि है। अगर इससे भी मन न भरे तो राज्य के मुख्य सचिव को देख लो। भारत सरकार के सचिवों के पैनल में न होने के बावजूद वह राज्य के मुख्य सचिव हैं। राजधानी आए ही हो तो उन सभी पदों पर नज़र मार लो, जहाँ ऐसे योग्य व्यक्ति राज्य की तरक्की के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। अगर मैंने तुम्हें कुछ ऊँच-नीच बोला हो तो मुझे क्षमा करना। पर अगर यही योग्यता मुझमें होती तो मैं आज सैक्शन ऑफिसर होने की बजाय ज्वाइंट सेक्रेटरी होता।'

देश दुनिया से

सूरज की सौर ऊर्जा

> सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। यदि इसी तरह ऊर्जा के परम्परागत साधनों का उपयोग बढ़ता गया, तो भविष्य में भयानक ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। दिनों-दिन बढ़ता वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्पों को तलाश रहे हैं।

जीवाश्म ईंधन और दूसरे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों ने पृथ्वी का तापक्रम बढने और नतीजे में जलवायु परिवर्तन के संकट खड़े कर दिए हैं। अच्छी बात यह है कि दुनियाभर में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अहर्निश काम हो रहा है। सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। यदि इसी तरह ऊर्जा के परम्परागत साधनों का उपयोग बढ़ता गया, तो भविष्य में भयानक ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। दिनों-दिन बढ़ता वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्पों को तलाश रहे हैं। सभी तरह के विकल्पों में सौर ऊर्जा सबसे बेहतर है क्योंकि यह सस्ती, सर्वसुलभ, निरापद, निरंतर उपयोग लाई जाने वाली अक्षय ऊर्जा है। हाल ही में मिशिगन यूनिवर्सिटी के जेटियन माई और उनके साथियों द्वारा किए गए एक शोध में उन्होंने तांबा और लोहा आधारित एक ऐसा उत्प्रेरक विकसित किया है जो सौर ऊर्जा का उपयोग कर कार्बन डाईऑक्साइड को मीथेन में परिवर्तित करता है, जिसे हम ईंधन के रूप में उपयोग कर सकते है। 'प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक तांबा-लोहा आधारित यह नया उत्प्रेरक अब तक की सबसे तीव्र दर से और सबसे अधिक ऊर्जा उत्पन्न करने वाला है। वहीं लॉस एंजेल्स, कैलिफोर्निया में एक सौदे के तहत एक विशाल सौर फार्म स्थापित किया जा रहा है जहां दुनिया की एक सबसे बड़ी बैटरी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह शहर को 7 प्रतिशत बिजली प्रदान करेगा एवं इसकी लागत बैटरी के लिए 1.3 सेंट प्रति यूनिट और सौर ऊर्जा के लिए 1.997 सेंट प्रति किलोवाट घंटा होगी। यह किसी भी जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न ऊर्जा से काफी सस्ती है। मार्च 2019 में ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस द्वारा 7000 से अधिक वैश्विक भंडारण परियोजनाओं के विश्लेषण से पता चला है कि 2012 के बाद से लीथियम बैटरी की लागत में 76 प्रतिशत की कमी आई है। एक अन्य अध्ययन के अनुसार 2030 तक इसकी कीमतें आधी होने का अनुमान है जो '8-मिनट सोलर एनर्जी' नामक कंपनी द्वारा लगाए गए अनुमान से भी कम है। 'ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस' नवीन सौर-प्लस-स्टोरेज कैलिफोर्निया में तैयार करने जा रही है। इस परियोजना से प्रतिदिन 400 मेगावाट सौर संयंत्रों का जाल बनाया जाएगा जिससे सालाना लगभग 876000 मेगावॉट घंटे बिजली पैदा होगी। यह दिन के समय 65000 से अधिक घरों के लिए पर्याप्त होगी। इसकी मुख्य विशेषता यह है कि इसकी 800 मेगावॉट घंटे की बैटरी सूरज डूबने के बाद बिजली को संग्रहित करके रखेगी जिससे प्राकृतिक गैस जनरेटर की जरूरत कम हो जाएगी। भारत में कुल सिंचित क्षेत्र के लिए 2 करोड़ पंप को बिजली से तथा 75 लाख पंप को डीजल से ऊर्जा मिलती है। कृषि क्षेत्र बिजली का एक प्रमुख उपभोक्ता है। कई राज्यों में कुल बिजली खपत में से एक-चौथाई से लेकर एक-तिहाई तक कृषि में खर्च किया जाता है। यह बिजली की मांग अगले 10 वर्षों में खेती में

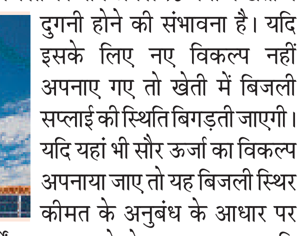

दुगनी होने की संभावना है। यदि इसके लिए नए विकल्प नहीं अपनाए गए तो खेती में बिजली सप्लाई की स्थिति बिगड़ती जाएगी। यदि यहां भी सौर ऊर्जा का विकल्प अपनाया जाए तो यह बिजली स्थिर कीमत के अनुबंध के आधार पर अगले 25 वर्षों तक 2.75 से लेकर 3.00 रुपए प्रति यूनिट की दर से मिल सकती है। महाराष्ट्र में सौर कृषि फीडर योजना के तहत कुल लगभग 2-3 हजार मेगावॉट के सौर संयंत्र निविदा और क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह करीब 7.5 लाख पंप यानी महाराष्ट्र के कुल पंप्स में 20 प्रतिशत को सौर बिजली सप्लाई करने के बराबर है। भारत स्थित क्लाइमेट ट्रेंड्स और इंग्लैंड स्थित ग्रीन टेक स्टार्टअप, राइडिंग सनबीम्स के एक नए अध्ययन से पता चला है कि भारतीय रेलवे लाइनों को सौर ऊर्जा की सीधी आपूर्ति से, रेलवे के राष्ट्रीय नेटवर्क में चार में से कम से कम एक ट्रेन को चलाने से सालाना लगभग 7 मिलियन टन कार्बन की बचत होगी। शोधकर्ताओं ने पाया कि कोयला प्रधान ग्रिड से आपूर्ति की गई ऊर्जा के बजाय सौर से आपूर्ति भी हर साल 6.8 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड तक उत्सर्जन में कटौती कर सकती है, जो देश के एक शहर कानपुर के पूरे वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। चीन अंतरिक्ष में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की तैयारी कर रहा है।

आप का नजरिया

हिमाचल की चुनावी पड़ताल

राष्ट्रीय चुनाव की कसौटी के बीच हिमाचल की अपनी भी एक पड़ताल अवश्यंभावी दिखाई दे रही है। भले ही आज यानी 18 मार्च में वक्त की सूइयां सुप्रीम कोर्ट से मुखातिब हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव के साथ उपचुनाव के दस्तावेज तैयार हैं। राजनीतिक घटनाक्रम किसको दगा दे गया या आगे चलकर उपचुनाव किस करवट बैठेंगे, यह कयास लगाना इतना भी आसान नहीं कि हम इसे सत्ता और विपक्ष के बीच अभी तौल सकें। यह दीगर है कि क्रॉस वोटिंग से पैदा हुई अनिश्चितता के आयाम जरूर बदल रहे हैं। क्रॉस वोटिंग से उपचुनाव तक पहुंची कांग्रेस के समक्ष लोकसभा से भी बड़ी चुनौती उस परिस्थिति में होगी, अगर उपचुनाव की अनिवार्यता में पार्टी को अपना सत्ता पक्ष बरकरार रखना होगा। चुनाव की जेब में भाजपा या कांग्रेस की दौलत भरी है या एक कातिल मौका सामने आकर खड़ा हो रहा है। कहना न होगा कि भाजपा को विपक्षी मछली का शिकार करना इतना रास आ गया है कि पहले अति सुरक्षित कांग्रेस से राज्यसभा की सीट सरेआम छीन ली और अब उपचुनाव की स्थिति में फिर से सियासी शृंगार का अवसर मिल गया। अब छह विधायकों का बागीपन अपनी आशंका की सुबह में नए चिन्ह तलाश करेगा। धर्मशाला, सुजानपुर, लाहुल-स्पीति, बड़सर, गगरेट व कुटलैहड़ के राजनीतिक लालन पालन में सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, रवि ठाकुर, आईडी लखनपाल, चैतन्य शर्मा व देवेंद्र भुट्टो क्या फिर से लाडले बन पाएंगे। क्या सुप्रीम कोर्ट का फैसला उपचुनाव की संभावना को खारिज कर देगा या इसकी नौबत में आकर बागी विधायकों को फिर से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करनी पड़ेगी। क्या क्रॉस वोटिंग का सम्मान समारोह आयोजित करके भाजपा अपने आंगन के फूल बदल कर, सभी के सभी पूर्व कांग्रेसियों को गले लगा लेगी। क्या भाजपा सुधीर शर्मा को लोकसभा चुनाव के मैदान पर उतारने की स्थिति में खुद को आजमा सकेगी। ऐसे में उपचुनाव में दोनों पार्टियों की आजमाइश सिर्फ चुनाव तक ही सीमित नहीं, बल्कि पार्टी के सामान्य जन तक भी होगी। भाजपा के आकाश में मोदी का प्रकाश तो है, लेकिन मुद्दों की पड़ताल में अब चुनावी बांड और इससे जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप भी रहेंगे। कांग्रेस जिन विधायकों से मुक्त होकर सत्ता का नूर बढ़ाना चाहती थी, वहां अब छह नए प्रत्याशियों की खोज, मुख्यमंत्री का ओज और सरकार के पद आबंटन का बोझ स्वयं सिद्ध होने के लिए कटिबद्ध होगा। अगर उपचुनाव की छह सीटों में कम से कम चार पर कांग्रेस जीत जाए, तो यह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के आभामंडल को राहत देगा, लेकिन यहां सारे उपचुनावों के साथ-साथ लोकसभा की चार सीटों की जीत में वह अपना एकछत्र साम्राज्य तथा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह के बाद राज्य की तस्वीर में प्रभुत्व लिख सकते हैं। इसमें दो राय नहीं कि बतौर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष कांग्रेस की गारंटियों से जुड़ी वचनबद्धता रही है और अपने फर्ज में वह आगे निकले हैं।

होली के बाद भाई दूज कब है? जानें तिथि और भाई को टीका करने का शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में दीपावली और होली का बहुत ज्यादा महत्व है। दोनों ही पर्व के बाद आने वाली द्वितीया तिथि को भाई दूज कहा जाता है। पारंपरिक रूप से यह पर्व भाई-बहन के बीच स्नेह के बंधन को मजबूत करता है। बहुत जगह भाई दूज को भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं और फल, मिठाई आदि चीजें देकर उसकी लंबी आयु की कामना करती हैं। वहीं भाई भी बदले में अपनी बहन को हर विषम परिस्थिति में उसकी रक्षा का वचन देता है। मान्यता है कि भाई दूज पर बहनों के तिलक लगाने से भाई की आयु बढ़ती है और उसके सभी संकट दूर होते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं इस साल होली भाई दूज कब है और भाई को टीका करने का शुभ मुहूर्त।

होली भाई दूज 2024 डेट

इस साल होली 25 मार्च को है और होली के बाद भाई दूज 27 मार्च को मनाई जाएगी।

होली भाई दूज 2024 मुहूर्त

पंचांग के अनुसार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 26 मार्च 2024 को दोपहर 02 बजकर 55 मिनट पर हो रही है। अगले दिन 27 मार्च 2024 को शाम 05 बजकर 06 मिनट पर इसका समापन होगा। 27 मार्च को भाई को टीका करने के लिए दो शुभ मुहूर्त हैं।

होली भाई दूज पर भाई को तिलक करने का मुहूर्त

पहला मुहूर्त- सुबह 10।54 से दोपहर 12।27
दूसरा मुहूर्त- दोपहर 03।31 से शाम 05।04
होली भाई दूज पर तिलक करने की विधि

सबसे पहले होली की भाई दूज पर अपने भाईयों को भोजन का निमंत्रण दें।

भाई का प्रेम पूर्वक स्वागत कर उन्हें चौकी पर बैठाएं।

ध्यान रहे भाई का मुख उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए।

अब कुमकुम से तिलक कर चावल लगाएं।

भाई को नारियल देकर समस्त देवी-देवता से उसकी सुख, समृद्धि दीर्घायु की कामना करें।

अब भाई बहन को उपहार में सामर्थ्य अनुसार भेंट करें। भाई को भोजन कराएं।

अंगिका में सुनिए भगवान बूढ़ानाथ पर आधारित होली गीत

गुझिया के साथ कजरी का भी लें मजा

फाल्गुन आते ही लोगों के सर होली की खुमारी छाने लगती है और लोग फाल्गुन के रंगों में सराबोर होने लगते हैं। ऐसे में अंग प्रदेश की होली भी खास होती है। लोग यहां पर होलिका नहीं संवत जलाकर होली खेलते हैं। लेकिन इस बीच भागलपुर की जो पारंपरिक गीत है, जो लोकगीत है उसका भी आनंद उठाते हैं। भागलपुर की लोक गायिका अर्पिता चौधरी ने इस होली अपनी मधुर आवाज में होली गीत गाई। साथ ही कई संदेश दिया।

प्रसिद्ध मंदिर बूढ़ानाथ पर गीत को किया प्रस्तुत

ऐसे में ही लोक गायिका अर्पिता चौधरी ने होली पर कई सुंदर गीतों को प्रस्तुत किया। अर्पिता ने कहा कि होली में धीरे-धीरे फूहड़ गाने बजाने लगे हैं। लेकिन अंग प्रदेश में अभी भी वह परंपरा मौजूद है। लोग यहां पर लोकगीत के साथ होली खेलते हैं। ऐसे में ही उन्होंने अपने अंग प्रदेश पर ही अंगिका में गीत को प्रस्तुत किया। उन्होंने अंगिका में भागलपुर के प्रसिद्ध मंदिर बूढ़ानाथ पर गीत को प्रस्तुत किया। उन्होंने बाबा बूढ़ानाथ को भागलपुर में होली खेलने की बात कही। उन्होंने गाते हुए कहा कि बाबा बुढ़ानाथ भागलपुर में खेले रंग होली।

अंग की होली कई मायने में है खास

इसके साथ ही बांका से अबीर के मंगाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि अपना अंग क्षेत्र कई मायने में खास है। यहां पर स्वयं भगवान शिव विराजमान है। साथ ही अपने अंग क्षेत्र के धरोहर बांका में समुद्र मंथन भी हुआ था। इसलिए यह अंग जनपद काफी खास हो जाता है। इस पर कई गाने आधारित है। लेकिन उन्होंने दो गाने को जरूर गया। इसके साथ ही होली में चलने वाली कजरी को भी उन्होंने अंगिका में खूबसूरती से प्रस्तुत किया। तो आप भी अंगिका में होली गीत सुन आनंद लें।

भागवत कथा का है बेहद खास महत्व

इसको सुनने मात्र से होती है पुण्य फल की प्राप्ति!

श्रीमद भागवत कथा का सनातन धर्म में खास महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि पहली बार कथा श्रवण मात्र से ही राजा परीक्षित को मोक्ष की प्राप्ति हुई और उनका अकाल मृत्यु से बचाव हुआ था। यही कारण है कि समय-समय पर भक्त श्रीमद भागवत कथा का आयोजन अपने घर, सार्वजनिक स्थलों आदि पर करवाते रहते हैं। इन दिनों उत्तराखंड के चमोली जिले के गौचर के नजदीकी गांव (धारीनगर) के रघुनाथ मंदिर में 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा आयोजित की गई है।

लोकल 18 से बातचीत में कथा वाचक आचार्य हिमांशु कंडवाल ने कथा सुनने से मिलने वाले पुण्य, नियम और यदि कथा न सुन पाएं, तो किस प्रकार पुण्य फल की प्राप्ति हो सकती है, के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि श्रीमद भागवत कथा सभी वेदों का सार है। इसे सुनने से मनुष्य तृप्त होता है और जन्म जन्मांतर के पाप से मुक्त हो जाता है। साथ ही कथा सुनने या किसी भी शुभ काम को करवाने या करने के पीछे का उद्देश्य परम लक्ष्य की प्राप्ति ही होता है। वह कहते हैं कि कथा आयोजन स्थल में प्रवेश करने से पहले सांसारिक जीवन के दुख तकलीफों को भूलकर उस परम परमेश्वर ईश्वर का चिंतन मनन करना जरूरी है और घर से जिस उद्देश्य को लेकर कथा सुनने आते हैं, उसे पूरा जरूर करना चाहिए।

आचार्य हिमांशु कंडवाल आगे कहते हैं कि 'कलयुग केवक नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरहि पारा', इसका मतलब है किकलयुग में केवल प्रभु का स्मरण ही भव से पार किए जाने का एकमात्र आधार है। यदि आपके पास एक स्थान पर बैठकर प्रभु का नाम लेने का समय नहीं है, तो आप चलते फिरते भी अपने मन मंदिर में परम परमेश्वर का स्मरण कर सकते हैं। ऐसा करने पर भी आपको भागवत कथा श्रवण का पुण्य फल प्राप्त होगा।

बेडरूम में भगवान की तस्वीर, कहीं बिगाड़ न दे आपकी तकदीर... जानें सही वास्तु नियम

घर का बेडरूम फैमिली के लिए बहुत खास होता है। वास्तु के हिसाब से अपने बेडरूम को सजाने की जरूरत है। दरअसल, यहां हुए वास्तु दोष के कारण आपकी फैमिली पर बुरा असर पड़ सकता है इसलिए कुछ भी रखने से पहले उसकी दिशा को जान लें। हम में से कई लोगों के कमरे में देवी-देवताओं की तस्वीर लगी होती है। लेकिन हमें नहीं पता होता कि यह सही है या गलत। वास्तु नियम क्या कहता है।

वैसे तो बेडरूम में भगवान की तस्वीर लगाना वर्जित है। इससे हमारे जीवन में कई समस्याएं पैदा हो सकती है। पति-पत्नी के रिश्तों में बहुत कड़वाहट आ सकती है। लेकिन फिर भी आपको रूम में भगवान की तस्वीर लगानी है तो वास्तु के नियमों के अनुसार ही तस्वीर लगाएं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक आप अपने बेडरूम में राधाकृष्ण की तस्वीर लगा सकते हैं। कमरे में इनकी तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। ध्यान रहे कि तस्वीर में अकेले राधा या कृष्ण की तस्वीर बिल्कुल न हो। इन्हें जोड़े में ही लगाएं।

ज्योतिष में बेडरूम का संबंध शुक्र ग्रह से होता है। इसलिए जहां शुक्र होते हैं वहां देवी-देवताओं यानी कि बृहस्पति ग्रह का होना अशुभ माना जाता है। बृहस्पति

को देवताओं का गुरु माना जाता है जो कि शुक्र के विरोधी हैं, इसलिए दोनों एक साथ नहीं रखा जा सकता है।

बेडरूम की दिशा कहां होनी चाहिए

इसके अलावा बेडरूम की दिशा दक्षिण-पश्चिम होनी चाहिए। इससे घर में सुख-शांति बढ़ती है। लेकिन आपका बेडरूम उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह प्रार्थना और पूजा कक्ष के लिए शुभ माना जाता है। इसके अलावा अपका बेडरूम कभी भी दक्षिण-पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए। क्योंकि यह अग्नि कोण है और इस दिशा में बेडरूम होने से घर में झगड़े और गलतफहमियां बढ़ती हैं।

होलिका दहन की राख से करें ये खास उपाय, दूर होंगे वास्तुदोष

गृह-क्लेश और बीमारियों से भी मिलेगी मुक्ति

हिंदू धर्म में होली का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस त्योहार का लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पंचांग के अनुसार, इस बार होली 25 मार्च, दिन सोमवार को मनाई जाएगी और इससे एक दिन पहले यानी 24 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। ज्योतिष शास्त्र में होलिका दहन की राख के उपायों के बारे में भी बताया

गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि इससे वास्तुदोष से भी कैसे छुटकारा मिलता है। मान्यता है कि इन उपायों को करने से इंसान के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। आइए जानते हैं इन चमत्कारी उपायों के बारे में।

होलिका की राख से करें ये उपाय

- होलिका दहन के बाद जो राख बच जाती है, अगर उसे लाकर घर के सभी कोनों में छिड़क दिया जाए, तो ऐसा करने से वास्तुदोष दूर होता है।

- होलिका की राख को पूरे घर में छिड़कने से परिवार के बीच मनमुटाव नहीं होता है। ऐसा करते समय आपको कोई न देखे, इस बात का ख्याल रखें। घर में क्लेश नहीं होता है।

- होली की राख बहुत पवित्र मानी जाती है। इसे घर में रखने से राहु, केतु की बुरी नजर दूर रहती है। साथ ही घर में बीमारियों का वास भी नहीं होता है।

- अगर कुंडली में राहु-केतु के कमजोर होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो होलिका दहन की भस्म को एक लोटे जल में डाल दें। फिर इसे शिवलिंग में अर्पित करें।

- नजर-दोष को दूर करने के लिए होलिका दहन में एक पान में दो लौंग और एक बताशा रखकर अर्पित करें। इसके बाद होलिका दहन की राख लाकर ताबीज में बांध लें और गले में पहन लें। इससे बुरे स्वप्न और बीमारी से छुटकारा मिलता है।

- नवग्रहों के दुष्प्रभाव से बचने के लिए होलिका की इस राख को नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करना चाहिए। इससे मानसिक, आर्थिक और शारीरिक तौर पर फायदा होता है।

ईएमआई भर-भर के हो गए हैं परेशान

1 छोटा-सा उपाय दिलाएगा कर्ज से मुक्ति, जल्द उतर जाएगा लोन

हर इंसान चाहता है कि वो अपना और अपने परिजनों का अच्छे से ध्यान रखे, लेकिन कई बार ऐसी स्थितियां निर्मित होती हैं कि व्यक्ति किसी मजबूरी में आकर कर्ज लेता है और कुंडली में ग्रहों की स्थिति की वजह से वह कर्ज चुकाने में असमर्थ हो जाता है या फिर कई ऐसे कारण होते हैं, जिनकी वजह से इंसान को कर्ज से मुक्ति नहीं मिल पाती। अगर आप भी उनमें से एक हैं, जो कर्ज के बोझ तले दब चुके हैं और उससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो एक छोटा सा उपाय आपकी जिंदगी बदल सकता है।

क्या हो सकता है कारण- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति लगातार ईएमआई के बिल्स भर रहा है, दिन-ब-दिन उसका कर्ज कम होने का नाम नहीं ले रहा है और उसके घर में अनावश्यक तनाव हमेशा बना रहता है, लोग अक्सर बीमार पड़े रहते हैं, कोर्ट केस हो रहा है या किसी भी तरह की समस्या आ रही है तो यह संकेत है कि आपके ईष्ट देवता आपसे नाराज हैं।

क्यों नाराज़ होते हैं ईष्ट देवता-ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ऊपर बताई गई समस्याएं अगर आपके जीवन में आ रही हैं तो आपके ईष्ट देवता आपसे नाराज हैं और वे क्यों नाराज हैं क्योंकि आप उनकी नियमित रूप से पूजा नहीं कर रहे हैं। आपने उनको अपने मंदिर में स्थान नहीं दिया है। अगर आप अपने ईष्ट देवता के बारे में नहीं जानते हैं, तो आपके घर के बड़े बुजुर्गों से आपको पूछना चाहिए कि आपके ईष्ट देवता कौन हैं। अगर उन्हें भी नहीं पता है तो एक सरल उपाय करके आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

क्या करें उपाय- हमारे घर के बड़े बुजुर्गों में से कोई ना कोई तो ईष्ट देवता की पूजा करता ही होगा। अपने ईष्ट देवता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपको अपने घर के मंदिर में एक छोटा सा आईना रख देना है। जब भी आपके ईष्ट देवता आपके मंदिर में झांकेंगे तो उस आईने में खुद का प्रतिबिंब पाएंगे और उनको इस बात का यकीन हो जाएगा कि उनकी पूजा नियमित रूप से की जा रही है। ऐसा करने से आपके ऊपर उनकी कृपा बनी रहेगी। वे प्रसन्न होंगे और आपके जीवन में आ रहे सभी तरह के कष्ट दूर हो सकते हैं।

भगवान के सामने इस दिशा में जलाएं दिया, नहीं होगी कोई दुर्घटना, खुशियों से भर जाएगा जीवन!

घर हो, दुकान हो या दफ्तर, भगवान का मंदिर हर जगह होता है। श्रद्धा भाव से भक्त रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करते हैं। इसके बावजूद कई बार अनहोनी हो जाती है। मंदिर में आग लग जाती है, मूर्तियां, ग्रंथ सहित पूरा घर जलकर खाक हो जाता है। शास्त्रों में इस तरह की घटनाएं वास्तुदोष का संकेत मानी जाती हैं।

दरअसल, हाल ही में मध्य प्रदेश के खरगोन की विश्वसखा कॉलोनी से ऐसी ही एक घटना सामने आई थी। यहां एक घर में भगवान की पूजा के दौरान दीया जलाया और किसी काम से महिला बाहर चली गई। जब लौटी तो तीन मंजिला घर धू-धू कर जलने लगा। बाद में पता चला कि भगवान के सामने जलाया दीया ही आग का मुख्य कारण था।

विपदाओं से कैसे बचें

ज्योतिषी की मानें तो घर, मंदिर का वास्तु सही होना बहुत जरूरी है। भगवान के सामने सही दिशा में दीया जलाना चाहिए। पूजा के दौरान सावधानी बरतें, तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है। तो चलिए मध्य प्रदेश के खरगोन के रहने वाले ज्योतिषाचार्य पंडित डॉ। बसंत सोनी (ज्योतिष विद्या में गोल्ड मेडलिस्ट) से जानते हैं कि मंदिर में दीया जलाने की सही दिशा और सावधानियां।

क्या है सही दिशा

ज्योतिषाचार्य डॉ। बसंत सोनी ने श्रेलरश्र 18 को बताया कि मकान वास्तु के अनुसार बनाएं। ईशान कोण में मंदिर होना चाहिए। पूर्व में उगते हुए सूर्य की दिशा में मुख

रखकर भगवान की स्थापना करें और उसी दिशा में दीया भी जलाएं। इससे सभी प्रकार की शुभ तरंगें उत्पन्न होंगी और घर का वास्तुदोष समाप्त होगा।

दीया जलाते समय रखें सावधानियां

ज्योतिषी ने बताया कि घर में वास्तुदोष होने पर कई तरह की घटनाएं होती हैं। इसमें अचानक आग लगना भी शामिल है। असावधानी के कारण दीपक के द्वारा अग्नि उत्पन्न हो जाती है, जिससे मंदिर और ग्रंथ जल जाते हैं। माना जाता है कि भक्त पर आने वाली विपदा भगवान ने हर ली है। इसलिए दीपक जलाते समय सावधानी जरूर बरतें। इसके लिए दीपक भगवान की मूर्ति के दाहिनी ओर जलाएं। भगवान की मूर्ति से 9 इंच की दूरी पर एक छोटे प्लेटफार्म पर जलते हुए दीये को रखें।

‘देवरा’ के सेट से लीक हुई जूनियर एनटीआर की फोटो, लोग बोले, ‘फायर है फायर’

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अपनी अपकमिंग मूवी 'देवरा' की शूटिंग में इन दिनों खासा बिजी है। सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी इस फिल्म की शूटिंग के लिए गोवा पहुंचे हैं। जहां से फिल्म स्टार का लेटेस्ट लुक सामने आया है। इस लुक ने फैंस के बीच खलबली मचा दी है। सुपरस्टार जूनियर एनटीआर का लुक देखने के बाद इंटरनेट यूजर्स खुशी से झूमने लगे है। सामने आए लुक में जूनियर एनटीआर देसी लुक में नजर आए हैं। एक्टर ने डार्क कलर की चेक शर्ट पहनी है। साथ ही वो लुंगी पहने नजर आए हैं। इसके साथ एक्टर ने साफा भी कंधे पर रखा हुआ है।

'देवरा' से सामने आया जूनियर एनटीआर का लुक

जूनियर एनटीआर का ये लुक फैंस को बेहद भा रहा है। जिसके बाद लोग इसे अभी से ही ब्लॉकबस्टर बताने लगे है। इस तस्वीर पर कई लोगों ने कमेंट कर फायर वाली इमोजी शेयर की है। तो कई यूजर्स कमेंट करते दिखे कि ये फिल्म सारे बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्र्स तोड़ देगी। दिलचस्प बात ये है कि जूनियर एनटीआर का ये लुक उनकी मूवी 'देवरा' के ही मेकर्स ने आधिकारिक हैंडल पर शेयर किया है। जो एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में आते ही छा गया।

ये रिश्ता क्या कहलाता है' में कमबैक की अफवाहों के बीच जगन्नाथ पुरी पहुंची शिवांगी जोशी, साथ में दिखा पूरा परिवार

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों परिवार संग खूब टाइम स्पेंड कर रही हैं। दरअसल इस समय शिवांगी जोशी किसी भी प्रोजेक्ट में बिजी नहीं हैं, ऐसे में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपनों के साथ समय बिताने का फैसला लिया। बता दें कि सीरियल 'बरसातें' बंद होने के बाद से ही शिवांगी जोशी खुद को और परिवार को खूब समय दे रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंची हुई थीं। इस दौरान उनकी पूरी फैमिली उनके साथ ही थी। जगन्नाथ पुरी के दर्शन करने के बाद शिवांगी जोशी ने परिवार संग खूब तस्वीरें क्लिक करवाईं। वेकेशन की कुछ तस्वीरें शिवांगी जोशी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की हैं।टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी अपनी सादगी से ही फैंस का दिल जीत लेती हैं। फैंस को 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम एक्ट्रेस शिवांगी जोशी की लेटेस्ट तस्वीरें खूब पसंद आ रही हैं। इन तस्वीरों में दिख रही शिवांगी जोशी की सादगी पर फैंस मर मिटे हैं।जगन्नाथ पुरी में शिवांगी जोशी फुल एथनिक लुक में नजर आई हैं। उनके ओवरऑल लुक की फैंस खूब तारीफ कर रहे हैं। यलो और रेड कलर की इस सिल्क साड़ी को शिवांगी जोशी ने बड़ी ही खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। इस लुक में शिवांगी जोशी ने फैंस के साथ कुल 10 तस्वीरें शेयर की हैं।सिल्क साड़ी में शिवांगी जोशी वाकई में बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। एक्ट्रेस की इन लेटेस्ट तस्वीरों पर अब तक साढ़े 5 लाख से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं उनके करीबी दोस्त और को-एक्टर रह चुके कुशाल टंडन ने भी इन तस्वीरों को लाइक किया है।ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक्ट्रेस शिवांगी जोशी अपने भाई के साथ पहले भी कई क्यूट फोटोज शेयर कर चुकी हैं। भाई के साथ शिवांगी जोशी की खूबसूरत बॉन्डिंग को जगन्नाथ पुरी की इस तस्वीर में भी साफ देखी जा सकती है।परिवार संग जगन्नाथ पुरी पहुंचीं शिवांगी जोशी ने परिवार के साथ इस तस्वीर को क्लिक करवाया है। तस्वीर में शिवांगी जोशी और उनके परिवार के हर एक सदस्य के चेहरे पर अलग ही सुकून नजर आ रहा है।जगन्नाथ पुरी के अपने विसिट को शिवांगी जोशी ने खूब एन्जॉय किया है। वेकेशन पर अचानक हुई बारिश को शिवांगी जोशी ने कुछ तरह से एन्जॉय किया है।

तमन्ना भाटिया ने पिंक स्टायलिश गाउन में बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस की खूबसूरती ने यूजर्स को बनाया दीवाना

बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया वाकई में एक स्टाइल क्वीन हैं। वह जो कुछ भी करती हैं या पहनती हैं उसे चर्चा का विषय बनने में देर नहीं लगती।अपनी खूबसूरती और हॉटनेस के लिए मशहूर अदाकारा तमन्ना भाटिया फिल्मों के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिं अवतार से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद फैंस का दिल धक-धक करने लगा है और वे दीवाने हो उठे हैं. तमन्ना भाटिया ने पिंक कलर का स्टायलिश गाउन पहना है. लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ वे कैमरे के सामने सेक्सी पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है.आपको बता दें कि, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया अक्सर अपने ग्लैमरस लुक से सुर्खियों में बनी रहती हैं। तम्न्ना पर वेस्टर्न से लेकर ट्रेडिशनल हर तरह की ड्रेस सूट करती है।तमन्ना भाटिया का बिंदास व्यक्तित्व इस स्पष्ट तस्वीर को और अधिक लुभावना बनाता है क्योंकि वह आकर्षक लग रही है।तमन्ना हमेशा अपने प्रशंसकों को विभिन्न प्रकार के लुक से आश्चर्यचकित करने में सफल रहती हैं।

‘पुष्पा 2’ से लीक हुआ श्रीवल्ली का लुक रश्मिका मंदाना की फोटो ने मचाया तहलका

साउथ फिल्म एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी 'पुष्पा 2' को लेकर चर्चा में हैं। अदाकारा की इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज है। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर निर्देशक सुकुमार की इस फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। जिसमें अदाकारा रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली के किरदार में नजर आने वाली हैं। 'पुष्पा 2' की कहानी पुष्पाराज की शादीशुदा जिंदगी और इसके बाद उसके बढ़ते साम्राज्य के बारे में बताएगी। इस बीच फिल्म की शूटिंग सेट से एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की एक लेटेस्ट तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में सामने आई अदाकारा रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट तस्वीर में एक्ट्रेस लाल साड़ी में नजर आईं। सामने आई इस तस्वीर में न्यूली वेडेड ब्राइड का लुक कैरी करती हुई दिखीं। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने इस दौरान गोल्डन बेल्ट के साथ हैवी जूलरी कैरी की थी। साथ ही अदाकारा रश्मिका मंदाना ने बालों में गजरा और हेयर एक्सेसरीज पहनी थी। तस्वीर में एक्ट्रेस बिल्कुल नई-नवेली दुल्हन के रूप में नजर आईं। ये तस्वीर और वीडियो इंस्टाग्राम की दुनिया में तहलका मचा रही है। यहां देखें सामने आईं अदाकारा रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट तस्वीर।

इस दिन रिलीज होगी रश्मिका मंदाना-अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2'

साउथ फिल्म एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन स्टारर मूवी 'पुष्पा 2' जल्दी ही सिल्वर स्क्रीन पहुंचने वाली है। इस मूवी को मेकर्स इसी साल 15 अगस्त 2024 के दिन रिलीज करने वाले हैं। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की इस मूवी के निर्देशक सुकुमार हैं। जबकि, फिल्म में मलयालम स्टार फहाद फासिल मेन विलेन का रोल निभाते दिखेंगे।

'सिंघम अगेन' से टकराएगी 'पुष्पा 2'

बताते चलें कि अल्लू अर्जुन स्टारर निर्देशक सुकुमार की मूवी जिस दिन सिनेमाघर पहुंच रही है। ठीक उसी दिन अजय देवगन स्टारर मूवी 'सिंघम अगेन' भी सिनेमाघर पहुंचेगी। ऐसे में साल 2024 के स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर दोनों सितारों के बीच जबरदस्त ऑन स्क्रीन भिड़ंत देखने को मिलेगी। ये साल 2024 का सबसे बड़ा क्लैश होने वाला है। तो क्या आप इन दोनों फिल्मों को लेकर उत्साहित हैं। अपनी राय हमें कमेंट कर बताएं।

विवादों से 4 फीट की दूरी पर रहती हैं टीवी की ये 9 हसीनाएं जेल-पुलिस का नाम सुनते ही सिट्टी पिट्टी होती है गुम

बॉलीवुड की तरह टीवी की दुनिया के कलाकार भी किसी न किसी वजह से विवादों में फंसे रहते हैं। कभी से-लेब्स की शादी लोगों के बीच चर्चा का मुद्दा बन जाती है, तो कभी किसी एक्ट्रेस की फेक प्रेग्नेंसी न्यूज लोगों को हैरान कर देती है। इन दिनों ये रिश्ता क्या कहलाता है के लीड एक्टर रहे शहजादा धामी और प्रतीक्षा होनमुखे की प्रोफेशनल लाइफ विवादों का हिस्सा बन गई है। दोनों ही कलाकार को मेकर्स ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। हालांकि, टीवी इंडस्ट्री में कुछ ऐसे कलाकार भी हैं, जो विवादों से दूर अपनी लाइफ में आराम से बिता रहे हैं।टीवी की दुनिया में दिव्यांका त्रिपाठी का नाम ए लिस्टेड हसीनाओं में लिया जाता है। दिव्यांका सीरियल ये है मोहब्बतें से घर-घर में छा गई थी। इसी शो के दौरान दिव्यांका को विवेक दहिया से प्यार हुआ और दोनों ने शादी कर ली। दिव्यांका अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में खुश हैं और विवादों से दूर ही रहती हैं। दिशा वकानी ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा को छोड़ने के साथ ही टीवी इंडस्ट्री से भी मुंह मोड़ लिया। इस शो में काम करते हुए भी दिशा वकानी ने नाम पर एक भी विवाद नहीं जुड़ा था और अब वह किसी भी टीवी वाले इवेंट में शामिल नहीं होती हैं।इस लिस्ट में मदालसा शर्मा का नाम भी है, जो काफी समय से अनुपमा में काव्या का रोल निभा रही हैं। मदालसा शर्मा पहले साउथ की इंडस्ट्री में काम करती थीं और अब टीवी में एक्टिव हैं। सालों के करियर में मदालसा के नाम भी कोई विवाद नहीं जुड़ा है।दिशा परमार आखिरी बार सीरियल बड़े अच्छे लगते हैं में नजर आई थीं और इन दिनों दिशा अपनी बेटी के साथ अपना सारा समय बिता रही हैं। एक्ट्रेस ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया हैं, लेकिन दिशा विवादों से चार कदम दूरी पर ही रहना पसंद करती हैं।टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य से घर-घर में मशहूर हुई सृति झा की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। श्रुति ने कई बार अपने करियर के बारे में बात की है, लेकिन एक्ट्रेस ने कभी किसी विवादित मुद्दे में नहीं बोला है। इतना ही नहीं, सृति झा खुद को भी विवाद से दूर ही रखती हैं।टीवी की हिट एक्ट्रेस रूपाली गांगुली इन दिनों फैंस के बीच छाई हुई हैं। रूपाली गांगुली का शो अनुपमा सुपरहिट साबित हुआ है, जो टीआरपी की लिस्ट में पहले नंबर पर बैठा हुआ है। रूपाली सालों से टीवी में एक्टिव हैं, लेकिन उनके नाम एक भी विवाद नहीं जुड़ा है।सुरभि ज्योति ने टीवी की दुनिया में कई शोज में काम किया है, जो सुपरहिट शामिल हुए। सुरभि भी विवादों से दूर रहने वाली हसीनाओं में से एक हैं। एक्ट्रेस ना तो किसी विवाद में बोलती हैं, ना ही प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ में कुछ ऐसा करती दिखी हैं, जिस वजह से वह भयंकर ट्रोल हो।शिवांगी जोशी को ये रिश्ता क्या कहलाता है से घर-घर में पहचान मिली, जिसके बाद वह कई शो में दिखीं।

गले में भगवा गमछा, राम भक्ति में लीन, आईपीएल 2024 से पहले सनातन रंग में रंगे दिखे डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत में फटाफट क्रिकेट का महाकुंभ यानी आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है। फैंस भी क्रिकेट के इस महाकुंभ के लिए तैयार हैं। फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के लिए बेताब हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस में वह फैंस के साथ जय श्री राम बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अपने रील्स को लेकर हमेशा से चर्चा में रहते हैं। भारत के साथ उनका प्रेम जग जाहिर है। वह अक्सर हिंदी गानों पर रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते रहते हैं। वहीं, आईपीएल से पहले कुछ फैंस के साथ डेविड वॉर्नर का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ फैंस डेविड को राम नाम का भगवा गमछा भेंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वॉर्नर ने लगाया जय श्रीराम का नारा

वीडियो में यह भी दिख रहा है कि फैंस उन्हें अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की मोमेंटो गिफ्ट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब फैंस ने जय श्रीराम का नारा लगाया तो डेविड वॉर्नर ने भी जय श्रीराम का नारा लगाकर फैंस का साथ दिया। सोशल मीडिया पर डेविड वॉर्नर की यह अदा देख फैंस का वीडियो खूब पंसद किया जा रहा है। वीडियो को खूब शेयर किया जा रहा है।

ऋषभ पंत बनाए गए कप्तान

बता दें कि आईपीएल शुरु होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाईजी ने कप्तान का ऐलान कर दिया। ऋषभ पंत की वापसी पर दिल्ली ने उन्हें फिर से कप्तान बना दिया है। 23 मार्च को मोहली में दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स के साथ भिड़ने को तैयार है। दोनों टीमें मोहली पहुंच गई हैं और अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

शुभमन को अपने फैसले लेने को प्रेरित करूंगा : विलियमसन

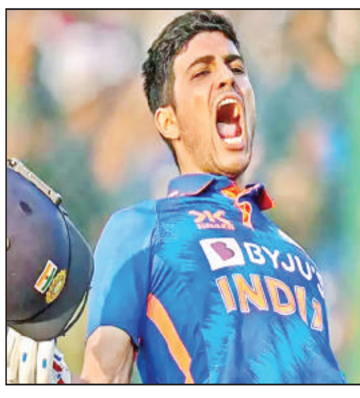

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने आईपीएल 2024 सत्र के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान बने शुभमन गिल की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास एक बेहतर कप्तान बनने की सभी क्षमताएं हैं। विलियमसन के अनुसार अगर इस टूर्नामेंट में शुभमन को मेरी किसी सहायता की जरुरत पड़ेगी तो मैं उपलब्ध रहूंगा। विलियमसन ने कहा, ‘शुभमन एक अच्छा खिलाड़ी है और उसके पास क्रिकेट को लेकर एक अच्छा दिमाग है। मैं निश्चित तौर पर उसे इस राह पर आगे बढ़ने और अपने फैसले लेने के लिए प्रेरित करूंगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भी ऐसा ही करने का प्रयास करेगा। पांड्या के मुंबई इंडियंस में जाने के बाद ही शुभमन को गुजरात टाइटंस का कप्तान बनाया गया था। आईपीएल में कप्तानी करना उनके लिए नया अनुभव होगा पर विलियमसन ने कहा कि गिल को जब भी उनकी मदद की जरूरत पड़ेगी, वह हमेशा इसके लिए तैयार रहेंगे। विलियमसन ने कहा, ‘मुझे शुभमन की किसी भी तरह से मदद करने में बहुत खुशी होगी और शुभमन भी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। टाइटंस ने 2022 में आईपीएल का खिताब जीता था जबकि इसके एक साल बाद वह उपविजेता रहा था। विलियमसन का मानना है कि गिल टीम को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त योग्यता रखते हैं।

पेरिस ओलंपिक में शरत कमल होंगे भारत के ध्वजवाहक, दल की अगुवाई करेंगी मुक्केबाज मैरीकॉम

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक होंगे। वहीं, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को बृहस्पतिवार को देश के दल का प्रमुख (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने यह घोषणा करते हुए कहा कि यह 41 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करते समय हमारे दल की एकता और भावना का प्रतीक है।

छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम के साथ शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त किया गया। आईओए ने कहा, ‘मैरीकॉम का खेलों के प्रति समर्पण और प्रेरणादायी यात्रा ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए स्वाभाविक पसंद बनाती है। केशवन के पास अपार अनुभव तथा टीम प्रबंधन के साथ काम करने का ज्ञान है।

निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे गगन नारंग – ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे। ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज मुख्य स्थल से काफी दूर है। भारत पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में अपनी सबसे बड़ी टीम भेजेगा क्योंकि देश अभी तक 19 कोटा स्थान हासिल कर चुका है। आईओए ने बयान में कहा, ‘ये नियुक्तियां अनुभव, विशेषज्ञता और नेतृत्व कौशल को देखकर की गई हैं जो वैश्विक मंच पर हमारे खिलाड़ियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।’

पीटी उषा का बयान – आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने इन नियुक्तियों के संबंध में कहा, ‘हम पेरिस ओलंपिक खेलों में हमारे दल का नेतृत्व करने के लिए अधिकारियों की इतनी प्रतिष्ठित और क्षमतावान टीम पाकर बहुत खुश हैं। खेलों में उनकी विशेषज्ञता, समर्पण और जुनून निश्चित तौर पर हमारे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

गुजरात ने मिंज के बदले शरत को शामिल किया, आरआर में ज़म्पा की जगह कोटियन

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 17वें सीजन के लिए रॉबिन मिंज के स्थान पर बी आर शरत को नामित किया, जबकि तनुष कोटियन एडम ज़म्पा के स्थान पर राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए। शरत और कोटियन क्रमश: 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए। घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज शरत ने अब तक 20 प्रथम श्रेणी मैचों और 43 लिस्ट ए मैचों के अलावा 28 टी20 मैच खेले हैं और उनके नाम पर 328 टी20 रन दर्ज हैं। कोटियन, जिन्होंने हाल ही में मुंबई के 42वां रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई अब, 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर आरआर में शामिल हुए। उन्होंने 23 टी20, 26 प्रथम श्रेणी मैच और 19 लिस्ट ए मैचों में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया है। एडम ज़म्पा ने निजी कारणों से आईपीएल 2024 से अपना नाम वापस ले लिया। दूसरी ओर, गुजरात के अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज रॉबिन मिंज इस महीने की शुरुआत में बाइक दुर्घटना का शिकार हो गए। मिंज आईपीएल का हिस्सा बनने वाले आदिवासी समुदाय के पहले खिलाड़ी बन गए थे, जब पिछले दिसंबर में खिलाड़ियों की नीलामी में टाइटंस ने उन्हें 3.6 करोड़ रुपये में चुना था।

राहुल के पास आईपीएल से टी20 विश्वकप में जगह बनाने का अवसर : लैंगर

नई दिल्ली,22 मार्च ।

लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि अगर राहुल आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और टीम को जीत दिलाते हैं तो आगामी टी20 विश्वकप में उन्हें जगह मिलना तय है। राहुल चोटिल होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर हैं। ऐसे में टी20 टीम में चयन के लिए उन्हें आईपीएल में अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करनी होगी।

राहुल टीम के कप्तान भी हैं, ऐसे में उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां भी हैं जिसको देखते हुए उनपर दबाव भी रहेगा ऐसे में बेहतर प्रदर्शन आसान नहीं होगा। इसपर लैंगर ने कहा कि यह कठिन नहीं है। उन्होंने कहा, ‘अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को लाभ होता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है। राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी टी20 विश्वकप के लिए दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, ‘राहुल या बिश्नोई के लिए साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान दें इससे टी20 विश्व कप टीम में जगह हासिल करना आसान होगा। वहीं लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे मतभेद हो सकते हैं। इसपर लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान को जानते हैं। उन्होंने कहा, ‘हमारे बीच कोई मतभेद नहीं होंगे। उनके टीम छोड़ने से मैं दुखी हूं पर वह केकेआर का असली नायक है। हम दोनों अच्छे दोस्त भी रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

राजनीति के...

सोरेन ने झारखंड के राज्यपाल के समक्ष जाकर उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया था।इसी तरह तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की गिरफ्तारी हुई थी। तब जनता पार्टी के डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने जयललिता के खिलाफ मामला दायर किया और आरोप लगाया कि 1991 से 1996 तक मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक की सम्पत्ति अर्जित की। 7 दिसंबर 1996 को जयललिता की गिरफ्तार कर ली गईं। गिरफ्तारी के पहले ही उन्होंने अपना उत्तराधिकारी चुन लिया था और मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, जयललिता 5 दिसंबर 1996 तक तमिलनाडु की मुख्यमंत्री रहीं।वर्ष 1997 में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद को चारा घोटाले में गिरफ्तार किया गया था। 30 जुलाई 1997 को लालू यादव ने अदालत के सामने आत्मसमर्पण किया था। इससे पहले 25 जुलाई 1997 को लालू यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ही लालू की पत्नी राबड़ी देवी सीएम बनी थीं।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की गिरफ्तारी भी उनके इस्तीफे के कई दिन बाद हुई थी। साल 2011 में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को जमीन मामले में जेल जाना पड़ा था। येदियुरप्पा ने 15 अक्टूबर 2011 को लोकायुक्त अदालत में आत्मसमर्पण किया था। इससे पहले उन्होंने 31 जुलाई 2011 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। स्पष्ट है कि जयललिता, लालू, येदियुरप्पा और सोरेन तक ने मुख्यमंत्री पद को कलंकित नहीं करने दिया और गिरफ्तारी के पहले इस्तीफा दे दिया। लेकिन अरविंद केजरीवाल ने इसकी भी लाज और मर्यादा नहीं रखी। जबकि केजरीवाल भी यह जानते थे कि उनकी गिरफ्तारी तय है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना काल के बीच दिल्ली सरकार ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 लागू की थी। इस शराब नीति के कार्यान्वयन में घोर अनियमितता की गईं। उपराज्यपाल ने इसकी सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी। इसके साथ ही दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 सवालों के घेरे में आ गई। इस घोटाले में कई लोगों से पूछताछ हुई और कई लोग गिरफ्तार हुए। बाद में दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और बड़बोले सांसद संजय सिंह भी गिरफ्तार हुए। जांच एजेंसी इंफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने अपनी चार्जशीट में अरविंद केजरीवाल का नाम कई बार उल्लेखित और रेखांकित किया। अदालत में दाखिल आरोप पत्र में ईडी ने बताया कि दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा बनाई गई थी, ताकि लगातार अवैध धन कमाया जा सके। ईडी ने दावा किया कि यह नीति अवैध और आपराधिक गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिए सोच-समझकर कमियों के साथ बनाई गई थी। एजेंसी ने आरोप पत्र में आरोपियों के साथ सीएम के घर पर हुई बैठकों से लेकर वीडियो कॉल तक की घटनाओं का उल्लेख किया है।

यह उनके ...

बनाना नहीं है। एक छोटा बच्चा भी यह जानता है कि शराब बुरी चीज है। लेकिन उन्होंने नीति बनाई। उन्हें लगा कि वह इससे ज्यादा पैसे कमा लेंगे, इस वजह से उन्होंने इस नीति को लागू किया। मैंने उन्हें दो बार चिट्ठी भी लिखी।

जनलोकपाल बिल आंदोलन के दौरान अन्ना हजारे की कोर टीम में शामिल अरविंद केजरीवाल का नाम जनता के सामने आया था। 2011 में शुरू हुई इस आंदोलन में केजरीवाल एक प्रमुख चेहरा थे, जिन्होंने अन्ना हजारे के साथ मिलकर जन लोकपाल विधेयक को लागू करने की मांग की थी। अन्ना हजारे ने नई दिल्ली में जंतर मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने किरण बेदी के साथ मिलकर विदेशों से काले धन को वापस लाने के लिए तत्कालीन सरकार को घेरा था।

केजरीवाल ने ...

के बाद ईडी ने भी सर्वोच्च न्यायालय में एक कैविएट दाखिल की थी। इसमें एजेंसी ने मांग की थी कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के केस में उसकी बात भी सुनी जाए। बताया गया है कि शराब घोटाला केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री की ईडी द्वारा गिरफ्तारी को लेकर अभिषेक मनु सिंघवी ने सीजेआई के घर जाकर उनसे इस मामले की सुनवाई की मांग की थी। गौरतलब है कि गुरुवार रात केजरीवाल की गिरफ्तारी के दौरान ही उनकी लीगल टीम सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी और दिल्ली सीएम की गिरफ्तारी पर तत्काल सुनवाई की मांग करने की अपील की थी।

आम आदमी पार्टी के...

और नीयत का पूरे देश के सामने पर्दाफाश करके रख दिया। घोटाले में आम आदमी पार्टी के दो बड़े नेता मनीष सिसोदिया और संजय सिंह पहले ही जेल जा चुके हैं। अब तक किन-किन लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया, नई शराब नीति में किस तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लगे और इसकी जांच कैसे शुरू हुई? यह सारी बातें एक बार फिर से लोगों के जेहन में ताजा हो गई हैं।17 नवंबर 2021 को दिल्ली सरकार ने राज्य में नई शराब नीति लागू की। इसके तहत राजधानी में 32 जोन बनाए गए और हर जोन में ज्यादा से ज्यादा 27 दुकानें खुलनी थीं। इस तरह से कुल मिलाकर 849 दुकानें खुलनी थीं। नई शराब नीति में दिल्ली की सभी शराब की दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया। इसके पहले दिल्ली में शराब की 60 प्रतिशत दुकानें सरकारी और 40 प्रतिशत प्राइवेट थीं। नई नीति लागू होने के बाद 100 प्रतिशत प्राइवेट हो गईं। सरकार ने तर्क दिया था कि इससे 3,500 करोड़ रुपए का फायदा होगा। राज्य सरकार ने लाइसेंस की फीस भी कई गुना बढ़ा दी थी। जिस एल-1 लाइसेंस के लिए पहले

ठेकेदारों को 25 लाख देना पड़ता था, नई शराब नीति लागू होने के बाद ठेकेदारों को पांच करोड़ रुपए चुकाने पड़े। इसी तरह अन्य कैटेगिरी में भी लाइसेंस की फीस में काफी बढ़ोतरी हुई। नई शराब नीति से जनता और सरकार दोनों को नुकसान होने का आरोप है। भाजपा ने आरोप लगाया कि इससे बड़े शराब कारोबारियों को फायदा हुआ।

जुलाई 2022 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव ने आबकारी नीति में अनियमितता होने के संबंध में एक रिपोर्ट उपराज्यपाल को सौंपी थी। इसमें नीति में गड़बड़ी होने के साथ ही तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर शराब कारोबारियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया था। इस रिपोर्ट के आधार पर उपराज्यपाल ने नई आबकारी नीति (2021-22) के क्रियान्वयन में नियमों के उल्लंघन और प्रक्रियात्मक खामियों का हवाला देकर 22 जुलाई, 22 को सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। इस पर सीबीआई ने सिसोदिया समेत 15 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इस आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था।

सीबीआई और ईडी का आरोप है कि आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितता की गई और लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया। इसमें लाइसेंस शुल्क माफ या कम किया गया। इस नीति से सरकारी खजाने को 144.36 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। मामले में जांच की सिफारिश करने के बाद 30 जुलाई, 22 को दिल्ली सरकार ने नई आबकारी नीति को वापस लेते हुए पुरानी व्यवस्था बहाल कर दी थी। आबकारी विभाग के प्रमुख रहते हुए मनीष सिसोदिया ने मार्च 2021 में नई आबकारी नीति का ऐलान किया था। 17 नवंबर 2021 को इसे लागू किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा था कि नई नीति के तहत शराब की बिक्री में सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। इसके तहत राजधानी में 32 जोन बनाए गए और हर जोन में ज्यादा से ज्यादा 27 दुकानें खुलनी थीं। इस तरह से कुल मिलाकर 849 दुकानें खुलनी थीं। नई शराब नीति में दिल्ली की सभी शराब की दुकानों को प्राइवेट कर दिया गया। इसके पहले दिल्ली में शराब की 60 प्रतिशत दुकानें सरकारी और 40 प्रतिशत निजी थीं। नई नीति लागू होने के बाद 100 प्रतिशत प्राइवेट हो गईं। सरकार ने तर्क दिया था कि इससे 3,500 करोड़ रुपए का फायदा होगा।

बीआरएस नेता ...

कोई और उपाय अपना सकती हैं। अगर जमानत याचिका दायर की जाती है तो उस पर तेजी से फैसला किया जा सकता है।न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने प्रोटोकॉल की अनदेखी नहीं करने का आदेश दिया। कहा कि सभी के लिए एक समान नीति का पालन करना होगा और जमानत के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पीठ ने कहा कि जहां तक धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों को चुनौती देने वाली कविता की याचिका का सवाल है, अदालत ईडी को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब मांग रही है।

पीठ ने कविता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि इन प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका लंबित मामलों के साथ आएगी। शुरुआत में सिब्बल ने कहा कि सरकारी गवाह के बयान के आधार पर लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। इस पर पीठ ने कहा कि वह फिलहाल मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं कर रही है। के. कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद ईडी की टीम के कविता को हैदराबाद से दिल्ली लेकर आई, जहां उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने के. कविता को 23 मार्च तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

ईडी का दावा है कि के. कविता ने आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर कथित तौर पर साजिश रची। जिसके तहत दिल्ली शराब नीति में फायदा पाने के लिए आप नेताओं को करीब 100 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। के. कविता को कथित दक्षिण लॉबी का हिस्सा बताया जा रहा है। दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी अब तक देशभर में 245 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है और मनीष सिसोदिया, संजय सिन्हा और विजय नायर समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

बंगाल सरकार के...

में बंगाल में पांच जगहों पर छापेमारी की, जिनमें चंद्रनाथ सिन्हा का घर भी शामिल है। चंद्रनाथ सिन्हा, बंगाल की टीएमसी सरकार में एमएसएमई और कपड़ा मंत्री हैं।

आरोप है कि बंगाल में पैसे लेकर सरकारी स्कूलों में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गईं। आरोपों के बाद सीबीआई ने इसका जांच की तो इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग होने का खुलासा हुआ। इसके बाद ईडी इस मामले की जांच से जुड़ गई। पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी समेत टीएमसी के तीन विधायकों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। स्कूल भर्ती घोटाले में ही टीएमसी सांसद और सीएम ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी से पूछताछ हुई थी।टीएमसी के शीर्ष नेता अनुब्रत मंडल भी बोलपुर के निवासी हैं और वे गौ तस्करी के मामले में जेल में बंद हैं। अनुब्रत मंडल बीते करीब दो वर्षों से तिहाड़ जेल में बंद हैं। साथ ही अनुब्रत मंडल की बेटी सुकन्या मंडल, सहयोगी सहगल हुसैन और सीए मनीष कोठारी भी जेल में बंद हैं। ईडी ने कोलकाता, उत्तर 24 परगना, बीरभूम में पांच ठिकानों पर आज छापेमारी की। जांच एजेंसी ने एक उद्योगपति और एक टैक्स कंसल्टेंट के आवास पर भी छापा मारा।

महुआ के खिलाफ ...

की जांच करने के बाद छह महीने में अपने निष्कर्ष देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति अभिलाषा कुमारी, सदस्य अर्चना रामसुंदरम और महेंद्र सिंह की लोकपाल पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि एक सांसद के रूप में मोइत्रा के खिलाफ लगाए गए आरोप ठोस सबूत पर आधारित हैं और अत्यंत गंभीर प्रकृति के हैं। इस बारे में सच पता लगाने के लिए गहन जांच की आवश्यकता है।

पिछले साल दिसंबर में मोइत्रा को अनैतिक आचरण के लिए लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने अपने निष्कासन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। वह आगामी लोकसभा चुनाव प. बंगाल की कृष्णानगर सीट से टीएमसी उम्मीदवार के रूप में लड़ेंगी। दुबे ने आरोप लगाया है कि मोइत्रा ने उद्योगपति गौतम अदाणी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य पर हमला करने और इस संबंध में लोकसभा में सवाल पूछने के लिए दुबई स्थित व्यवसायी दर्शन हीरानंदानी से नकदी और उपहार लिए। हालांकि, मोइत्रा ने सभी आरोपों से इन्कार किया है।

2-जी भ्रष्टाचारी ए...

निर्देश दिया।सीबीआई ने नीचली अदालत के फैसले पर गुण-दोष के आधार पर विचार करने के लिए 2018 में अपील दायर की थी। इस मामले में जज ने बीते 14 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। विशेष अदालत ने 21 दिसंबर, 2017 को राजा, द्रमुक सांसद कनिमोझी व अन्य को 2जी घोटाले से जुड़े सीबीआई और ईडी के मामलों में बरी कर दिया था।

ईडी की रडार...

बिहार के पूर्व सीएम एवं केंद्रीय रेल मंत्री रहे लालू प्रसाद यादव एवं उनके परिवार के सदस्यों से जमीन के बदले नौकरी, घोटाले में पूछताछ की जा रही है। यह मामला सीबीआई द्वारा दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में ईडी ने भी इस केस की जांच शुरु की। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल के खिलाफ भी ईडी की जांच चल रही है। इनमें कोयला ट्रांसपोर्टेशन व महादेव गेमिंग एप आदि शामिल हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मानेसर जमीन मामला और पंचकुला के एजेएल केस में ईडी जांच का सामना करना पड़ रहा है। राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत भी जांच एजेंसियों की रडार पर रहे हैं। यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यकाल में लिए गए कई फैसलों और विकास योजनाओं के मामले की जांच केंद्रीय एजेंसियां कर चुकी हैं। सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी सीबीआई व ईडी के रडार पर रहे हैं। इनमें गोमती रिवर फ्रंट और माइनिंग घोटाला जैसे केस शामिल हैं।

पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी से अवैध रेत खनन मामले में ईडी पूछताछ कर चुकी है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती भी ईडी जांच का सामना कर रहे हैं। इन केसों में जम्मू कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन और जम्मू कश्मीर बैंक से जुड़ा मामला शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नेबाम टुकी के खिलाफ 2019 में सीबीआई ने जांच शुरु की थी। उसी आधार पर ईडी ने भी मामले की जांच प्रारंभ की। मणिपुर के पूर्व सीएम ओकराम इबोबी पर भ्रष्टाचार के आरोप में पहले सीबीआई ने केस दर्ज किया था। उसके बाद ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज किया। गुजरात के पूर्व सीएम शंकर सिंह वघेला भी सीबीआई व ईडी के रडार पर आ चुके हैं। उन पर केंद्रीय मंत्री रहते हुए मुंबई में जमीन घोटाले का आरोप लगा था। तत्कालीन केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री रहे वघेला पर जमीन की खरीद फरोख्त में सरकारी खजाने को 709 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचाने का आरोप था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रहे शरद पवार भी ईडी जांच के दायरे में आ चुके हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री सीएम रेवंथ रेड्डी भी ईडी के रडार पर रहे हैं। उन पर आरोप था कि उन्होंने 2015 में एमएलसी इलेक्शन में पचास लाख रुपए की रिश्वत दी थी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री का पद छोड़ा है। उन्हें जमीन घोटाले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की पुत्री के कविता को इसी सप्ताह ईडी ने दिल्ली के शराब घोटाले में गिरफ्तार किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी जांच एजेंसी की रडार पर रहे हैं। गोल्ड स्मगलिंग केस सहित दूसरे मामलों में वे ईडी जांच का सामना कर रहे हैं। हाल ही में उनकी बेटी वीणा विजयन की कंपनी के खिलाफ केंद्र सरकार ने जांच का आदेश दिया है। एसएनसी-लवलिन केरल जलविद्युत घोटाला, इस केस में भी पिनाराई विजयन को जांच का सामना करना पड़ा है। आंध्रप्रदेश के पूर्व सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी भी कई तरह के वित्तीय मामलों को लेकर ईडी जांच का सामना कर रहे हैं।पूर्व केंद्रीय गृह/वित्त मंत्री पी चिदंबरम, पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री पवन बंसल और पूर्व केंद्रीय रेल एवं श्रम और रोजगार मंत्री मल्लिकार्जुन खड़गे को भी ईडी जांच का सामना करना पड़ा है। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख, ईडी के मामले में जेल जा चुके हैं। कर्नाटक के मौजूदा डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को भी ईडी जांच का सामना करना पड़ा है। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव से भी ईडी द्वारा पूछताछ की जा रही है। दिल्ली के पूर्व सीएम मनीष सिसोदिया, ईडी के केस में जेल में हैं। महाराष्ट्र के मौजूदा डिप्टी सीएम अजीत पवार के खिलाफ भी ईडी का मामला रहा है।महाराष्ट्र में पूर्व मंत्री नवाब मलिक, ईडी केस में जेल जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल के शारदा चिटफंड घोटाले में सीबीआई व ईडी की जांच के दायरे की आंच, कई नेताओं तक पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबियों को जांच का सामना करना पड़ा है। पश्चिम बंगाल पुलिस और ईडी की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि 80 प्रतिशत जमाकर्ताओं के पैसे का भुगतान किया जाना बाकी है। जब सीबीआई टीम ने पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के खिलाफ कार्रवाई की तो जांच एजेंसी के अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में सीएम ममता बनर्जी धरने पर भी बैठी थीं। तेलंगाना के सीएम की बेटी के.कविता, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शरद पवार के पोते रोहित, पश्चिम बंगाल सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे पार्थ चटर्जी, शिवसेना के सांसद संजय राउत, टीएमसी सांसद अभिषेक, आरजेडी के एमएलसी सुनील सिंह, सांसद अशफाक करीम, फैयाज अहमद और पूर्व एमएलसी सुबोध राय भी जांच एजेंसी की रडार पर रहे हैं।

कड़े इम्तिहान से गुजर रही सपा, अब कांग्रेस ही सहारा

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा कड़े इम्तिहान के दौर से गुजर रही है। सपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के कई साथियों को तोड़कर और दूसरे दलों के कई दिग्गज नेताओं को शामिल कर बड़ी हलचल पैदा की थी। पर, सत्ता परिवर्तन का उसका सपना अधूरा ही रहा। अलबत्ता कुछ सीटें जरूर बढ़ीं। वोट शेयर भी बढ़ा। पर, सरकार भाजपा की बनी। करीब एक साल पहले जब सियासी पार्टियां लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर रही थीं, सपा के सहयोगियों-साथियों का साथ छोड़ने का सिलसिला शुरू हो गया। यह सिलसिला लोकसभा चुनाव के एलान के बाद भी जारी है।

सपा का साथ पहले सुभासपा और फिर रालोद ने छोड़ा। अब सपा के पीडीए फॉर्मूले की सबसे मजबूत पैरोकार अपना दल (कमेरावादी) ने अलग चुनाव लड़ने का एलान कर पार्टी की चुनौतियां और बढ़ा दी हैं। खास बात है कि सपा के जिन सहयोगियों ने अब तक साथ छोड़ा है, उनका असर पूरब से पश्चिम तक महसूस होने वाला है। किसी का असर पूरब में ठीकठाक है, तो किसी का पश्चिम में आधार माना जाता है।

लोकसभा चुनाव में फिलहाल सपा के साथ सिर्फ कांग्रेस ही खड़ी नजर आ रही है। सपा-कांग्रेस का 2017 में भी गठबंधन हुआ था, लेकिन उसका खास

फायदा नहीं मिला। 2024 में सिर्फ कांग्रेस के सहारे अखिलेश यादव कैसे सफलता की पटकथा लिखेंगे, उनके इस कौशल पर सबकी निगाहें जरूर रहेंगी।

वर्ष 2012 के बाद से ही समाजवादी पार्टी उम्मीद के हिसाब से सियासी सफलता हासिल नहीं कर पा रही है। वर्ष 2014 में सपा ने सभी सीटों (दो कांग्रेस के लिए छोड़ी थीं) पर अकेले लोकसभा चुनाव लड़ा। पांच सीटें जीतीं। सभी परिवार के सदस्य थे। आजमगढ़ में मुलायम सिंह यादव, फिरोजाबाद में अक्षय यादव, बदायूं में धर्मेंद्र यादव, कन्नौज में डिंपल यादव, मैनपुरी में भी मुलायम सिंह यादव जीते। बाद में उप-चुनाव में मैनपुरी से तेजप्रताप यादव जीते। पार्टी को 22.20 प्रतिशत वोट मिले।

वर्ष 2019 में बसपा और रालोद के साथ गठबंधन कर सपा चुनाव लड़ी। गठबंधन को 15 सीटें मिलीं। सपा के हिस्से फिर पांच सीटें ही आईं। मुलायम सिंह यादव मैनपुरी और अखिलेश यादव आजमगढ़ से चुनाव जीते। परिवार के अन्य सदस्य चुनाव हार गए। तीन अन्य सदस्यों में रामपुर से आजम खां, मुरादाबाद से एसटी हसन और संभल से शफीकुर्रहमान बर्क जीते। वोट शेयर घटकर 18.11 फीसदी पर पहुंच गया। सारी मलाई बसपा के हिस्से आई। 2014 में एक भी सीट नहीं जीत सकी बसपा ने 10 सीटों पर कब्जा कर लिया। कुल मिलाकर सपा का प्रयोग उलटा पड़ा।

2019 के लोकसभा चुनाव के बाद बसपा ने सपा से गठबंधन तोड़ लिया। अलबत्ता रालोद साथ बना रहा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने 2022 में यूपी की सत्ता में वापसी के लिए ताना-बाना बुनना शुरू किया। नए प्रयोग के तौर पर योगी-01 सरकार में मंत्री रहे ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा से हाथ मिलाया। वह यहीं नहीं रुके। सरकार में शामिल तीन अन्य मंत्रियों-दारा सिंह चौहान, धर्म सिंह सैनी और स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी में शामिल कर तहलका मचा दिया। अपना दल कमेरावादी को भी साथ जोड़ा। दूसरे दलों के तत्कालीन कई विधायक भी शामिल हुए थे।

सपा सत्ता में वापसी तो नहीं कर पाई, लेकिन इस माहौल का तगड़ा फायदा हुआ। 2017 के विधानसभा चुनाव में जब सपा का कांग्रेस से गठबंधन था, तब उसको 47 सीटें और 21.81 फीसदी वोट मिले थे। 2022 के चुनाव में 64 सीटें बढ़ीं और विधायकों की संख्या 111 हो गई। वोट शेयर भी बढ़कर 32.06 प्रतिशत हो गया। सीधे-सीधे 10.24 फीसदी वोट शेयर बढ़ गया।

विधानसभा चुनाव के बाद राजभर सपा का साथ छोड़कर एनडीए में शामिल हो गए। राजभर समाज को साधने के लिए भाजपा ने न सिर्फ सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश को योगी कैबिनेट में दोबारा मंत्री बनाया, बल्कि पंचायतीराज जैसा बड़ा महकमा भी दिया। सुभासपा का एक एमएलसी बनाया और लोकसभा की एक सीट भी दे दी।

सपा की सबसे मजबूत सहयोगी रहा रालोद भी साथ छोड़ गया। पश्चिमी यूपी की ताकतवर माने जानी वाली पार्टी का छिटकना उस इलाके में सपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। रालोद भी एनडीए का हिस्सा हो गया है। न सिर्फ रालोद का एक विधायक योगी कैबिनेट में शामिल हो गया है, बल्कि गठबंधन से एक एमएलसी भी बनवा लिया। दो लोकसभा सीटें भी पार्टी को मिली हैं।

पार्टी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल की बड़ी बेटी पल्लवी पटेल समझौते के तहत सपा के सिंबल से विधायक चुनी गई हैं। पीडीए फार्मूले की प्रखर पैरोकार पल्लवी ने पहले राज्यसभा चुनाव में सपा के प्रत्याशी के चयन पर खुलेआम सवाल उठाया, फिर अपनी शर्तों पर वोट दिया।

इस बार दांव पर दिग्गजों की प्रतिष्ठा

बरेली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के शंखनाद के साथ ही रुहेलखंड की धरती से जुड़े दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव पर है। बरेली मंडल की सभी पांच सीटों पर पूर्व में अलग-अलग चुनाव में कांग्रेस, सपा और भाजपा अपना दबदबा जमा चुके हैं। लेकिन, इस बार यहां राजनीतिक दलों के बीच चल रहे घमासान नए समीकरण बना रहे हैं।

फिलहाल, इस क्षेत्र में दिग्गजों की प्रतिष्ठा चुनावी रण में उतरने से लेकर जीत हार तक के दांव पर लगी है। पिछले चुनाव में भाजपा के लिए मुफीद रहे इस क्षेत्र में कई दिग्गज पार्टी के बड़े चेहरे बन चुके हैं। मगर, भाजपा की ओर से आंवला, शाहजहांपुर लोकसभा सीट को छोड़कर किसी भी क्षेत्र के लिए प्रत्याशियों की घोषणा नहीं होने से इन दिग्गजों की सांसें अटकी हैं। आठ बार के सांसद संतोष गंगवार, फायरब्रांड नेता वरुण गांधी और स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी बदायूं सांसद संघमित्रा मौर्या के भविष्य पर अटकलें लग रही हैं।

उधर, समाजवादी पार्टी ने बदायूं से पूर्व मंत्री शिवपाल यादव, पीलीभीत से पूर्व राज्य मंत्री भगवत सरन गंगवार, बरेली से पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन को मैदान में उतार दिया है। दूसरी तरफ भाजपा ने पांच लोकसभा में आंवला से वर्तमान सांसद धर्मेंद्र कश्यप, शाहजहांपुर में सांसद अरुण कुमार सागर को मैदान में उतार दिया है।

दरअसल, बरेली मंडल की पांचों लोकसभा सीट में बदायूं को छोड़कर सभी सीट पर पिछले एक दशक से भाजपा का कब्जा है। बरेली, आंवला और पीलीभीत तो भाजपा की परंपरागत सीट बनी हुई है। इस सियासी समीकरण को देखते हुए मजबूत विपक्ष बनकर सामना करने के लिए तैयार गठबंधन इस गढ़ में सेंधमारी की भी पूरी तैयारी में जुटा है। यही कारण है कि कांग्रेस और सपा गठबंधन इस तिलिस्म को तोड़ने के लिए भाजपा के दिग्गजों के सामने अपने बड़े चेहरों को उतारने में पीछे नहीं है। दूसरी तरफ, भाजपा की ओर से बदायूं, बरेली और पीलीभीत में अब तक प्रत्याशियों की घोषणा नहीं होने से संशय के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में भाजपा के दिग्गजों के सियासी सफर को लेकर राजनीतिक गलियारे में अपने कयास लगाए जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी ने बदायूं में अपनी खोई प्रतिष्ठा वापस पाने की जुगत में पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव को मैदान में उतारा है। इस सीट पर स्वामी प्रसाद मौर्या की बेटी संघमित्रा मौर्या भाजपा सांसद हैं। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या की अलग पार्टी बनाने और भाजपा के खिलाफ मुखर रहने के चलते कई तरह की संभावनाओं को बल मिल रहा है।

फिलहाल, बदायूं में पहली बार वर्ष 1991 में भाजपा के स्वामी चिन्मयानंद ने खाता खोला था। इसके बाद कांग्रेस से सांसद रहे सलीम शेरवानी ने 1996 में यह सीट सपा के खाते में डाल दी थी। इसके बाद 2004 तक सलीम शेरवानी इस सीट से सांसद रहे ओर इसके बाद वर्ष 2014 तक धमेंद्र यादव ने यहां से प्रतिनिधित्व किया। मगर, 2019 में यह सीट भाजपा के पास आ गई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बरेली से आठ बार के सांसद संतोष गंगवार की सियासत में अब उम्र बाधा बन रही है। वर्ष 2009 को छोड़कर गंगवार वर्ष 1989 से लगातार जीतते आ रहे हैं। वर्ष 2009 में उन्हें परास्त करने वाले प्रवीण सिंह ऐरन को सपा ने इस बार फिर यहां से उतार दिया है। पहली सूची में गंगवार का नाम नहीं होने की वजह से यहां भाजपा के निर्णय पर सबकी नजर टिकी है।

पीलीभीत सीट को दो बार फतह कर चुके भाजपा के फायरब्रांड रहे वरुण गांधी पर भी उहापोह है। फिलहाल उन्होंने नामांकन पत्र खरीद कराकर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। ऐसे में उनके चौंकाने वाले फैसले से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। मगर, भाजपा के निर्णय पर ही उनका आगे का सियासी सफर तय होगा। फिलहाल, सपा ने यहां पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार के नाम का एलान कर दिया है। आंवला सीट पर भाजपा ने धर्मेंद्र कश्यप पर तीसरी बार भरोसा जताया है। ऐसे में उनके सामने भी हैट्रिक की अग्नि परीक्षा को पार करना बड़ी चुनौती होगी। सपा ने यहां से नीरज मौर्य को प्रत्याशी बनाया है। वहीं सपा से इस्तीफा देने वाले आबिद अली को बसपा ने यहां से प्रत्याशी घोषित किया है। लगातार दो बार से शाहजहांपुर सीट पर काबिज भाजपा के सामने हैट्रिक की चुनौती होगी। 1962 में अस्तित्व में आई शाहजहांपुर सीट पर पहली बार वर्ष 1989 में भाजपा ने खाता खोला और 1991 व 1998 में हुए चुनाव में अपना दबदबा बरकरार रखा। इससे पहले वर्ष 1996 के चुनाव में यह सीट सपा के खाते में गई और वर्ष 1999 से एक दशक तक कांग्रेस के पास रही। वर्ष 2009 में सपा ने इस पर कब्जा किया और वर्ष 2014 से लगातार दो बार भाजपा ने अपना वर्चस्व कायम किया है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी के तीसरी बार चुनावी मैदान में आने से बरेली मंडल से सटी लखीमपुर खीरी की सीट वीआईपी बन गई है। गठबंधन की ओर से यहां पूर्व विधायक उत्कर्ष वर्मा मैदान में हैं और बसपा की ओर से अभी पत्ते खुलने बाकी हैं। वर्ष 2009 से पहले तक खीरी सीट पर ज्यादातर एक ही परिवार का कब्जा रहा। यहां बाल गोविंद वर्मा लंबे समय तक कांग्रेस से सांसद रहे और उनके निधन के बाद उनकी पत्नी उषा वर्मा सांसद रहीं। इसके बाद उनके बेटे रवि वर्मा सपा के साथ हो लिए और वह भी तीन बार सांसद रहे। हालांकि इस बार इस परिवार का कोई सदस्य चुनावी मैदान में नहीं है।

वर्ष 2008 के परिसीमन में अस्तित्व में आई बरेली मंडल से सटी धौरहरा लोकसभा सीट पर भी भाजपा के सामने हैट्रिक की चुनौती है। यहां अब तक तीन बार ही चुनाव हुए हैं और वर्ष 2009 के पहले चुनाव में कांग्रेस के जितिन प्रसाद सांसद बने थे।

मासूमों की हत्या पर कहानियां गढ़ रहा है जावेद

बदायूं, 22 मार्च (एजेंसियां)।

बदायूं में दो नाबालिग भाइयों आयुष (13) और अहान (6) की हत्या के आरोपी और मुठभेड़ में मारे गए साजिद के भाई जावेद ने बुधवार रात बरेली में नाटकीय ढंग से समर्पण कर दिया। सेटेलाइट बस स्टैंड चौकी पर आत्मसमर्पण के इरादे से पहुंचे जावेद ने एक ऑटो में साथ बैठी सवारियों को दोहरा हत्याकांड का उल्लेख कर अपना नाम-पता बताया। सवारियों ने इस कबूलनामे का वीडियो भी बना लिया, इसमें जावेद ने अपने को बेकसूर बताया। चौकी पर सौंपे जाने के बाद बदायूं पुलिस उसे साथ ले गई। सेटेलाइट बस स्टैंड के नजदीक ऑटो में लोगों के बीच बैठे जावेद का यह वीडियो वायरल भी हुआ है। इसमें जावेद कह रहा है कि वह दोहरे हत्याकांड के आरोपी साजिद का भाई जावेद है।

इसके प्रमाण के तौर पर जावेद ने अपना आधार कार्ड भी लोगों

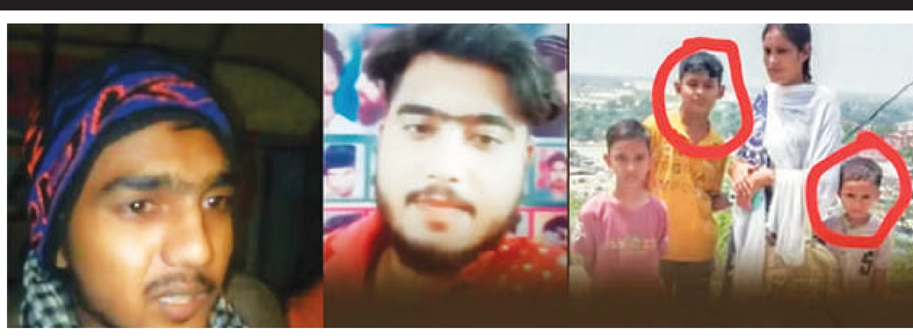

को दिखाया। जावेद ने लोगों को बताया कि साजिद ने जब घटना की तो वह अपने सखानू कस्बा स्थित अपने घर पर था। उसे घटना की जानकारी नहीं थी। कई लोगों ने कॉल करके उसे बताया कि तुम्हारे भाई ने दो बच्चों की हत्या कर दी है। जावेद बोला कि उसका मोबाइल फोन इसकी गवाही देगा कि वह उस वक्त कहां था। जब भीड़ उसका हेयर सैलून फूंक रही थी तो वह बदायूं पहुंचा। उसने देखा कि लोग काफी गुस्से में थे। भीड़ उस पर भी हमला कर सकती थी, इसलिए जान बचाने के लिए वह दिल्ली भाग गया।

दो दिन दिल्ली में यहां-वहां घूमता रहा। उसे पता लगा कि साजिद को पुलिस ने मुठभेड़ में मार दिया है तब वह आत्मसमर्पण करने बरेली आ गया। जावेद का कहना है कि जिनके साथ घटना हुई है वह उन लोगों का परिचित परिवार है। घरेलू संबंध हैं। साजिद ने ऐसा क्यों किया, वह यह नहीं समझ पाया, लेकिन मैं निर्दोष हूं। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस गिरफ्त में जावेद ने कहा कि साजिद मानसिक रूप से बीमार था और बच्चों से नफरत करता था। इसलिए उसने आयुष और अहान की हत्या की। खुद के दो बच्चों की मौत के बाद साजिद की मानसिक स्थिति बिगड़ी थी।

एसएसपी आलोक प्रियदर्शी के मुताबिक, पुलिस की पूछताछ में जावेद ने बताया कि बड़ा भाई साजिद बच्चा न होने के कारण मानसिक रूप से परेशान रहता था। वह बच्चों से नफरत करता था और कई बार वह बच्चों को देखकर आक्रोशित हो जाता था। घटना से पहले वह एक छुरा खरीदकर लाया। पूछने पर बताया कि रमजान चल रहे हैं, यह गोश्त काटने के काम आएगा। शाम को जब घर जाते वक्त साजिद ने उससे कहा चलो ठेकेदार विनोद के घर हो आएं। वह उसके साथ बाइक से विनोद के घर पहुंचा। साजिद ने कहा कि तुम यहीं खड़ा रहो, मैं आता हूं। यह कहकर साजिद मकान के अंदर चला गया। कुछ ही देर बाद जब वह खून से सना हुआ आया तो विनोद के परिवार के लोगों ने शोर मचाया जिस पर मोहल्ले के लोग मौके पर आ गए। यह देख वह बाइक लेकर भाग गया था। पुलिस के डर से वह घर से दिल्ली चला गया। जब पता चला कि पुलिस उसे ढूंढ रही है तो वह समर्पण करने बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचा। एसएसपी ने कहा कि पुलिस जावेद के बयानों को क्रॉस चेक करेगी।

विनोद के तीसरे बेटे पीयूष (8) पर भी चाकू से वार किया गया था। वारदात के दौरान जावेद और साजिद साथ थे। इसके बाद जावेद दिल्ली भाग गया। वहीं साजिद शेखूपुर के जंगल में पुलिस मुठभेड़ में उसी रात मारा गया। जावेद ने बरेली में आत्मसमर्पण किया। पुलिस उसे बदायूं ले आई, जहां पूछताछ की गई। अब कई पहल-ओं पर छानबीन और जांच होनी है।

सीतापुर जेल में आजम से मिले सपा मुखिया अखिलेश यादव, सियासी गर्मी बढ़ी

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)।

सीतापुर जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री आजम खान से शुक्रवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव मिलने पहुंचे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ पूर्व विधायक अनूप गुप्ता और पूर्व एमएलसी आंनद भदौरिया भी जिला कारागार में गए। बताया जा रहा लोकसभा चुनाव को लेकर उनसे मंत्रणा के लिए अखिलेश यादव पहुंचे हैं। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता से मिलने के लिए अखिलेश यादव का काफिला सीधे जेल परिसर के अंदर चला गया। अखिलेश यादव ने जेल के अंदर जाते वक्त मीडिया से बातचीत नहीं की। इस मुलाकात के बाद अखिलेश यादव रामपुर लोकसभा सीट से टिकट की घो-षणा भी कर सकते हैं।

बता दें कि जबसे दूसरी बार आजम खान जेल भेजे गए हैं, उस समय से अभी तक अखिलेश यादव की जेल में यह पहली मुलाकात है। लोकसभा चुनाव से पहले इस मुलाकात से सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। चर्चा है कि अखिलेश यादव रामपुर सीट पर प्रत्याशी को लेकर आजम खान की राय जान सकते हैं। रामपुर सीट पर पहले चरण में चुनाव होना है। यहां 27 मार्च को नामांकन की आखिरी तिथि है। अभी तक सपा ने यहां से प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है। अखिलेश यादव के साथ रामपुर के सपा अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में इस बात की ज्यादा उम्मीद है कि रामपुर पर अखिलेश यादव आजम खान से बात करेंगे। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान 22 अक्टूबर, 2023 से सीतापुर जेल में बंद हैं। उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला को रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में 7-7 साल की सजा सुनाई थी। सुरक्षा कारणों के चलते आजम खान को 22 अक्टूबर 2023 की सुबह रामपुर से सीतापुर जिला कारागार शिफ्ट किया गया था। जबकि, इसी मामले में उनका बेटा अब्दुल्ला आजम हरदोई जेल में बंद है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट 2004 को किया रद्द, बताया असंवैधानिक

प्रयागराज, 22 मार्च (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को धर्मनिरपे-क्षता के सिद्धांतों के प्रति उल्लंघनकारी करार देते हुए उसे असंवैधानिक करार दिया। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा है कि उनके वकील सम्भवत: अदालत के सामने अपना पक्ष सही तरीके से नहीं रख सके, इसीलिए यह निर्णय आया है। बोर्ड उच्च न्यायालय के निर्णय का अध्ययन करने के बाद तय करेगा कि आगे क्या करना है।

वहीं, आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा है कि उच्च

न्यायालय के इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जानी चाहिये। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने मदरसा शिक्षा अधिनियम को 'अधिकारातीत' करार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह एक योजना बनाये जिससे राज्य के विभिन्न मदरसों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जा सके। अदालत ने यह आदेश अंशुमान सिंह राठौर नाम के व्यक्ति की याचिका पर दिया। याचिका में उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए मदरसों का प्रबंधन केन्द्र और राज्य सरकार के स्तर पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किये जाने के औचित्य पर सवाल उठाये गये थे। उत्तर प्रदेश में करीब 25 हजार मदरसे हैं। इनमें 16500 मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, उनमें से 560 मदरसों को सरकार से अनुदान मिलता है।

एल्विश यादव को मिली जमानत, 50 हजार के दो बेल बॉन्ड जमा कराने के निर्देश

गौतमबुद्ध नगर, 22 मार्च (एजेंसियां)।

एल्विश यादव को गौतमबुद्ध नगर जिला कोर्ट से जमानत मिल गई है। उसे 50-50 हजार के दो बेल बॉन्ड जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। एल्विश यादव 17 मार्च को जेल भेजा गया था। अगले दिन सोमवार को गौतमबुद्ध नगर कोर्ट में पेशी थी, लेकिन, तीन दिनों तक वकीलों की हड़ताल के चलते जमानत

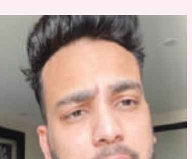

याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी।जिला न्यायालय में गुरुवार को भी एल्विश यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हो पाई। पुलिस द्वारा धाराएं बढ़ाने की वजह से ऐसा हुआ। न्यायालय ने सुनवाई के लिए शुक्रवार की तिथि निर्धारित की थी।

जानकारी के मुताबिक विनय के कहने पर राहुल नामक युवक बुकिंग पर सांप और उसके जहर के साथ सपेरे की टोली लेकर रेव पार्टी में पहुंचता था। पुलिस ने एनडीपीएस की 6 धाराओं को केस में बढ़ाया था। इनमें से दो धारा 27 और 27ए को कोर्ट ने पहले ही हटा दिया था। अब एनडीपीएस की चार धारा एल्विश पर लगी रहेंगी। गौरतलब है कि सेक्टर-20 थाना पुलिस ने 17 मार्च को एल्विश यादव को सांपों की तस्करी मामले में गिरफ्तार किया था। मामले में पुलिस के आला अधिकारियों ने जांच की थी।

भाजपा सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर के पद पर कार्यरत गौरव गुप्ता ने एफआईआर कराई थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

म्हारो भाग्यनगर
शुभ लाभ
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 23 मार्च, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

केसीआर ने नागरकुर्नूल और मेदक के लिए की उम्मीदवारों की घोषणा

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष एवं तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को नागरकुर्नूल और मेदक लोकसभा सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की।

श्री राव ने खुलासा किया कि भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी आरएस प्रवीण कुमार

नगरकुर्नूल लोकसभा सीट तथा सेवानिवृत्त आईपीएस पी. वेंकटराम रेड्डी को मेदक सीट के लिए नामित किया गया है। राज्य की भुवनागिरी, नालगोंडा, सिकंदराबाद, हैदराबाद और चेवेल्ला लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। श्री राव ने संकेत दिया कि इन सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा का होली के रंग कवियों के संग विराट कवि सम्मेलन कल

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा के तत्वावधान में नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय संस्था गीत चांदनी के सहयोग से होली के रंग कवियों के संग विराट कवि सम्मेलन का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में रविवार, 24 मार्च को सायं 5 बजे से होगा। प्रतिवर्ष यह कवि सम्मेलन समाज सेवी नरेश कुमार बंसल के निवास स्थान पर आयोजित होता है लेकिन इस बार उनके घर की दीवार गिर जाने और शाखा के संस्थापक महावीर प्रसाद डोकानिया की भाभी के आकस्मिक निधन के कारण इस कवि सम्मेलन के स्थान में परिवर्तन किया गया है।

उक्ताशय की जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल और गीत चांदनी के कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि कवि सम्मेलन में हास्य-व्यंग्य, गीत व ग़ज़ल के कवि भाग लेंगे।

गीत चाँदनी के अध्यक्ष वरिष्ठ गीतकार चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे और गोलकोण्डा दर्पण (मासिक) के संपादक व कवि गोविंद अक्षय संचालन का भार संभालेंगे। कार्यक्रम के बीच महामूर्ख विश्वविद्यालय की ओर से नगर के प्रमुख कवियों, समाज-सेवियों, राजनीतिज्ञों को होली की उपाधियों से अलंकृत किया जाएगा। सभी कवियों को होली की विशेष माला, विशेष टोपी और स्मृति-चिह्न भेंट किये जाएँगे। इस कार्यक्रम में अनेक विशेष अतिथि, विशिष्ट अतिथि, सम्माननीय अतिथि के साथ-साथ मुख्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे।

कवि सम्मेलन का उद्घाटन विशेष अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती देवी के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं श्री अग्रसेन जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण तथा पूजा के साथ होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में गीत चाँदनी के कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य और डॉ. प्रभास चंद्र सिंह चंदर (उपाध्यक्ष), सुधा ठाकुर (सह-कार्यदर्शी), रत्नकला मिश्र (कोषाध्यक्षा), डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव (संयोजिका) एवं अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा के रामकिशन अग्रवाल (अध्यक्ष), आनंद संघी (उपाध्यक्ष), पंकज गोयनका (मंत्री), राजू भाई चाटवाला (सह-मंत्री), प्रेम अग्रवाल (कोषाध्यक्ष), केंद्रीय समिति सदस्य उमेश अग्रवाल परामर्शदाताओं में नरेश कुमार बंसल, सत्यनारायण गुलखंडिया, रामदेव अग्रवल, संजय अग्रवाल, शाखा संस्थापक एवं आईपीपी महावीर प्रसाद डोकानिया और कार्यकारिणी सदस्यों में फतेहचंद मित्तल, हरिकशन अग्रवाल, पवन कुमार डोकानिया, जयेश अग्रवाल, रोशन अग्रवाल, कमल नयन अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, योगेश गुलखंडिया आदि अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर कवि डॉ. प्रभास चंद्र सिंह चंदर द्वारा किसी एक कवि को भाग्यशाली कवि के रूप में 1100 रुपयों की राशि से सम्मानित किया जाएगा। शाखा और गीत चाँदनी के सभी पदाधिकारियों ने सभी से इस हास्य व्यंग्य भरे कार्यक्रम में भाग लेने का अनुरोध किया है।

पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित

वारंगल, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
लक्ष्मीनगर सेक्टर के शिवनगर आंगनवाड़ी केंद्र में शुक्रवार को पोषण पखवाड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एम. रमादेवी शामिल हुईं।

उन्होंने कहा कि गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषणयुक्त भोजन करना चाहिए।

खासकर गर्भवती महिलाओं को एनीमिया से बचाव के लिए उचित सावधानियां बरतनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि छोटे दानों से बनी सामग्री अधिक लें। विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में आंगनबाडी शिक्षिका रामादेवी, संध्या, भाग्यम्मा, आया राजम्मा, एएनएम, आशा ने भाग लिया।

जुबली हिल्स कांग्रेस कार्यालय में पार्टी के युवा नेता अमरजीत सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात करते हुए।

सिकंदराबाद स्थित सुमन बंग के निवास पर ताड़बन भजन मंडली के सभी सदस्य फाग के भजन होली श्याम के संग का आनंद उठाते हुए।

मलकपेट में होलिका दहन कल

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
माहेश्वरी जागृति संघ मलकपेट के तत्वावधान में प्रतिवर्षानुसार फाल्गुन पूर्णिमा को बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक होलिका दहन का कार्यक्रम आरएसएस ग्राउण्ड आनन्द नगर, मलकपेट में रविवार 24 मार्च को रात्रि 10:51 बजे सामूहिक रूप से किया जायेगा। यह जानकारी संघ के मंत्री नरसिंगदास लोया द्वारा दी गई। सामूहिक होलिका दहन कार्यक्रम अन्तर्गत फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा रविवार 24 मार्च को सूर्यास्त पश्चात रात्रि 9 बजे से होरियों के भजन, रात्रि 9:25 बजे से पारिवारिक होलिका पूजन रहेगा भद्रोत्तर पश्चात रात्रि 10-51 बजे सामूहिक होलिका दहन किया जायेगा। क्षेत्रीय सभी भक्तों से निवेदन है कि होलिका दहन कार्यक्रम में समयानुसार पधार कर पूजा एवं होलिका दहन में भाग लें। पूजा प्रांगण में रंग-गुलाल लाना व खेलना वर्जित है।

रेल अधिकारी सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन कर सुरक्षा सुनिश्चित करें : अरुण जैन

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कर्मचारियों और अधिकारियों को ट्रेन परिचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को रेल निलयम सिकंदराबाद में ट्रेन संचालन की सुरक्षा, समय की पाबंदी और पूरे जोन में विभिन्न यातायात सुविधा कार्यों की प्रगति पर चर्चा के लिए एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आर. धनंजयुलु, अपर महाप्रबंधक, एससीआर ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ बैठक में भाग लिया। सभी छह मंडलों सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

महाप्रबंधक ने अधिकारियों को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए लगातार फील्ड निरीक्षण करने और लोको पायलटों, सहायक लोको पायलटों और गार्डों आदि सहित सुरक्षा संबंधी कर्मचारियों को सुरक्षा प्रक्रियाओं का सख्ती से पालन करने के लिए परामर्श देने का निर्देश दिया। उन्होंने क्षेत्र में आग से बचाव संबंधी सुरक्षा वस्तुओं जैसे धुआं पता लगाने वाले उपकरण, अग्निशामक यंत्र आदि की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने की सलाह दी। उन्होंने सड़क यात्रियों की सुरक्षा के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग लेवल क्रॉसिंग गेटों पर वॉयस लॉगर सुविधाओं के प्रावधान पर भी जोर दिया।

महाप्रबंधक ने ने मेल/एक्सप्रेस ट्रेन की समयपालनता पर चर्चा की और अधिकारियों को अधिकतम ट्रैक क्षमता का उपयोग करके समयपालन में सुधार करने की सलाह दी। उन्होंने अधिकारियों को औसत गति में सुधार के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने का भी निर्देश दिया, ताकि ट्रेन संचालन में जोन की समयपालनता में महत्वपूर्ण सुधार देखा जा सके। उन्होंने रनिंग स्टाफ के काम के घंटों की समीक्षा की और कर्मचारियों को सुचारू रूप से संभालने और सुरक्षित कार्य स्थितियों को सुनिश्चित करने के लिए काम के घंटों पर अग्रिम योजना बनाने के निर्देश दिए।

अरुण कुमार जैन ने माल की लोडिंग और अनलोडिंग के लिए अतिरिक्त लूप लाइनों के प्रावधान, हॉल्ट स्टेशनों को क्रॉसिंग स्टेशनों में बदलने और ज़ोन पर लंबी लूप लाइनों के निर्माण जैसे यातायात सुविधा कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधकों को निर्धारित समय से पहले पूरा किए जाने वाले कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। बाद में, महाप्रबंधक ने डीआरएम के साथ यात्री सुविधाओं से संबंधित चल रहे विकास कार्यों की स्थिति और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अमृत स्टेशनों के उन्नयन कार्यों आदि पर चर्चा की।

पुष्करणा विप्र समाज का होली के रसिया कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पुष्करणा विप्र समाज के तत्वावधान में 24 मार्च रविवार को कोचर भवन इसामिया बाजार में रात 8 बजे से होली के रसिया, होली की धमाल, लठमार होली एवं राजस्थानी गीतों का आयोजन किया गया है। जिसमे प्रमुख भजन गायक ओम व्यास, विपीन व्यास, कमल चौहान, सागर व्यास एवं ओमप्रकाश पवार नायाब द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी जायेगी। कार्यक्रम के संयोजक भरत चांडा द्वारा बताया गया है कि हर साल की भांति इस साल भी कार्यक्रम भव्य रूप में मनाया जायेगा। सभी समाज बंधु सपरिवार पधारकर आनन्द लें। कार्यक्रम के पश्चात ठंडाई एवं अल्पाहार की व्यवस्था की गई है।

विनय कुमार फिर बने बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बिहार सहयोग समिति तेलंगाना की कोर कमेटी और सलाहकारों कि बैठक दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरु नगर मल्काजगिरी में संपन्न हुई। बैठक में दो साल का कार्यकाल पूरा होने पर हर्ष व्यक्त किया गया। बैठक में समिति के पदाधिकरियों ने बताया कि पिछले दो साल में बिहार सहयोग समिति ने बहुत से ऐसे कार्य किए कि जो आम जनता से जुड़े हुए हैं। इसे देखते हुए समिति की कोर कमेटी के सभी सदस्यों और सलाहकार राजेश्वर भगत, जयनाथ सिंह, दशरथ सिंह, शम्भू नाथ भगत, सुशील ओझा पंडित जी ने अगले दो वर्षों के लिए बिनय कुमार यादव को अध्यक्ष बने रहने कि घोषणा की। इस मौके पर कोर कमेटी के पंचम भगत, आंनद गुप्ता, पंकज, जय प्रकाश भगत, गोपाल भगत, विवेश झा, जितेन्द्र गुप्ता, अनील ठाकुर, सुनील, सूरज, दीपू, सुशील, गुलशन, विकास, गुड्डू, ललन, विपिन आदि कोर कमेटी के सदस्यों ने सहमति जताई। इस मौके पर अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने फिर से खुद को मौका देने के लिए समिति के सभी लोगों का अभार प्रकट किया और बहुत जल्द ही पूरी की घोषणा करने का आश्वासन दिया।

अवंतीनगर बशीरबाग में होलिका दहन कल

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
परम्परानुसार फाल्गुन पूर्णिमा पर बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक होलिका दहन का कार्यक्रम बशीरबाग अवंती नगर में रविवार 24 मार्च को रात्रि 11:31 बजे सामूहिक रूप से किया जायेगा ।

यह जानकारी आयोजक महेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा दी गई।

सामूहिक होलिका दहन कार्यक्रम अन्तर्गत फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा रविवार सुबह 9 बजे होली डंडा रोपण होगा। महिलाओं के लिए ठण्डी होली कीपूजा सुबह 10 से सायं 5:30 बजे तक रहेगी।

पारिवारिक होलिका पूजन रात्रि 11:01 बजे से रहेगा। तत्पश्चात 11:31 बजे सामूहिक होलिका दहन किया जायेगा।

कार्यक्रम संयोजक हरिप्रसाद चाण्डक, बसंत बाफणा, विजय कुमार बांगड, नारायणदास हेडा, मनोज गोयल, ओमप्रकाश बंसल, अंजनी कुमार अग्रवाल, संतोष अग्रवाल एवं सुनीता बंसल ने क्षेत्र के सभी परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में समय पर कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

काचीगुड़ा स्थित श्री खाटू श्याम बाबा दरबार में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद लिया एवं पूजा-अर्चना की साथ ही मंदिर की कमेटी द्वारा सम्मान किया गया। सभी पधारे मेहमानों में श्याम सुंदर गिलडा चैयरमेन रामदेवरा मंदिर शिवरामपल्ली, समाजसेवी विकास शर्मा, धर्माराम ढाका प्रदेश अध्यक्ष तेलंगाना जाट एकता मंच, भाजपा नेता अशोक सेन, श्याम परतानी, दामोदर शर्मा एवं अन्य उपस्थित रहे।

कृष्ण सखी मंडल द्वारा होली का त्यौहार मनाया गया। महिलाओं ने होली के गीत गाए और डांस किया। इस अवसर पर उपस्थित भाजपा नेता सपना गुप्ता, पिंकी, अलका, बीना, सुनीता, रेनू, कंचन, जनक, उर्मिला, किरण, अनीता, अंजू, रेखा व अन्य।

चुनाव शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए अधिकारी समन्वय बनाकर काम करें : जिलाधिकारी

आसिफाबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) दीपक तिवारी, एसपी सुरेश कुमार, एडिशनल एसपी प्रभाकर राव, जिला राजस्व अधिकारी लोकेश्वर राव, आसिफाबाद डीएसपी सदैया के साथ आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र के तहत आसिफाबाद विधान सभा क्षेत्र में चुनाव के संचालन पर नोडल अधिकारियों, क्षेत्रीय अधिकारियों, तहसीलदारों, मंडल परिषद विकास अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं जिलाधिकारी ने कहा कि सेक्टर पदाधिकारी एवं पुलिस सेक्टर पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्राधीन सभी मतदान केंद्रों का भ्रमण कर पूर्ण विवरण के साथ रिपोर्ट प्रस्तुत करें। प्रत्येक मतदान केंद्र पर दिव्यांगों के लिए रैंप की सुविधा उपलब्ध करायी जाये।

बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। उन्होंने बताया कि जिले में आसिफाबाद विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत 51 सेक्टर, 001-सिरपुर में 320 मतदान केन्द्र, 005-आसिफाबाद में 356 मतदान केन्द्र तथा सहायक मतदान केन्द्र सहित कुल 676 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मतदान केन्द्र पर आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध रहे, पीठासीन अधिकारी एवं सहायक पीठासीन अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें तथा प्रत्येक सेक्टर अधिकारी अपने रूट की जांच कर लें। उन्होंने कहा कि समस्याग्रस्त एवं छाया मतदान केन्द्रों को चिन्हित कर विवरण प्रस्तुत किया जाये।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग एवं दिव्यांग व्यक्ति जो मतदान केन्द्र पर नहीं आ सकते, उनके लिए घर पर ही मतदान की व्यवस्था की जाए, तहसीलदार मंडल परिषद विकास अधिकारियों एवं बूथ स्तर के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करें। अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए मतदान के एक दिन पहले और मतदान के दिन अपने-अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा कि मतदान दिवस पर मतदान प्रारम्भ होने से पूर्व मॉक पोल अवश्य करा लिया जाये, यदि मतदान दिवस पर मॉक पोलिंग प्रक्रिया के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में कोई समस्या आती है तो उसका तत्काल एवं वास्तविक समाधान करने का प्रयास किया जाये।

मतदान सुबह 7 बजे शुरू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेक्टर अधिकारियों को उपलब्ध करायी गयी चेक लिस्ट, हैण्ड बुक, क्या करें, क्या न करें से संबंधित पुस्तकों को पढ़कर अपने पास रखें तथा निर्वाचन नियमों के अनुरूप कार्यवाही करें। इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी, सेक्टर अधिकारी, सेक्टर पुलिस अधिकारी, तहसीलदार, मंडल परिषद विकास अधिकारी, चुनाव विभाग अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

एसपी के नेतृत्व में अर्धसैनिक बलों ने किया फ्लैग मार्च

आसिफाबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिले के एसपी के सुरेश कुमार ने कहा कि आगामी संसदीय चुनाव में सभी लोगों को बिना किसी सांप्रदायिक मतभेद के सहयोग करना चाहिए। अर्धसैनिक बलों का फ्लैग मार्च आसिफाबाद शहर के कोमुराम भीम चौक से शुरू हुआ। इस अवसर पर अर्धसैनिक बलों ने अंबेडकर चौक, पोट्टी श्री रामुलु प्रतिमा, विवेकानंद प्रतिमा और शहर के बाजार क्षेत्र की सड़कों के माध्यम से परेड में भाग लिया।

इसके बाद उन्होंने पैरामीटर बलों के लिए की गयी सुविधाओं का निरीक्षण किया और उन्हें चुनाव के संबंध में उचित निर्देश दिये। एसपी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा सुझाए गए दिशानिर्देशों के अनुसार कर्तव्यों का पालन किया जाना चाहिए और आगामी संसदीय चुनाव के दौरान समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि कानून के खिलाफ आचरण करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि गांव और जिले का विकास तभी होगा जब गांव के सभी लोग बिना किसी झगड़े के शांत रहेंगे, इसलिए सभी लोगों को बिना किसी वर्ग भेद के शांतिपूर्ण चुनाव में सहयोग करना चाहिए और एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण रहना चाहिए। एसपी ने जनता से चुनाव के दौरान पुलिस को सहयोग करने की अपील की। इस कार्यक्रम में एसपी के साथ एडिशनल एसपी प्रभाकर, डीएसपी सदैया, सीआई सतीश श्रीनिवास चित्तिबाबू, एसआई व कर्मचारी शामिल हुए।

26 मार्च को होंगी स्तरीय सामुदायिक बैठकें

आसिफाबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एक बयान में कहा कि स्तरीय सामुदायिक बैठकें 26 मार्च को जिला केंद्र में जिला प्रजा परिषद कार्यालय के बैठक हॉल में आयोजित की जाएंगी। 26 मार्च को सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक लेवल सोसायटी-7 (कार्य), लेवल सोसायटी-1 (योजना, वित्त), दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक लेवल सोसायटी-2 (ग्रामीण विकास), दोपहर 1.30 से 2.30 बजे तक लेवल सोसायटी- 3 (कृषि), दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक लेवल सोसायटी-4 (शिक्षा, चिकित्सा), शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक लेवल सोसायटी-5 (महिला कल्याण), शाम 5 बजे से शाम 6 बजे तक लेवल सोसायटी-6 (समाज कल्याण) की बैठकें होंगी। उन्होंने कहा कि सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी अपनी प्रगति रिपोर्ट के साथ समय पर उपस्थित हों।

तेलंगाना आम आदमी पार्टी के नेताओं ने शुक्रवार को हैदराबाद में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ राज्य भाजपा कार्यालय नामपल्ली पर धरना प्रदर्शन कर गिरफ्तारी देते हुए।

हिंगोली लोकसभा सीट की उम्मीदवारी को लेकर सस्पेन्स बरकरार

किनवट, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
लोकसभा के आम चुनाव की घोषणा और आचार संहिता भी लागू हो चुकी है। दूसरे चरण मे हिंगोली लोकसभा के लिए 26 अप्रैल को मतदान होगा, लेकिन अभी तक महायुती और महाविकास आघाडी ने हिंगोली लोकसभा सीट की उम्मीदवारी को लेकर सस्पेन्स बरकरार रखा है। इस सीट को लेकर शिवसेना शिंदे गुट और भाजपा के बीच तनातनी खत्म होने का नाम नही ले रही है। एक तरफ भाजपा ने इस सीट को लेकर पूरी तैयारी कर रखी तो दूसरी तरफ शिवसेना शिंदे गुट भी पीछे हटने के लिये तैयार नहीं है। इससे इच्छुक उम्मीदवारों की उलझन बढ़ गई है।

हिंगोली लोकसभा शिवसेना का गढ़ रही है। शिवसेना मे विभाजन के बाद माना जाता है की ठाकरे गुट की शिवसेना मजबूत है। हर दिन उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा चल रही है, कई अफवाहें भी हैं। सभी राजनीतिक दलों ने वेट एंड वॉच की भूमिका अपना रखी है। बताया जाता है की मुंबई, दिल्ली मे हिंगोली लोकसभा सीट को लेकर बैठके जारी हैं। लेकीन अभी तक कोई भी नतीजा नहीं निकला। दूसरी तरफ भाजपा की ओर से इच्छुक उम्मीदवारों ने विभिन्न स्तरों पर दबाव बनाना शुरु कर दिया है।

विशेष रुप से समर्थकों के माध्यम से इस सीट को भाजपा के पास रखने के लिए गुहार लगा रहे हैं। दूसरी तरफ पार्टी आलाकमान विशेष रुप से हिंगोली सीट पर देखों और इंतजार करो की नीती अपनाए हुए है। कहा जा रहा है की महायुती ने शिंदे गुट के शिवसेना के लिये हिंगोली लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र छोड दिया है। सांसद हेमंत पाटील को उम्मीदवारी मिलने की संभावना है, लईकिन अभी तक उनके नाम की अधिकृत घोषणा नहीं की गई है। दुसरी ओर देखा जा रहा है कि महायुती के भाजपा में उम्मीदवारी को लेकर काफी होड मची हुई है। पिछले दो साल में बीजेपी ने यात्रा योजना, अन्य कार्यक्रमो के जरिए हिंगोली लोकसभा क्षेत्र मे संगठन खडा किया है।

दिलचस्प बात यह है की हिंगोली लोकसभा मे 6 विधानसभा क्षेत्र जिसमे 3 विधानसभा क्षेत्र मे हिंगोली, उमरखेड, किनवट मे भाजपा के विधायक हैं इसलिए भाजपा ने सीट पर दावा करने के लिए हर तरफ से मोर्चा बांध रखा है। दूसरी ओर महायुती का दूसरा साथी शिव-सेना शिंदे गुट के मौजुदा सांसद हेमंत पाटील अपने विभिन्न योजना, विकास कामो के बल पर सीट का दावा कर रहे है। वही उनकी जगह उम्मीदवार बदला जाए या फिर सीट सीधे भाजपा के लिये छोड दी जाए। हालांकि महायुती द्वारा अभी तक उम्मीदवारी का मुद्दा हल नहीं किया गया है इसलिए भाजपा के दावेदारो मे बडी बेचैनी झलक रही है। भाजपा के दावेदार बार बार दावा कर रहे हैं की हिंगोली सीट उनके लिये ही रहेगी। अभी भी महायुती गठबंधन मे सीट को लेकर विवाद बना हुआ है।

सूत्रो का कहना है की महायुती गठबंधन के घटक दल यदि आपसी समझौते मे हिंगोली सीट भाजपा के लिए छोडते है तो टिकिट के दावेदारो मे रामदास पाटील सुमठाणकर, डॉ श्रीकांत पाटील, पुर्व सांसद एड शिवाजी माने, शाम भारती महाराज, पूर्व विधायक गजानन घुगे, रामराम वडकुते का नामो की चर्चा है।

वही महाविकास आघाडी से शिवसेना उद्धव गुट से पुर्व विधायक नागेश पाटील आष्टीकर, पूर्व सासद सुभाष वानखेडे, कांग्रेस से युवा नेता सचिन नाईक, विधायक डॉ प्रज्ञा राजीव सातव, धनराज राठोड, राष्ट्रवादी शरद पवार गुट से पुर्व मंत्री जयप्रकाश दांडेगावकर, दिलीप चव्हाण आदी की नामो की चर्चा है।

लिहाजा हिंगोली लोकसभा सीट को लेकर यह कहना थोडी जल्दबाजी होगी की यहां आगामी दिनो मे किस मोर्चे से कौन उम्मीदवार दिखाई दे सकता है।

निर्मल में आवारा कुत्तों के हमले से घायल चार साल की बच्ची की मौत

निर्मल, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दो मार्च को आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में गंभीर रूप से घायल हुई चार साल की बच्ची की शुक्रवार को यहां एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

आवारा कुत्तों के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद थाटीगुड़ा गांव की भुक्या शानवी को जिला मुख्यालय के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह किसान अमर सिंह की इकलौती बेटी हैं, जबकि उनकी मां सरिता एक गृहिणी हैं।

अमर सिंह ने अधिकारियों से आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

स्थानीय लोगों ने कहा कि पेम्बी मंडल के कई हिस्सों में कुत्ते नियमित अंतराल पर बच्चों और बुजुर्गों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने अपने बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की।

कलेक्टर ने एसएसटी चेक पोस्ट का किया निरीक्षण

हनुमाकोंडा, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने गुरुवार को हनुमाकोंडा जिले के मुलुगु रोड के पास स्थापित सांख्यिकीय सर्वेक्षण टीम (एसएसटी) चेक पोस्ट का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने अधिकारियों से एसएसटी चेक पोस्ट के तहत चल रहे निरीक्षण के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर बोलते हुए जिला कलेक्टर सिक्ता पटनायक ने अधिकारियों को चुनाव नियमों को सख्ती से लागू करने की सलाह दी। इस अवसर पर कलेक्टर ने एसएसटी के तत्वावधान में चल रही वाहन जांच का निरीक्षण किया। इसी प्रकार चेक पोस्ट के रख-रखाव से संबंधित अभिलेखों की जांच की गई।

चुनाव के मद्देनजर उपद्रवी तत्वों को दी गई समझाइश

हनुमाकोंडा, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
लोकसभा चुनाव के मद्देनजर हनमाकोंडा थाना अंतर्गत रहने वाले सभी उपद्रवी तत्वों को थाने में बुलाकर समझाइश दी गई। पुलिस अधिकारियों ने उपद्रवी तत्वों को नसीहत देते हुए कहा कि संसदीय चुनाव में शांति व सुरक्षा में कोई गड़बड़ी नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि काउंसिलिंग में नहीं आने वाले उपद्रवी शीटरों की पहचान कर उनका नाम लिया जायेगा और दोबारा बैठक की जायेगी।

अम्मा देवी फाउंडेशन में एनआईआईएमएच का जागरूकता अभियान आयोजित

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के अधीनस्थ कार्यरत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान हैदराबाद ने पोषण पखवाड़ा 2024 गतिविधियों के अनुपालन में शुक्रवार को अम्मा देवी प्रतिष्ठान असमनगढ़ में संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी पी प्रसाद के विशेष मार्गदर्शन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें आयुर्वेदोक्त आहार विधि विधान एवं स्वास्थ्यपूर्ण जीवन में उसका महत्व विषय पर डॉ. संतोष माने अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने व्याख्यान दिया। जिसके अंतर्गत आयुर्वेद में वर्णित भोजन के सामान्य नियम, जलपान के नियम, भोज्य पदार्थों के गुणधर्म आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

उसके बाद प्रतिष्ठान के छात्रों और उपस्थित पदाधिकारियों को फल, जवार के लड्डू और सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री का वितरण किया गया। इसका समापन श्रीनिवास राव, एलआईए द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। ए निर्मला, संस्थापक तथा प्रतिष्ठान के उपस्थित पदाधिकारी, कर्मचारियों और छात्रों के साथ साथ आत्माराम, वरिष्ठ समाज सेवक, जी रवि बाबू, फोटोग्राफर आदि के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। इस पहल से प्रतिष्ठान के छात्र, पदाधिकारी एवं कर्मचारी लाभान्वित हुए।

देश का सबसे बड़ा निर्माणाधीन पुल गिरा, एक मरा, नौ घायल

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। सुपौल और मधुबनी जिले को जोड़ने के लिए कोसी नदी पर देश का सबसे लंबा पुल का बड़ा हिस्सा (गार्डर) गिर गया। इसमें दबने से एक मजदूर की मौत हो गई। वहीं नौ से ज्यादा मजूदर घायल हैं। तीन से चार मजदूर गार्डर के नीचे दबे हुए भी हैं। एक बार फिर से बिहार में पुल हादसे के बाद विपक्ष और जनता पुल की गुणवत्ता पर सवाल उठा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हमलोगों ने पुल निर्माण कंपनी के इंजीनियर को कई बार कहा कि गुणवत्ता ठीक नहीं है। लेकिन, उनलोगों न एक नहीं सुनी। नतीजा आज सबके सामने है। वहीं सुपौल के जिलाधिकारी ने मामले की जांच की बात कही है। सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार ने कहा कि मधुबनी के भेजा से क्रेन आ रही है। गार्डर उठने के बाद ही सारी बात स्पष्ट हो पाएगी।

केंद्र सरकार के महत्वपूर्ण भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत देश के सबसे लंबे पुल का निर्माण हो रहा है। परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से 1200 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई 10.2 किलोमीटर से ज्यादा है। एप्रोच रोड मिलाकर पुल की कुल लंबाई 13.3 किलोमीटर होगी। पुल निर्माण का काम ट्रांस रेल कंपनी करवा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद कंपनी के अधिकारी और इंजीनियर मौके पर नहीं आए। लोगों का यह भी कहना है कि पुल का निर्माण 2023 तक पूरा होना था, लेकिन कोरोना और बाढ़ के कारण पुल निर्माण का समय बढ़ गया। पुल हादसे के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री सैय्यद शाहनवाज हुसैन ने कहा कि सुपौल में कोसी नदी पर पुल का हिस्सा गिरने से हुआ हादसा अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। दुआ कर रहा हूं कि हादसे की जद में आए लोग सलामत रहें और बचाव दल को उन्हें सुरक्षित बचाने में सफलता मिले।

इससे पहले पांच जून 2023 यानी पिछले साल भागलपुर में सुलतानगंज-अगुवानी गंगा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन फोरलेन पुल एक बार फिर जमींदोज हो गया था। निर्माणाधीन पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया। वहीं पुल पर ड्यूटी कर रहे दो गार्ड भी हादसे के बाद से लापता हो गए थे। अगुवानी के तरफ से पुल के पाया नंबर 10,11,12 के ऊपर का पूरा सुपर स्ट्रक्चर गिर गया था जो लगभग 200 मीटर का हिस्सा होगा। इस महासेतु का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी द्वारा किया जा रहा है। भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में बन रहा यह पुल खगड़िया और भागलपुर जिलों को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा था।

सीएम पद से हटाए जा सकते हैं केजरीवाल

संवैधानिक संकट की केंद्र कर रहा है विवेचना

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के कारण दिल्ली में संवैधानिक संकट उत्पन्न हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि जेल से सरकार नहीं चला करती। संविधान में ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि सरकार का मुखिया जेल में चला जाए और वहीं से सरकार चलती रहे। देश में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है।

ऐसे कई कामकाज होते हैं, जिनके लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति अनिवार्य होती है। अगर मौजूदा स्थिति में केजरीवाल, मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ते हैं तो सरकार के पास उन्हें पद से हटाने यानी डिसमिस करने का ही विकल्प बचता है। यह सारी प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्रालय के द्वारा पूरी की जाती है।

यह कहा जा सकता है कि इस तरह के संवैधानिक संकट के दौर में अब केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास ही दिल्ली के ताले की चाबी है। संविधान विशेषज्ञ बताते हैं कि जेल से कोई सरकार नहीं चल सकती। देश में पहले कभी ऐसा मामला सामने नहीं आया है कि मुख्यमंत्री जेल में हो और सरकार चलती रहे। सरकार में कई तरह के कामकाज होते हैं। कैबिनेट बैठक के अलावा भी कई तरह की कमेटियों की बैठक होती है, जिसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री को करनी होती है। विधानसभा की कमेटी भी होती हैं। सरकार में कई तरह के गोपनीय निर्णय भी लेने होते हैं, जिनमें मुख्यमंत्री की सहमति एवं उपस्थिति जरुरी मानी जाती है। निर्णय हवा में नहीं लिए जाते।

सीएम केजरीवाल छह दिन की ईडी रिमांड पर गए

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 28 मार्च तक के लिए ईडी की रिमांड पर भेज दिया है। अब 28 मार्च को दोपहर दो बजे कोर्ट में पेशी होगी। केजरीवाल को छह दिन की रिमांड पर भेजा गया है। इन छह दिनों तक केजरीवाल ईडी के लॉकअप में रहेंगे।

दिल्ली में यह एक संवैधानिक संकट है। मुख्यमंत्री जेल में है और वह पद नहीं छोड़ रहा। इसमें नैतिकता का पक्ष भी है, जिसकी केजरीवाल ने कतई परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री केजरीवाल की तरफ से उनके मंत्री कह रहे हैं कि हमारे पास पूर्ण बहुमत है। जब बहुमत है तो मुख्यमंत्री त्यागपत्र क्यों दें। ऐसे में एक ही रास्ता है कि कानून के मुताबिक, मुख्यमंत्री को बर्खास्त कर दिया जाए। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 239एए, जो दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को विशेष दर्जा प्रदान करता है, उसमें सरकार चलाने के प्रावधानों का उल्लेख है। इनमें यह प्रावधान भी है कि राष्ट्रपति की इच्छा तक ही मुख्यमंत्री अपने पद पर काम कर सकते हैं। वे कभी भी सीएम का इस्तीफा ले सकते हैं।

मौजूदा संवैधानिक संकट में अब एक ही विकल्प बचता है। अनुच्छेद 239एए में ऐसे प्रावधान भी हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल, राष्ट्रपति को लिखें कि मुख्यमंत्री केजरीवाल, अपना पद नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति उन्हें पद से हटा सकते हैं। अगर मुख्यमंत्री डिसमिस होते हैं तो इसका मतलब दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लग जाएगा। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय की भूमिका सबसे अहम है। राष्ट्रपति की इच्छा, उपराज्यपाल का लिखना या मुख्यमंत्री का डिसमिस होना, ये सारे काम गृह मंत्रालय के तहत होते हैं। बिहार में मुख्यमंत्री रहते हुए लालू यादव को जेल जाना पड़ा था। उस स्थिति में उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया था। दिल्ली में अगर केजरीवाल, खुद नहीं हटते हैं तो अंतिम विकल्प राष्ट्रपति शासन ही बचता है।

वामपंथी उग्रवाद से ग्रस्त क्षेत्रों का नए सिरे से वर्गीकरण

38 में से 12 जिले सबसे अधिक नक्सल प्रभावित

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 10 राज्यों के प्रभावित जिलों का नया वर्गीकरण गृह मंत्रालय ने जारी किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 10 राज्यों में कुल 38 जिलों को 1 अप्रैल, 2024 से वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों के तौर पर वर्गीकृत किया गया है, जबकि 2015 में यह संख्या 75 थी।

आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों का वर्गीकरण 2015 में अनुमोदित राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना के तहत संसाधनों की तैनाती के लिए आधार प्रदान करता है। गौरतलब है कि इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ अभी भी वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 15 जिलों के साथ चार्ट में शीर्ष पर है, इसके बाद ओडिशा (सात जिले), झारखंड (पांच), मध्य प्रदेश (तीन), केरल, महाराष्ट्र, तेलंगाना (दो-दो) और पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश (एक-एक) हैं। इनमें से 12 जिले, छत्तीसगढ़ के सात, ओड़ीशा के दो और झारखंड, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के एक-एक जिले को सबसे अधिक प्रभावित जिले के रूप में वर्गीकृत किया गया है और ओडिशा के दो और आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के एक-एक जिले को सबसे अधिक प्रभावित जिलों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

बेगूसराय सीट से कन्हैया नहीं होंगे इंडी गठबंधन के प्रत्याशी

पटना, 22 मार्च (एजेंसियां)। 2019 में बेगूसराय से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले कन्हैया कुमार का इंडी गठबंधन (बिहार में महागठबंधन) से टिकट कट गया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने बेगूसराय सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी। सीपीआई ने पूर्व विधायक अवधेश कुमार राय को उम्मीदवार बनाया है। सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने इसकी घोषणा कर दी है। पटना में शुक्रवार को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद से हरी झंडी मिलने के बाद ही सीपीआई ने इस सीट से प्रत्याशी के नाम का ऐलान किया।

सीपीआई के महासचिव डी राजा ने कहा, हमारी पार्टी के वरीय नेता और पूर्व विधायक अवधेश कुमार राय बेगूसराय से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। डी राजा के प्रेस कांफ्रेंस से कुछ देर पहले ही बिहार कांग्रेस प्रभारी अखिलेश सिंह ने सीट शेयरिंग पर कहा था कि एक-दो दिन में सब फाइनल हो जाएगा। वहीं लालू प्रसाद द्वारा राजद प्रत्याशियों को सिंबल देने के सवाल पर कहा कि मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। जबकि एक दिन पहले पहले अखिलेश सिंह लालू प्रसाद से मुलाकात की थी और उनके बाद डी राजा भी राबड़ी आवास पहुंचे थे। अब अचानक डी राजा का कांग्रेस के दावेदारी वाली बेगूसराय सीट पर अपनी पार्टी के प्रत्याशी के नाम के एलान के बाद सियासी पारा चढ़ने लगा है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि महागठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार 2019 में सीपीआई के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे थे। उनका मुकाबला भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह से था। मतगणना के बाद कन्हैया कुमार को करीब सवा चार लाख वोट से गिरिराज सिंह ने हरा दिया।

10 राज्यों के 20 स्कूलों की मान्यता खारिज

यूपी, दिल्ली, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के भी संस्थान

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने देश के अलग-अलग राज्यों के 20 स्कूलों की मान्यता रद्द कर दी है। सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने बताया कि इन स्कूलों में नियम विरुद्ध आचरण करने के साथ-साथ कदाचार में लिप्त रहने के आरोप हैं। उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के अलावा केरल और उत्तराखंड के स्कूलों पर भी गाज गिरी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और असम के भी कई स्कूलों की मान्यता भी रद्द की गई है।

दिल्ली, पंजाब और असम के तीन स्कूलों की मान्यता को डाउनग्रेड यानी घटा दिया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के मुताबिक जिन स्कूलों की मान्यता रद्द की गई है, इनमें डमी छात्रों और अयोग्य उम्मीदवारों को दाखिला देने के प्रमाण मिले हैं। सचिव हिमांशु गुप्ता ने 22 मार्च को जारी बयान में कहा, क्या स्कूल संबद्धता और परीक्षा उपनियमों में निहित प्रावधानों और मानदंडों के अनुसार चल रहे हैं? यह जांचने के लिए देश भर के सीबीएसई मान्यता प्राप्त स्कूलों में औचक निरीक्षण किया गया। जिन स्कूलों की मान्यता रद्द की गई है इसमें एक केंद्र शासित प्रदेश (जम्मू-कश्मीर) भी शामिल है। इनमें दिल्ली के पांच स्कूल, उत्तर प्रदेश के तीन स्कूल, केरल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के दो-दो स्कूल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और असम के एक-एक स्कूल शामिल हैं।

निरीक्षण के बाद जारी सीबीएसई के बयान के मुताबिक 10 राज्यों के 20 स्कूलों में पाया गया कि कुछ स्कूल डमी और अयोग्य छात्रों का पंजीकरण कराने के अलावा विभिन्न कदाचारों में लिप्त पाए गए। स्कूलों में रिकॉर्ड भी ठीक से नहीं पाए गए। गहन जांच के बाद 20 स्कूलों की मान्यता रद्द करने, जबकि तीन स्कूलों को डाउनग्रेड करने का फैसला लिया गया। सीबीएसई ने अभिभावकों से इन स्कूलों से सतर्क रहने की अपील भी की है। सीबीएसई ने दिल्ली के जिन पांच स्कूलों की मान्यता रद्द की उनमें सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल, दिल्ली-81, नेशनल पब्लिक स्कूल, दिल्ली-40, चंद राम पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दिल्ली-39, मैरीगोल्ड पब्लिक स्कूल, दिल्ली-39 और भारत माता सरस्वती बाल मंदिर, दिल्ली-40 शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के जिन स्कूलों की मान्यता रद्द हुई उनमें लॉयल पब्लिक स्कूल, बुलंदशहर, ट्रिनिटी वर्ल्ड स्कूल, गौतम बुद्ध नगर, और क्रेसेंट कॉन्वेंट स्कूल, गाजीपुर शामिल हैं।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, A BHUVANESHWARI Spouse of Army No.15156074H Hav (GNR) S ALAGAR RAJA, R/o. 18 A, Perumal Kovil Street, Near RI Office, Kodangipatty Post and Vill, Theni Dist, Tamilnadu have changed my name from **A BHUVANESHWARI** to **A BHUVANESWARI** vide affidavit dt:22-3-2024 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB

I, S HABIMUNNISA Spouse of Army No.15811592H Nk Shaik Malibasha, R/o.6-18, A Koduru, Ayyavari Kodur, Po:Bandi Atmakur, Dist:Kurnool, Andhra Pradesh have changed my name and DOB from **S HABIMUNNISA, DOB:08-08-1986** to **HABIMUNNISA SHAIK, DOB:08-08-1985** vide affidavit dt:22-3-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad..

CHANGE OF NAME

I, Sahanba spouse of Army No.6942261W Hav Girirajsinh Nanbha Jadeja, R/o. Balaji Park 02, Plot No.12/01, Opp:Digjam Mill, Street No.1, Vill, Post & Teh:Jamnagar, Dist:Jamnagar, Gujrat have changed my name from **SAHANBA** to **SAHANBA JADEJA** vide affidavit dt:22-3-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME

I, Army No.6947407H Hav Kalim Ansari of 54 Inf DoU, C/o.56 APO hereby declare that my mother name is to be changed from **JAIN BANO** to **ZAHARUN NESSA** vide affidavit dt:22-3-2024

CHANGE OF NAME

I Service No 14664094X Rank - NK Name – N Iranagouda presently residing at Village : Gudageri, PO : Gudageri, Tehsil : Kundgol, Distt-Dharwad, PIN-581107 State-Karnataka have changed my Father name from HANAMANT GOUDA to HANAMANTHAGOUDA BASANAGOUDA NINGODTI add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 21/03/2024.In future, I will be known by this name.

CHANGE OF NAME & DOB

I, Army No.6941657N Hav/DMT Shiv Gulam SIngh of Adm Bn, AOC Centre, Secunderabad that my mother name and DOB is to be changed from **YSHODA DEVI, DOB:20-6-1944** to **YASHODA DEVI, DOB:01-01-1940** vide affidavit dt:21-3-2024.

CHANGE OF NAME

I Service No 14664094X Rank - NK Name – N Iranagouda presently residing at Village:Gudageri, PO: Gudageri, Tehsil:Kundgol, Distt-Dharwad, PIN-581107 State-Karnataka have changed my Mother name from GIRIJA to GIRIJA HANAMANTAGOUDA NINGODTI add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 21/03/2024.In future, I will be known by this name.

CHANGE OF NAME

I, RENUKA is legally wedded spouse of service No 14664094X Rank - NK Name – N Iranagouda presently residing at Village:Gudageri, PO: Gudageri, Tehsil: Kundgol, Distt-Dharwad, PIN-581107 State-Karnataka have changed my name from RENUKA to RENUKA NINGODTI add in my Husband service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 21/03/2024.In future, I will be known by RENUKA NINGODTI.

CHANGE OF NAME

I Service No JC-774567X Rank - SUB Name-Harpreet Singh presently residing at EME Depot Bn, C/o 56 APO, Secunderabad PIN-500015 State- Telangana have changed my Daughter name from JASHMEEN KAUR to JASMEEN KAUR add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 22/03/2024.In future, I will be known by this name.

CHANGE OF NAME

I, Service No -17008699X Rank-Sep Name-Mulla Nasruddin Ramjan presently residing at Vill & PO-Ambap, Tehsil-Hatkanagle, Distt-Kolhapur, PIN-416112 State-Maharashtra have changed my Father name from MULLARAMJAN MAHAMAD to RAMJAN MAHMAD MULLA add in my service documents Before Notary C Samuel Secunderabad dated 22/03/2024. In future, I will be known by this name.

उठावना

श्रीमती गीता देवी डोकनिया

(धर्मपत्नी: स्व.श्री प्रभुदयाल जी डोकनिया)

स्वर्गवास : गुरुवार 21 मार्च 2024

उठावना आज शनिवार 23 मार्च 2024 को दोपहर 1 से 1:30 बजे तक जैन भवन, ईडन बाग, रामकोट, हैदराबाद पर होगा। महिलाओ एवं पुरूषो के लिए)

शोकाकुल : दीपक कुमार (पुत्र)

नंदकिशोर, संजय कुमार, राजेश कुमार, मनोज कुमार (भतीजे)

दर्शित, हर्षित, यशोधर, लक्ष (पौत्र) एवं समस्त डोकनिया परिवार

फर्म : डालचंद प्रभुदयाल डोकनिया

फ़्लैट नं. 203, प्रसाद रेसिडेन्सी, बादाम गली, दोमलगुडा, हैदराबाद. फोन: 9177040480

HOME LOCATION

बैठक: बुधवार 27 मार्च 2024 को मध्यान्ह 3 से 5 बजे तक निवास स्थान पर

नवम ब्रह्मोत्सव में रामानुजचार्य स्वामीजी ने भक्तों को दिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री रंगनाथ मंदिर बैरमपुर रोड में नवम ब्रह्मोत्सव नैमिषरायण सीतापुर श्री श्री त्रिड़ंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी और शालीग्राम शास्त्री एवं मुख्य यजमान रामलाल गंगा बिशन सारडा परिवार को अच्युत रामानुजचार्य स्वामीजी ने आशीर्वाद रूपी प्रसाद दिया। यजमान श्रीतिरुमाला कांति रेखा, विठल रामानूज, नंदूरी, सत्यनारायण शोभा देवी रूपा बालोदिया, अमित अग्रवाल द्वारा चाय सेवा, रमेश मोदानी, और श्री जगन्नाथ मठ परिवार गोपाल निर्मला सोनी, डी पी शर्मा, वेणुगोपाल कांता लोया, रामनिवास श्यामसुंदर लाहोटी, आलोक कुमार शुक्ला, मेघराज अग्रवाल, हीरानंद रामसुख इनानी, विनोद बंग, नीरज सिंह यादव, महेंद्र सिंगनौडिया, गजानंद अग्रवाल, हरि प्रसाद चांडक, श्री वैष्णव सत्संग मंडल, जसमत भाई पटेल लव फॉर काऊ फाउंडेशन,कैलाश नारायण भाँगड़िया, अर्जुन लाल अग्रवाल, सत्यनारायण लोया, पुरुषोत्तम दास लाहोटी, डॉ अनंत काबरा, गोपी किशन बंग, दिलीप अग्रवाल, विष्णु शर्मा, श्रीराम शर्मा, नारायण दास भराड़िया, पवन कुमार केडिया, बद्री प्रसाद सारडा, चुन्नीलाल बृजलाल बांगड़, गुलाब चंद देवड़ा, नरसिंह दास कासट, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, राधेश्याम राठी, पी सुब्बाराव, रमेश गुप्ता, शोभा, श्री लक्ष्मी नारायण सेवा समिति, सीएच रामयना, वार कुमार गुप्ता, विट्ठल श्रीधर रामानुजा, रामकृष्ण अद्दांकी,अरुण ज्योति, डी रमन, साई रेड्डी, डॉ. नरसिंग राव,आनंद सिंगनौडिया, सोहन लाल अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गोयल, हरिराम अग्रवाल, राधे श्याम राठी, कांता देवी अग्रवाल, अरुण भाँगड़िया, गोकुलदास सोनी, दीनबंधु अग्रवाल, सुरेश बियानी, आनंद लोया, दामोदरदास मूंदड़ा, शकुंतला लोया, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति, बाल मित्र सेवा समिति, कमल अग्रवाल, रिदेश जागीरदार, विक्रम चांडक, तरुण मेहता, भगवान दास गिलड़ा, ओम प्रकाश अग्रवाल, ऊषा अग्रवाल, शकुंतला नावंदर, रूबी मिश्रा, जयश्री सुदर्शन, कांता नरेड़ी, सुनीता चौधरी, राजेश अग्रवाल, सरोज गोयल, कलावती जाजू, अरुणा किशोर अग्रवाल, वीना काबरा, रमेश कुमार मोदानी, रवि हैडा, रेखा दूत, कमलेश मोहनिया गुप्ता, रमेश भालोठिया, रविंद्र कुमार भालोठिया, सरोज अग्रवाल, कमल किशोर काकाणी, कैलाश डालिया, दीनबंधु अग्रवाल, गोपाल भंडारी, वीरेंद्र अग्रवाल, वेणु गोपाल खंडेलवाल, पुरुषोत्तम लाला महाराज, महावीर प्रसाद जोशी, सुनीता गौर, मंजू केडिया, सरोज अग्रवाल, पदमा केडिया, कैलाश करुणा अटल, रामनिवास भुतड़ा, अनिल मिश्रा, भगवान पंसारी, गोविन्द राठी, रमेश बंग, कैलाशचंद्र मनियार, बृज गोपाल जाजू, शिल्पा शर्मा, सुरेश मधुबाला उपाध्य, श्याम सुंदर दायमा, सुनीता तौनदावाले, संतोष बाई दिल्ली वाले, अवंतिका गुप्ता, सुशीला अग्रवाल, विजय कुमार बजाज, रामप्रसाद गोयल, वेणु गोपाल जाजू, वल्लभ निर्मला लोया, बाला प्रसाद सूर्यकांता नावंदर, दुर्गा प्रसाद दुबे, राजेश केडिया, सत्येंद्र प्रकाश लड्ढा, लक्ष्मी निवास आसावा, भगवानदास सांखला , प्रमोद कुमार भुवानिया, सतीश अग्रवाल, गोविंद राम अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, राम भरोसे ग्रुप, मदन मोहन दरक, शशिकांत अग्रवाल, राधाकिशन भुतड़ा ,बंकटलाल हरी नारायण राठी, भवरलाल गोविंदा आसावा, सतीश जाजू, चंपालाल जाजू, अवधेश दायमा, अमित अग्रवाल, अनिल बजाज, अरुणा राकेश गुप्ता, प्रवीण फिटकिरीवाल, श्रीनिवास पंडित, प्रकाशचंद विजयवर्गीय, जयपाल सिंह, आशीष काकड़ा , विष्णु कड़ेल ,पप्पू पाटिल , जितेंद्र अवस्थी, राजेश करवा, श्याम सुन्दर बर्मा, सत्यनारायण बालोदिया, ओम प्रकाश खंडेलवाल, प्रभातीलाल गोयनका, परमानंद बंसल, नरेंद्र गोयल, दीपक अग्रवाल, जगदम्बा अग्रवाल, नंदू खंडेलवाल, रत्न खंडेलवाल , सुनील अग्रवाल, रामदेव नगला, हरी किशन ओझा, राम नारायण काबरा, केदार शर्मा,अरविंद केडिया, भीम अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, बलवीर पांडे ,प्रेम अग्रवाल , मनोज जोशी, नंदू अग्रवाल, एस के बियानी,अनिल भाँगड़िया, सुरेश बियानी, कुलदीप व्यास,गोपाल बलदवा, राज हंस राय वर्मा ,राहुल अवस्थी,आलोक प्रसाद तिवारी, रूपेश प्रसाद तिवारी ,धीरज शुक्ला सुरेंद्र मिश्रा, प्रशांत पांडे,पवन शर्मा,रूपेश शर्मा, प्रेमा दायमा, गोविंद असावा, राजेश करवा , अनिरूद अग्रवाल ,सुरेश कुमार अग्रवाल,घनश्याम दास राठी, कोलकता स्वीट हाउस, सुधा गनेरीवाल, श्रीनिवास शुक्ला, जगदीश संतोष लोया, विजय अग्रवाल, गायत्री कैनवसिंग, गोविंद अग्रवाल, पवन शर्मा ,प्लास्टिक इंडस्ट्री,चंदूलाल पटवारी, बंकटलाल हरी किशन राठी, बृज गोपाल मूंदड़ा, सतीश अग्रवाल ,बनकटलाल नारायण दास लोया,प्रेम लता अग्रवाल, लता लहोठी ,सोनू मिश्रा,करुणा, सर्शी बाई राठी ,धनराज सोनी,प्रविन चार्य, शीतला प्रसाद तिवारी, सुखदेव श्रीनिवास लोया,रामचंदर किशनलाल काबरा,मुकुंद दास परतानी अनिरुद्ध अवस्थी, राजन गुप्ता, गिरधाराचारी महराज और अच्छूत रामानूजा चार्य ने सभी भक्तों को आशीर्वाद प्रधान किया।

पहली रोटी गाय की सकंल्प के संदर्भ में एक बैठक आयोजित

हैदराबाद, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कंदास्वामी बाग स्थित होटल तारा स्वीट्स में श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा हैदराबाद के तत्वावधान विभिन्न संस्थाओ की एक बैठक लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा हैदराबाद की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया कि पहली रोटी गाय की संकल्प के संदर्भ में एक बैठक में श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा हैदराबाद अध्यक्ष अशोक रामपुरिया, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमेन जसमत पटेल व ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार, आल इंडिया जैन माईनोरिटी फेडरेशन तेलंगाना राज्य संयोजक मुकेश चौहान जैन, होटल तारा स्वीट्स एवं श्री विशा मोढ गौभूजा समाज के लक्ष्मण शाह तथा निरव शाह, महेश्वरी समाज के राम भंडारी तथा इशांत भंडारी, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष पारस जागीरदार, कोषाध्यक्ष धारीणी पारस जागीरदार, भारतीय जैन संघठना महिला विभाग की मंत्री रंजना शाह, बीजेपी सुल्तान बाजार डिवीजन अध्यक्षा मेघना जैन आदि ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए अशोक रामपुरीया ने पधारे सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा श्री जैन कुशल शांति गौ सेवा हैदरावाद द्वारा चलायी जा रही गतिविधियो की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म में गौ को माता का स्थान दिया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गौ माता में 33 कोटी देवी देवताओ का वास होता है। यदि पहली रोटी गौ माता के नाम की रखी जाय तो देवी देवताओ को भोग लगाने का फल प्राप्त होता है।

अशोक रामपुरिया ने कहा कि पहली रोटी गाय की कार्यक्रम अंतर्गत संस्था द्वारा प्रतिदिन लोअर टैंकबंड स्थित भाग्यनगर गौशाला तथा शहर की अन्य गौशालाओ में गायों के लिए रोटी खिलाने की व्यवस्था की जारी है। प्रतिदिन कम से कम 3000 रोटीयों का वितरण गौशाला में किया जा रहा है।

जसमत पटेल ने कहा कि हैदराबाद शहर के आस पास करीब 40 से अधीक गौशाला हैं एवं कई गौशालाओ को आर्थिक कठिनाइयां हैं। लव फोर काऊ फाउण्डशन के माध्यम से प्रतिदिन एक रूपये प्रति व्यक्ति दान करने की योजना चलाई जा रही है। बैठक में लक्ष्मण शाह, राम भंडारी, जसमत पटेल ने पहली रोटी गाय की कार्यक्रम हेतु अर्थ सहयोग किया।

तीन आतंकियों के खिलाफ एनआईए का आरोपपत्र दाखिल

आईएस का भारत विरोधी एजेंडा बढ़ा रहे थेर

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

भारत में इस्लामिक स्टेट नेटवर्क से जुड़े तीन आतंकियों के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आरोप पत्र दाखिल किया। ये तीनों अपने बोरीवली-पड्घा आतंकवादी मॉड्यूल के जरिए विस्फोटक आईईडी का निर्माण, युवाओं की भर्ती, धन जुटाने और आतंकी संगठन के भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल थे।आरोपियों की पहचान इलाहाबाद/प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) के मोहम्मद रिजवान अशरफ, देहरादून (उत्तराखंड) के मोहम्मद अरशद वारसी और हजारीबाग (झारखंड) के मोहम्मद शाहनवाज आलम के रूप में हुई है। आरोपपत्र में एनआईए ने आईएस के विदेश में बैठे संचालकों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का भी खुलासा किया है। आरोपियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आईपीसी, यूएपीए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं।

बोरीवली- पडघा आईएस आईएस आतंकी मॉड्यूल मामले (एनआईए आरसी-29/2023/एनआईए/डीए-लआई) की जांच के दौरान एजेंसी ने इस्लामिक स्टेट (आईएस) की ओर से प्रकाशित वॉयस ऑफ हिंद, रुमिया, खिलाफत, दबिक जैसी प्रचार पत्रिकाओं के साथ-साथ विस्फोटक-आईईडी के निर्माण से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री जब्त की थी। जांच से पता चला कि वे आईईडी के निर्माण से संबंधित डिजिटल फाइलें अपने संपर्कों के साथ साझा कर रहे थे। उन्हें आईएसआईएस गतिविधियों को आगे बढ़ाने और इसकी चरमपंथी और हिंसक विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए अपनी आतंकी योजनाओं और डिजाइनों के लिए सक्रिय रूप से धन जुटाते हुए भी पाया गया।

एनआईए नापाक आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के इरादे से देश में सक्रिय विभिन्न आईएस मॉड्यूल की जांच कर रही है। एनआईए ने 6 नवंबर 2023 को शाहनवाज आलम और अन्य के खिलाफ उनके आईएस आकाओं के निर्देश पर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश के संबंध में मामला दर्ज किया था।राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के पोलित ब्यूरो सदस्य बिनोद मिश्रा को धनबाद से गिरफ्तार किया है। मिश्रा भाकपा (एम) को फिर से मजबूत करने की साजिश रचने के मामले में वांछित था। वह पिछले 8 महीने से फरार चल रहा था।एनआईए ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि मिश्रा को एजेंसी की एक टीम ने झारखंड के धनबाद जिले के धनसार क्षेत्र से गिरफ्तार किया। जांच के अनुसार बिनोद मिश्रा भाकपा (माओवादी) के उत्तरी क्षेत्र के ब्यूरो प्रमुख एवं पोलित ब्यूरो सदस्य का करीबी सहयोगी और दूर का रिश्तेदार है तथा उसने संगठन के वरिष्ठ सदस्यों को अपने घर में आश्रय दिया था।

इसरो को मिली बड़ी कामयाबी पुष्पक का हुआ सफल परीक्षण

बेंगलुरु, 22 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को कहा कि उसने आरएलवी एलईएक्स-02 लैंडिंग प्रयोग के माध्यम से पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह परीक्षण कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज में सुबह सात बजकर 10 मिनट पर किया गया और यह इस शृंखला का दूसरा परीक्षण है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में बताया कि पिछले साल किए गए आरएलवी-एलईएक्स-01 मिशन के बाद आरएलवी-एलईएक्स-02 ने हेलीकॉप्टर से छोड़े जाने के बाद पुन: प्रयोज्य प्रक्षेपण यान (आरएलवी) की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का प्रदर्शन किया।इसमें कहा गया है, आरएलवी को फैलाव के साथ अधिक कठिन करतब करने, क्रॉस-रेंज एवं डाउनरेंज दोनों को सही करने और पूरी तरह से स्वायत्त मोड में रनवे पर उतरने के लिए बनाया गया था। इसरो ने बताया कि भारतीय वायु सेना का चिनूक हेलीकॉप्टर पंखों वाले पुष्पक नामक इस यान को ऊपर लेकर गया और इसे 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई से छोड़ा गया।

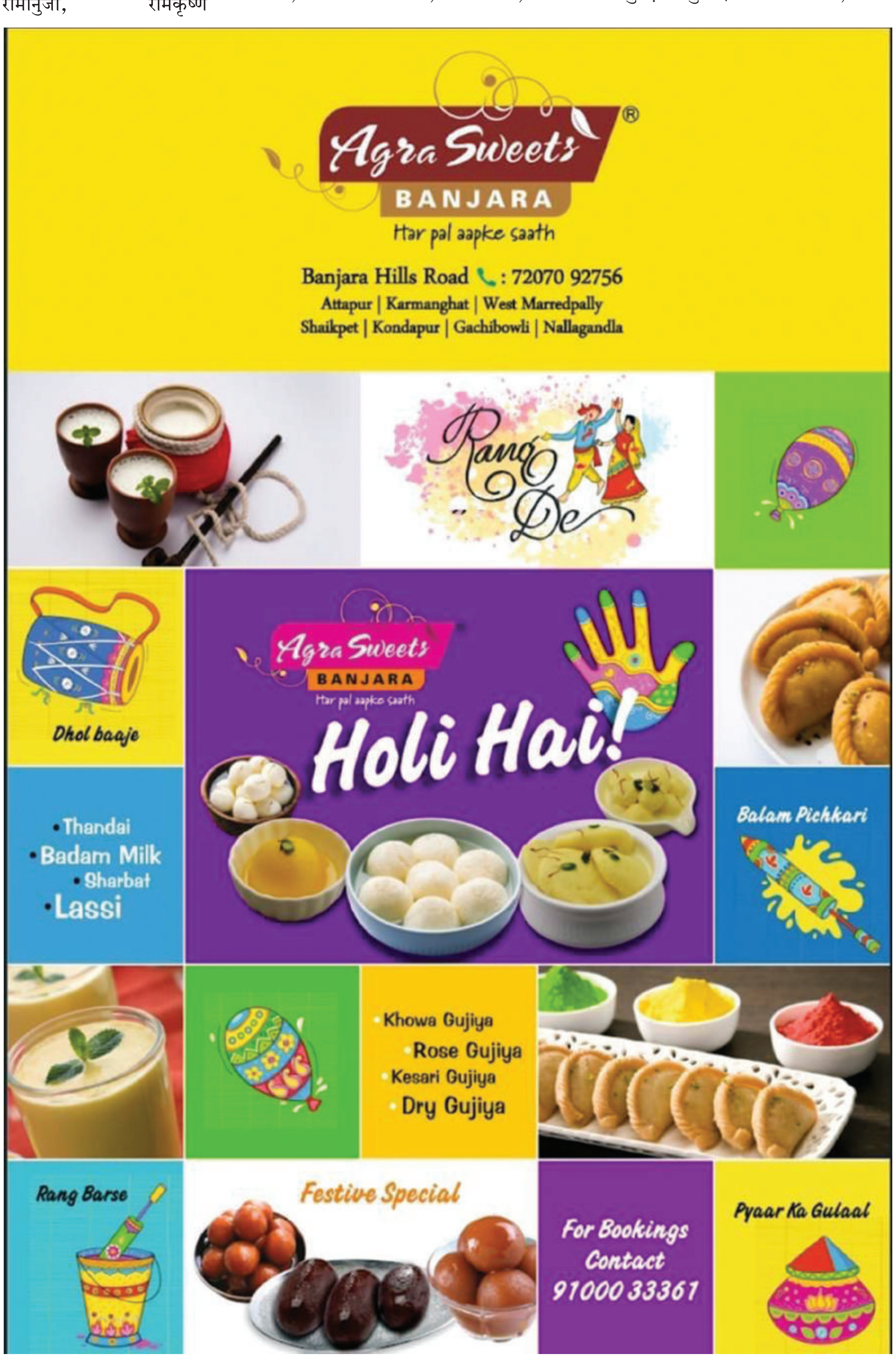

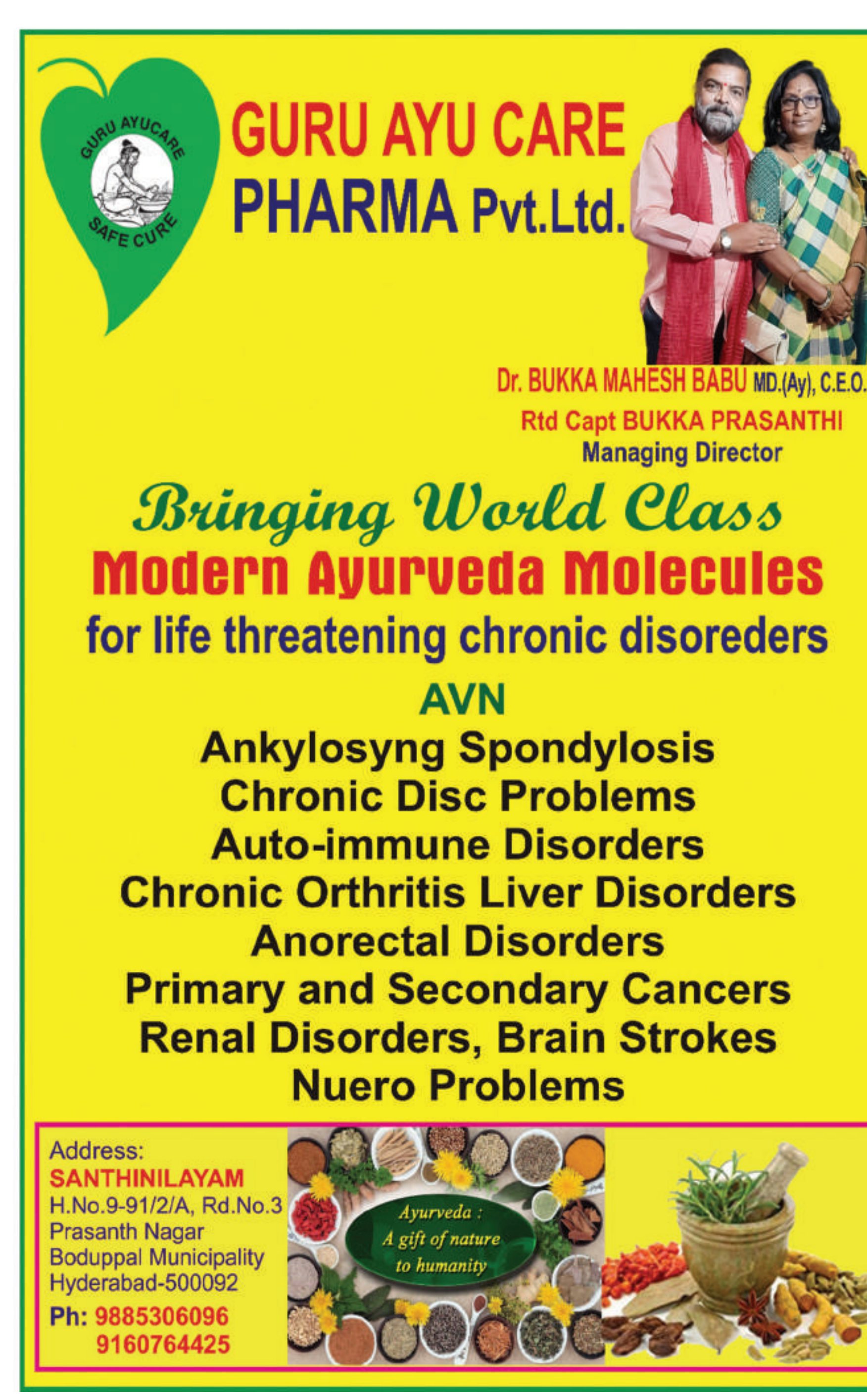

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.